Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 15 September 2024 ● Year : 02 ● Issue : 238 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सत्यमेव जयते

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

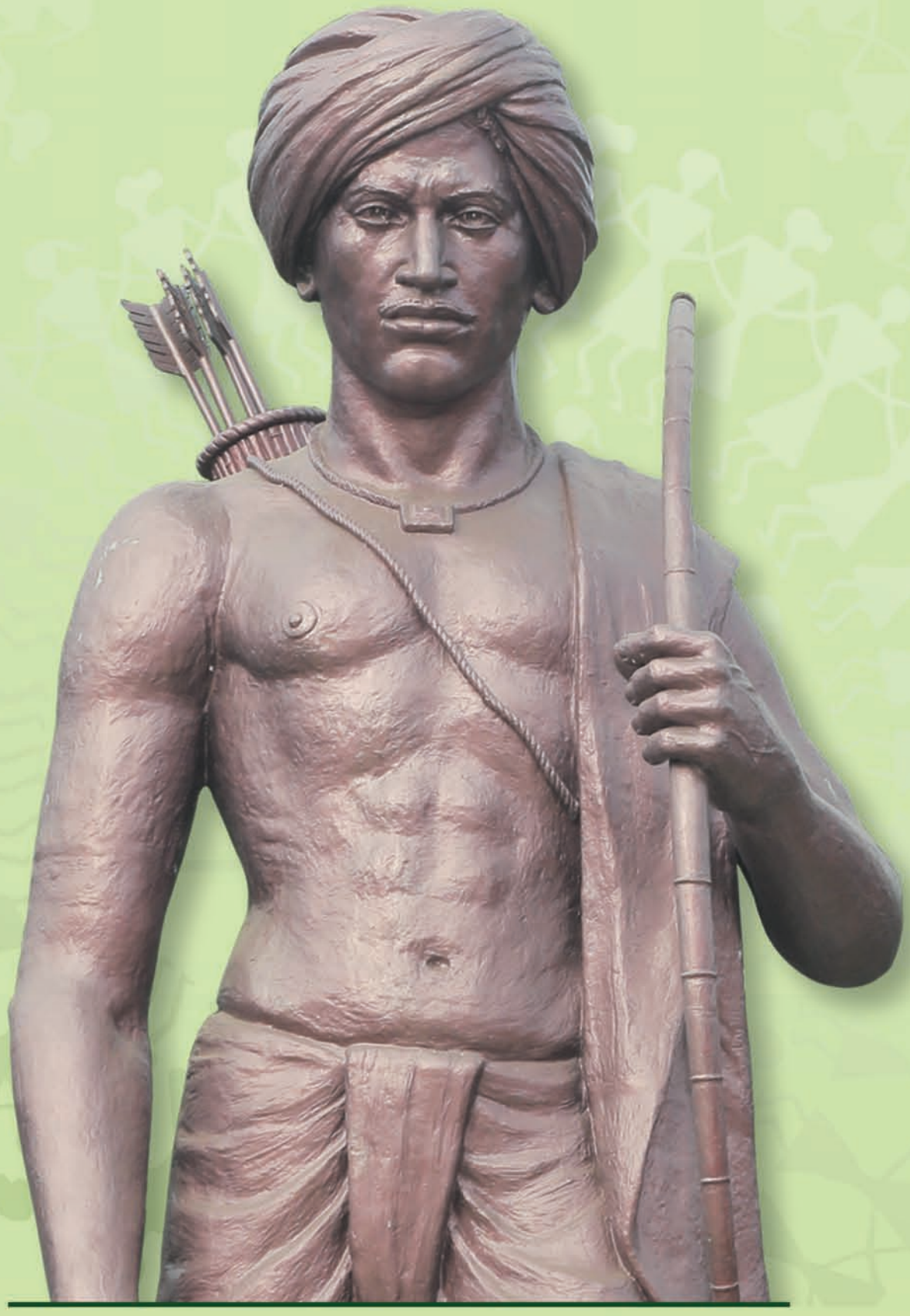

वीर शहीदों की पावन भूमि झारखण्ड में

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

जी का हार्दिक अभिनंदन
और जोहार

15 सितम्बर, 2024

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड


श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

BRIEF NEWS

## राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने करम पर्व की दी बधाई

**RANCHI :** राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को प्रकृति पूजा करम पर्व की बधाई दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया के एक्स पर लिखा कि प्रकृति पूजा करम पर्व के पावन अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ मानव जीवन की एकरूपता और भाई-बहन के अटूट स्नेह एवं सम्मान को दशार्ता यह पावन पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है। यह पर्व आप सभी के जीवन में खुशियां लाए, आप सभी स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रहें, यही कामना करता हूं।

## घर के बाहर से वाहन की चोरी, प्राथमिकी दर्ज

**RANCHI :** तमाड़ थाना क्षेत्र के रायडीह मोड़ निवासी अमित गुप्ता के घर के बाहर से पिकअप वाहन के चोरी का मामला शनिवार को प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन (जेएच 05डीके 9590) शुक्रवार रात को चोरी हो गया। चोरों ने वाहन में लगे जीपीएस को भी काट दिया, जिससे वाहन का ट्रेकिंग नहीं हो पाया। अमित गुप्ता ने तमाड़ थाना में लिखित आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। आवेदन में अमित गुप्ता ने बताया कि पिकअप वाहन में राशन दुकान का माल भी लोड था, जो चोरी हो गया हैं।

## मीडिया कप फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन टीम शंख व गंगा ने मारी बाजी

**RANCHI :** शनिवार को बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में चल रहे मीडिया कप फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन टीम शंख और गंगा ने बाजी मारी। शंख टीम ने मयूराक्षी टीम को 2-1 से हराया। वहीं दूसरे मुकाबले में गंगा ने भैरवी को 2-1 से पराजित किया। दोनों ही मैच में खिलाड़ियों के अंदर फुटबॉल का रोमांच देखने को मिला। शंख टीम के रंजीत और गंगा के जितेंद्र को प्लेयर ऑफ द मैच के सम्मान से रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र सोरेन, सचिव अमरकान्त ने सम्मानित किया। आगामी 17 सितम्बर की रात्रि में दूधिया रौशनी में भव्य फाइनल मैच का समापन समारोह बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में होगा।

## केंद्रीय मंत्री गणपति महोत्सव की आरती में हुए शामिल

**RANCHI :** केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आवास पर आयोजित गणपति महोत्सव की आरती में शामिल हुए। चौहान गणेश की आरती कर उनका आशीर्वाद लिया। साथ ही झारखंड की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस दौरान सजय सेठ ने परिजनों के साथ उनका अभिनंदन और सम्मान किया। शिवराज ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत संजय सेठ के आवासीय परिसर में पौधरोपण किया। इस अवसर पर रांची महानगर के अध्यक्ष वरुण साहू सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

### रतन हाइट्स के जमीन मालिक व बिल्डर को हाईकोर्ट का नोटिस, पूछा-

# आदेश का अनुपालन नहीं करने पर क्यों न हो अवमानना की कार्रवाई

**PHOTON NEWS RANCHI :** शनिवार को रिंकी यादव एवं अन्य की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने मोरहाबादी स्थित रतन हाइट्स के जमीन मालिक अशोक कुमार वालमजी परमार एवं अन्य के अलावे बिल्डर वीकेएस रियलिटी के संचालक विजय कुमार साहू को अवमानना नोटिस जारी किया है। हाई कोर्ट की एकल पीठ ने उनसे पूछा है कि हाई कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं करने पर क्यों नहीं उन पर अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाए।

पूर्व में इन्हें कोर्ट के आदेश का अनुपालन करने को लेकर शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन की उनकी ओर से दाखिल नहीं किया गया था। हाई कोर्ट की एकल पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 27 सितंबर को रतन हाइट्स के जमीन मालिक अशोक कुमार वालमजी परमार, जय परमार, जीत परमार, प्रतिमा दयाराम परमार और स्वेता परमार के अलावा बिल्डर वीकेएस रियलिटी के संचालक विजय कुमार साहू को कोर्ट में सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। फ्लैट ओनर रिंकी यादव की ओर से अधिवक्ता सुमित गड़ोदिया ने पैरवी की। वहीं, रतन हाइटस रेसिडेंसियल सोसाइटी की ओर से भी हाई कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की गयी है, जिसमें 30 अगस्त 2024 को बिल्डर वीकेएस रियलिटी के संचालक विजय कुमार साहू एवं जमीन मालिक को नोटिस जारी किया गया है। इस मामले की सुनवाई 4 अक्टूबर को होना है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता रोहित रंजन सिन्हा ने पैरवी की थी।

दरअसल बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने रतन हाइट्स के जमीन मालिक अशोक कुमार वालमजी परमार एवं अन्य की ओर हाई कोर्ट के खंडपीठ एवं एकल पीठ के आदेश को चुनौती देने वाली एसएलपी को खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के खंडपीठ एवं एकल पीठ के आदेश को सही करार दिया है। इससे पूर्व भी बिल्डर वीकेएस रियलिटी की ओर से हाई कोर्ट की खंडपीठ में दायर अपील खारिज की गई थी। खंडपीठ ने हाई कोर्ट की एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखा था। रतन हाईट्स बिल्डिंग रेसिडेंशियल सोसाइटी की याचिका पर हाई कोर्ट की एकल पीठ ने इस जुलाई 2023 में अपना फैसला सुनते हुए नगर आयुक्त द्वारा संशोधित नक्शा पास किए जाने के आदेश एवं संशोधित नक्शे को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि 46 कट्ठा पर जो कॉमन एरिया था वह कॉमन एरिया ही रहेगा। कोर्ट ने लैंड ओनर और बिल्डर वीकेएस रियलिटी को गड्ढा भरने और यदि उसमें कोई कंस्ट्रक्शन किया है तो उसे हटाने, रिटेनिंग वॉल हटाने और उस जमीन को एक माह में सोसाइटी को हैंड ओवर करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि 86 कट्ठा का नक्शा पास हुआ था वह सही था, उसमें कॉमन एरिया डिसाइडेड था। इसलिए 86 कट्ठा में से 46 कट्ठा को अलग कर उसका संशोधित नक्शा पास करना गलत है।

### बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया को नोटिस

झारखंड स्टेट बास्केटबॉल एसोसिएशन के भरत सिंह की ओर से बास्केटबॉल एसोसिएशन में गड़बड़ी और मान्यता दिलाने को लेकर दाखिल याचिका की सुनवाई हुई। मामले में हाई कोर्ट की एकल पीठ ने बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इससे पूर्व प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि झारखंड स्टेट बास्केटबॉल एसोसिएशन से उन्हें हटाकर हरभजन सिंह ने दूसरा एसोसिएशन बना लिया है। हरभजन सिंह के नेतृत्व में बनी एसोसिएशन को मान्यता दे दी गयी है। हरभजन सिंह की अध्यक्षता में बने नए एसोसिएशन पर साढ़े तीन लाख रुपये के गबन करने का आरोप है। जांच रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितता की बात सामने आई है। प्रार्थी ने आग्रह किया है कि हरभजन सिंह की अध्यक्षता में बने नए एसोसिएशन की मान्यता को रद्द कर उनके नेतृत्व वाली पुराने एसोसिएशन को मान्यता दी जाए।

### सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ दर्ज केस में संशोधित याचिका दाखिल करने की अनुमति

झारखंड हाईकोर्ट में देवघर में दर्ज केस को निरस्त करने का आग्रह करने वाली सांसद निशिकांत दुबे की याचिका की सुनवाई शनिवार को हुई। मामले में हाई कोर्ट की एकल पीठ ने संशोधन पिटीशन दाखिल करने के निशिकांत दुबे के आवेदन को स्वीकार करते हुए उन्हें दो सप्ताह में संशोधन पिटीशन दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही संशोधन पिटीशन दाखिल होने पर राज्य सरकार को जवाब के लिए चार सप्ताह का समय मिला है। पूर्व में निशिकांत दुबे ने मोहनपुर थाने में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने का आग्रह किया था लेकिन मामले में अब आरोप पत्र दाखिल हो चुका है। जिसे संशोधन पिटीशन के माध्यम से हाई कोर्ट में चुनौती दी जानी है। कोर्ट ने मामले में निशिकांत दुबे के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रख जारी रखी है। देवघर के मोहनपुर थाना में सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ कांड संख्या 281 /2024 दर्ज की गई थी। इसी केस को निरस्त करने का आग्रह उनकी ओर से किया गया। निशिकांत दुबे पर आरोप है कि उन्होंने मोहनपुर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति जो बाजार में बैल खरीद बिक्री करता था उसे बांग्लादेशी घुसपैठिया बताते हुए उसके साथ मारपीट की थी और उसका बैल भगा दिया था। निशिकांत दुबे ने उस व्यक्ति को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया था। निशिकांत दुबे का कहना था कि उस क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा गाय-बैल की तस्करी की जाती है।

### पूजा पंडाल विवाद का मामला गहराया

# संजय सेठ बोले- कोई नहीं रोक सकता पूजा-अर्चना

निर्माणाधीन पंडाल के समीप मंत्री संजय सेठ व अन्य। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI :** पुरानी विधानसभा मैदान में बन रहा पूजा पंडाल विवादों में आ गया है। दरअसल, इस साल रामलला पूजा समिति धुर्वा के पुरानी विधानसभा मैदान में अयोध्या की तर्ज पर भव्य श्रीराम मंदिर के स्वरूप में पूजा पंडाल का निर्माण करा रही है।

एचईसी की जमीन पर बन रहे इस पूजा पंडाल के निर्माण पर स्थानीय प्रशासन द्वारा रोक लगाए जाने के बाद शनिवार को विवाद अचानक बढ़ गया। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री और स्थानीय सांसद संजय सेठ, सांसद दीपक प्रकाश, विधायक सीपी सिंह समेत भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता पूजा पंडाल निर्माण स्थल पर पहुंचे और जिला प्रशासन की रोक पर नाराजगी जताई। सभी नेताओं ने कहा कि हर हाल में यहां दुर्गा पूजा होगा, कोई माई का लाल इसे रोक नहीं सकता है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि रामलला पूजा समिति ने इसके लिए 9 लाख रुपये भी जमा कर दिए हैं, जिसके बाद यहां पूजा पंडाल का निर्माण शुरू हुआ है। ऐसे में अगर सरकार वोट बैंक को ध्यान में रखकर कोई कदम उठा रही है तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

### 90 लाख की लागत से बन रहा है पूजा पंडाल

अयोध्या श्रीराम मंदिर की तर्ज पर पहले हरमू मंदिर में पूजा पंडाल बनना था। इसके लिए हाउसिंग बोर्ड से अनुमति लेने का प्रयास किया गया लेकिन रामलला पूजा समिति को सफलता नहीं मिली। रामलला पूजा समिति के अशोक चौधरी के अनुसार हरमू के बाद धुर्वा के इस मैदान में पंडाल बनाने की अनुमति एचईसी से ली गयी। इसके लिए 9 लाख रुपये भी जमा कराये गये। इसके बाद पंडाल निर्माण शुरू हुआ। अब जब आधे से अधिक काम पुरा हो चुका है तो प्रशासन की ओर से इसे रोकने का प्रयास किया गया है।

## दुर्गा पूजा समिति सुकुरहुटू के अध्यक्ष बने आकाश और संरक्षक अजय बैठा

**PHOTON NEWS RANCHI :** शनिवार को श्री-श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति सुकुरहुटू की बैठक मुखिया राम लखन मुंडा की अध्यक्षता में हुई। पिछले साल का लेखा-जोखा अध्यक्ष प्रभात भूषण ने प्रस्तुत किया। इसके के बाद पुरानी कमेटी को भंग कर नई कमेटी का गठन किया गया। नई समिति में सर्वसम्मति से संयोजक प्रभात भूषण और बिनोद साहू, अध्यक्ष आकाश कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश पहान, सचिव प्रमाननंद कुमार, सहसचिव दीपक कुमार, कोषाध्यक्ष कृष्णा कुमार, सहकोषाध्यक्ष कुमार तनु, उपाध्यक्ष बेनी राम महतो, अनूप मुंडा,शानू कुमार, आदित्य पोदार, निशांत कुमार, तारा नायक को बनाया गया। रावण दहन का अध्यक्ष रूपलाल महतो, संरक्षण अजय बैठा, सुषमा देवी, राम लखन मुंडा, राजकुमार महतो, राजेन्द्र कुमार, बाबूलाल महयो, नागेश्वर आदि को बनाया गया।

## झारखंड की जनता अब झामुमो के झांसे में नहीं आने वाली : शिवराज

**RANCHI :** केंद्रीय कृषि मंत्री व झारखंड बीजेपी के विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान शनिवार को रांची पहुंचे। उन्होंने कहा कि पिछले पांच सालों में जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया। युवाओं को पांच लाख नौकरियां देने का वादा था, नौकरी नहीं मिली। बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा था, नहीं दिया। महिलाओं को हर महीने दो हजार रुपए चूल्हा खर्च देने का वादा किया था, लेकिन नहीं दिया। अब चुनाव के नजदीक आते ही फिर से जेएमएम खोखले वादे कर रहा है, लेकिन झारखंड की जनता इनके झूठे दावों को समझ चुकी है।

# पीएम के दौरे को लेकर सिटी एसपी ने अधीनस्थों को दिए दिशा-निर्देश

**PHOTON NEWS RANCHI :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 सितंबर को झारखंड दौरे पर आएंगे। वे सुबह 8:45 बजे रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद हेलीकॉप्टर से जमशेदपुर के लिए रवाना हो जायेंगे।

इसको लेकर शनिवार को सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने विधि-व्यवस्था ड्यूटी में लगे पुलिस पदाधिकारियों और पुलिसकर्मियों को ब्रीफिंग की। इस दौरान उन्होंने कई दिशा-निर्देश भी दिये। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की चूक ना हो, इसको लेकर विशेष हिदायत भी दी । रांची एयरपोर्ट से प्रधानमंत्री हेलीकॉप्टर से जमशेदपुर के लिए रवाना होंगे। फिर सोनारी हवाई अड्डा से टाटानगर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। यहां पर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखायेंगे। साथ ही 21 हजार करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन करेंगे। जमशेदपुर में उनका आधे घंटे का रोड-शो होगा। रोड शो करते हुए पीएम गोपाल मैदान पहुंचेंगे और वहां सभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के बाद दोपहर 1:45 बजे वे रांची लौटेंगे। इसके बाद अहमदाबाद चले जायेंगे। जमशेदपुर में मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर पुलिस मुख्यालय के स्तर से सुरक्षा की तैयारी पूरी कर ली गयी है।

पुलिस कर्मियों को निर्देशित करते सिटी एसपी राजकुमार मेहता। ● फोटोन न्यूज

## सुदेश ने असम के सीएम हिमंता से की मुलाकात

**RANCHI :** आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने असम के मुख्यमंत्री और झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा से उनके आवास पर मुलाकात की है। इस दौरान उनकी पत्नी नेहा महतो भी उनके साथ थीं। इस मुलाकात के बाद शनिवार को सुदेश महतो ने सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा की है और कहा है कि कल असम के मुख्यमंत्री एवं झारखंड विधानसभा चुनाव के सह-प्रभारी हिमंता विस्वा सरमा के पूरे परिवार के साथ उनके निवास पर सुखद मुलाकात हुई। इस दौरान झारखंड के वर्तमान राजनीतिक हालात एवं विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस मौके पर मेरे साथ मेरी पत्नी नेहा महतो भी मौजूद थीं।

## कांके विधायक ने किया पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास

**RANCHI :** शनिवार को कांके प्रखंड की अरसंडे पंचायत के कृषि विहार कॉलोनी के विभिन्न गलियों में 1.740 किमी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास कांके विधायक समरी लाल के ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांके जिला परिषद सदस्य किरण देवी, भाजपा कांके मंडल के पूर्व मंडल अध्यक्ष रामलखन मुंडा, भाजपा कांके मंडल अध्यक्ष प्रभात भूषण, उपाध्यक्ष सुकेश नारायण तिवारी, संगीता प्रजापति, बबलू ठाकुर,सूचित सिंह, काजू डे के साथ आसपास के लोग उपस्थित थे।

# शहर में दिखा करमा पर्व का उल्लास

**PHOTON NEWS RANCHI :** शनिवार को आदिवासी मूलवासियों का पर्व करमा मनाया गया। बारिश में भी श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। बहनों ने भाइयों की खुशहाली के लिए उपवास किया। करमदेव की स्थापना के बाद पूजा हुई। करम कथा भी सुनायी गयी। करम गीत पर रातभर नृत्य किये। इस अवसर पर पूजा स्थलों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

सहजानंद चौक हरमू स्थित सरना समिति का परिसर जगमगा रहा था। आकर्षक लाइटिंग की गयी थी। पूजा स्थल को गेंदा और रजनीगंधा के फूलों से सजाया गया था। दिन में समिति के युवा नाचते-गाते करमडाल लाने गये। शाम 5:30 बजे करमडाल का पूजा स्थल पर स्वागत किया गया। पहनाइन ने अखड़ा को लीपा तथा पूजा में बैठनेवाली लड़कियों ने करमदेव को स्थापित किया। पूजा स्थल पर जावा, चावल, सिंदूर सहित अन्य पूजन सामग्रियों को लाया गया। बाहा पाहन ने पूजा संपन्न करायी। करम कथा भी सुनायी गयी। प्रसाद का वितरण किया गया और उसके बाद करम नृत्य की शुरूआत हुई। पूजा में समिति के संरक्षक महादेव टोप्पो, विद्यासागर केरकेट्टा, रवि तिग्गा, अध्यक्ष विक्की कच्छप, सचिव सन्नी संतोष तिग्गा और कोषाध्यक्ष असरीती कच्छप का योगदान रहा। छोटानागपुर ब्लू क्लब करमटोली में भी पूजा हुई। समिति के युवा रात आठ बजे करमडाल लेने गये। करमडाल को देवी मड़ई तक ले जाया गया, जहां परिक्रमा कराने के बाद उसे पूजा स्थल पर लाकर स्थापित किया गया। रात नौ बजे के बाद करम देव की पूजा शुरू हुई। पूजा भोला पाहन और सुनील खलखो ने करायी। पूजा और करम कथा दोनों ही साथ साथ चली। करमटोली तालाब के किनारे स्थित छोटानागपुर ब्लू क्लब का पंडाल विद्युत की रोशनी में काफी आकर्षक लग रहा था। पूजा स्थल को रजनीगंधा और गेंदा के फूलों से सजाया गया था।

### मांदर की थाप पर झूमे लोग

## मंत्री दीपिका से मिला आईएसडीजी रिसर्च फाउंडेशन का प्रतिनिधिमंडल

**PHOTON NEWS RANCHI :** शनिवार को कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से आईएसडीजी रिसर्च फाउंडेशन का एक प्रतिनिधिमंडल फोर्टिफिकेशन विषय को लेकर मिला। प्रतिनिधियों ने हार्वेस्टप्लस के बायो-फोर्टिफिकेशन कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि झारखंड राज्य में जेएसएलपीसी तथा आईएसडीजी रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से प्रभावी रूप से बायो फोर्टिफिकेशन प्रोग्राम को कार्यान्वित किया जा रहा है। मंत्री ने इस उल्लेखनीय पहल की सराहना की व आश्वासन दिया कि उनके मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम को राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों के परिवारों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक समर्थन प्रदान किया जाएगा।

### भाजपा ने हर महीने की हम झारखंडियों की सरकार गिराने की पुरजोर चेष्टा : मुख्यमंत्री

# संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है : हेमंत सोरेन

**PHOTON NEWS RANCHI :** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने हर महीने हम झारखंडियों की सरकार गिराने की पुरजोर चेष्टा की। इससे भी नहीं हुआ तो मुझे जेल भेजा। चंपाई सोरेन सहित अन्य लोगों की इशारा करते हुए कहा कि विधायकों को खरीदने में अरबों लगाये।

हेमंत सोरेन ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट पर लिखा कि इसके बावजूद आप झारखंडी भाई-बहनों के प्रेम और अपनत्व के कारण वे अपने जहरीले मंजूबों में कामयाब नहीं हो पाये। अब आपकी सरकार आपकी सेवा में और तेज गति से काम कर रही है।

मुख्यमंत्रीने अपने इरादे जाहिर करते हुए कहा कि संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है। हमें सतर्क रहना होगा और अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करनी होगी। राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद, हमारा ध्यान विकास और जनकल्याण पर केंद्रित है। हम सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने लिखा है कि आदिवासी-मूलवासी समुदायों के अधिकारों और संस्कृति को संरक्षित करना हमारी प्राथमिकता है। भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी है, ताकि हर रुपया जनता की भलाई में खर्च हो। मुख्यमंत्री ने कहा है कि तत्कालीन भाजपा सरकार ने 11 लाख राशन कार्ड रद्द करने से पहले कुछ भी नहीं सोचा। उन्हें इसमें चंद रुपये बचते दिखे। पर इसके कारण न जाने कितने परिवारों को इन्होंने उजाड़ दिया। लाखों झारखंडियों को भूख से मौत के मुंहाने खड़ा कर दिया।

### झारखंड से पति-पत्नी की सरकार को हटाना है डबल इंजन सरकार बनानी है : बाबूलाल मरांडी

**RANCHI :** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के सत्ताधारी दल झामुमो कांग्रेस और राजद पर जमकर निशाना साधा। मरांडी शनिवार को पूर्व विधायक जेपी वर्मा, विधायक अमित यादव और पूर्व डीएसपी नवनीत हेंब्रम द्वारा प्रदेश कार्यालय में भाजपा के सदस्यता ग्रहण के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने सदस्यता ग्रहण के अवसर पर बधाई दी। करम पर्व की भी शुभकामनाएं दी। मरांडी ने कहा कि राज्य की सत्ताधारी पार्टी झामुमो अब परिवार की भी नहीं, बल्कि केवल पति-पत्नी की पार्टी बनकर रह गई है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही सरकार काम करने के लिए नहीं, बल्कि कमाने के लिए बनी। इस सरकार ने अपने एक भी वादे पूरे नहीं किए। बताने के लिए इस सरकार के पास पांच काम भी नहीं हैं। हेमंत सरकार ने नौकरी और बेरोजगारी भत्ता नहीं दिए लेकिन अबतक नौकरी के नाम पर 17 युवाओं की मौत जरूर दी है। उन्होंने आह्वान किया कि इस ठगबंधन और जनविरोधी नीतियों को जैसे लोकसभा चुनाव में जनता ने नकारा और मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार मोदी सरकार का संकल्प पूरा किया वैसे झारखंड से भी भ्रष्ट निकम्मी ठगबंधन सरकार को हटाकर डबल इंजन की सरकार भाजपा के नेतृत्व में बनाने का संकल्प लें।

# भाजपा नेता स्वर्गीय कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा को प्लास्टिक से ढका, मामला दर्ज

**PHOTON NEWS RANCHI :** राजधानी रांची के बिरसा चौक के पास भाजपा नेता स्वर्गीय कैलाशपति मिश्र के प्रतिमा को आज किसी ने प्लास्टिक से ढक दिया है। इसके बाद इस मामले को लेकर स्थानीय लोग काफी उग्र हो गए और मामले को लेकर थाना पहुंचे। इस मामले को लेकर जगरनाथपुर थाना में मामला दर्ज कराया गया है।

रांची पुलिस स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया है और इस मामले में जो भी संलिप्त रहेंगे, उसके खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा को ढके जाने पर भाजपा ने नाराजगी जाहिर की है। भाजपा के विधि प्रकोष्ठ के संयोजक और अधिवक्ता सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस मामले में धुर्वा निवासी पंकज कुमार की ओर से अज्ञात लोगों को आरोपी बनाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। बीजेपी कार्यकताओं ने कहा कि जिस तरह से शरारती तत्वों ने प्रतिमा पर प्लास्टिक लपेटकर उसे बांध दिया, उससे लगता है कि प्रतिमा को नुकसान भी पहुंचाया गया होगा। सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि हैरत की बात यह है कि व्यस्त चौक और चौक के सामने ही पुलिस स्टेशन (जगन्नाथपुर थाना) होने के बावजूद शरारती तत्वों ने कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा पर को प्लास्टिक से बांध दिया, जिसपर किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया या जानबूझ कर अनदेखी की।

कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा के समीप भाजपा नेता (फाइल फोटो)। ● फोटोन न्यूज

## सुविचार
लोग शायद ही कभी वो करते हैं, जिस पर वे विश्वास करते हैं। वे वही करते हैं, जो सुविधाजनक होता है, फिर पछताते हैं।
-बॉब डिलन

Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi



12
Sikandar : Salman Khan And...

Ranchi ● Sunday, 15 September 2024 ● Year : 02 ● Issue : 238 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

**SHARE**

| | | |
|---|---|---|
| संसेक्स | : | 82,890.94 |
| निफ्टी | : | 25,356.50 |

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 6,795 |
| चांदी | : | 94.05 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

### कुएं से एक ही परिवार के चार लोगों के शव मिले

**SAGAR :** शनिवार को मध्य प्रदेश के सागर जिले में देवरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोपरा में एक कुएं में तीन महिलाओं और एक बच्ची का शव मिला है। इनमें दो महिलाएं फंदे पर लटकी मिलीं, जबकि बुजुर्ग महिला का शव पानी में उतराया हुआ और छह साल की बच्ची का शव पानी में डूबा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चारों शवों को एसडीआरएफ की टीम की मदद से करीब एक से डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद 35 फीट गहरे कुएं से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है। घटना की मिलने पर सागर के पुलिस अधीक्षक विकास शहवाल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश सिन्हा भी कोपरा गांव पहुंचे।

### मालदीव को और लोन देने पर चीन सहमत

**NEW DELHI :** चीन और मालदीव के बीच एक और समझौते पर दस्तखत हुआ। इसमें मालदीव को और ज्यादा कर्ज देने पर सहमति बनी है। हालांकि कर्ज की रकम कितनी है अभी इसका खुलासा नहीं हुआ है। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना और मालदीव इकोनॉमिक डेवलपमेंट मिनिस्ट्री के बीच हुए समझौते के तहत चीन और मालदीव डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देंगे और लोकल करेंसी में लेनदेन कर पाएंगे। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने कहा है कि यह समझौता बिजनेस और इन्वेस्टमेंट को मजबूत करने में मदद करेगा। चीन ने समझौते के बारे में और कुछ नहीं बताया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले साल सत्ता में आने के बाद मुइज्जू ने चीन से और कर्ज मांगा था।

### मस्जिद विवाद : हिमाचल के 5 जिलों में प्रदर्शन

**SHIMLA :** हिमाचल प्रदेश की मस्जिदों में अवैध निर्माण के विवाद को लेकर 4 जिलों में प्रदर्शन हो रहा है। शिमला से सटे सुन्नी, बिलासपुर, हमीरपुर, सिरमौर जिले के पांवटा साहिब और मंडी के सुंदरनगर में हिंदू संगठनों ने शनिवार को आक्रोश रैली निकाली। ये संगठन शिमला के संजौली मस्जिद के खिलाफ प्रदर्शन में पुलिस लाठीचार्ज का विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों का पुलिस वैरिफिकेशन हो। साथ ही उनके कामकाज पर नजर रखी जाए। इस प्रदर्शन के समर्थन में पूरे प्रदेश के बाजार भी 2 घंटे बंद रखे गए। प्रदर्शन को देखते हुए पूरे राज्य में मस्जिदों और मुस्लिम आबादी वाले इलाकों के बाहर पुलिस तैनात की गई है। शिमला में 31 अगस्त की शाम को मल्याणा गांव में एक स्थानीय व्यक्ति की पिटाई की गई। आरोप लगे कि मुस्लिम समुदाय के लोगों ने उसे पीटा। मारपीट के बाद आरोपी शिमला की संजौली मस्जिद में छिप गए। स्थानीय लोगों ने अगले ही दिन यानी 1 सितंबर को संजौली में मस्जिद के बाहर प्रदर्शन किया।

# आज जमशेदपुर आएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

**PHOTON NEWS JSR :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को जमशेदपुर आएंगे, वे यहां टाटानगर स्टेशन से छह वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन को झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए 5000 से ज्यादा पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) के निर्देश पर पार्किंग स्थल पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर वहां पूर्व में लगे सभी सीसीटीवी कैमरे को बदल दिया गया है। नए 40 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं 7 आईपीएस को सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा पुराने मेटल डिटेक्टर को हटाकर 10 नए मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं।

पेज 04 भी पढ़ें।

## छह वंदेभारत को दिखाएंगे हरी झंडी, 40 नए सीसीटीवी से रखी जाएगी नजर

### गोपाल मैदान में जनसभा को करेंगे संबोधित

प्रधानमंत्री नई दिल्ली से रविवार सुबह 8.45 बजे रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां थोड़ी देर रुकने के बाद वे जमशेदपुर रवाना होंगे। सुबह 10 बजे उनका हेलीकॉप्टर सोनारी एयरपोर्ट पर उतरेगा। यहां से पीएम सीधे टाटानगर स्टेशन पहुंचेंगे, जहां सुबह 10.15 बजे छह वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यहां से पीएम सुबह 11 बजे बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान पहुंचेंगे, जहां जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद लगभग 12.30 बजे वे सोनारी एयरपोर्ट से रांची के लिए उड़ान भरेंगे। रांची में कुछ देर ठहरने के बाद प्रधानमंत्री गुजरात के अहमदाबाद के लिए रवाना हो जाएंगे।

### इन ट्रेनों को करेंगे रवाना

- टाटा-पटना
- वाराणसी-देवघर
- टाटानगर-ब्रह्मपुर (ओडिशा)
- हावड़ा-धनबाद-गया
- हावड़ा-दुमका-भागलपुर
- हावड़ा-टाटानगर-राउरकेला

### 18 से नियमित चलेगी टाटा-पटना वंदेभारत

रेलवे बोर्ड ने शनिवार को टाटा-पटना-टाटा वंदेभारत एक्सप्रेस के नियमित चलने की तिथि जारी कर दी। सर्कुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर-21893 टाटा-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस 18 सितंबर से, जबकि ट्रेन नंबर -21894 पटना-टाटा वंदेभारत एक्सप्रेस 19 सितंबर से नियमित चलेगी। सर्कुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर- 20891 टाटानगर-ब्रह्मपुर वंदेभारत एक्सप्रेस नियमित रूप से 18 सितंबर से चलेगी। वहीं ट्रेन नंबर 20892 ब्रह्मपुर -टाटानगर वंदेभारत एक्सप्रेस 19 सितंबर से नियमित चलेगी। इस ट्रेन में 8 कोच होंगे। यह ट्रेन सप्ताह में मंगलवार को छोड़कर बाकी 6 दिन चलेगी। दूसरी ओर टाटानगर से होकर चलने वाली ट्रेन नंबर -20871/20872 हावड़ा-राउरकेला-हावड़ा वंदेभारत एक्सप्रेस 18 सितंबर से नियमित चलेगी।

## जमशेदपुर के बर्मामाइंस का रहने वाला था सूर्या

# उत्पाद सिपाही बहाली की दौड़ में फिर एक की मौत

**PHOTON NEWS RANCHI :** 14 अभ्यर्थियों की मौत के बाद 5 दिनों तक उत्पाद सिपाही बहाली की दौड़ बंद कर दी गई थी। इसके बाद यह फिर दोबारा शुरू हुई। यह सूचना मिल रही है कि शनिवार की सुबह उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में शामिल जमशेदपुर के एक अभ्यर्थी की मौत हो गई है। मृतक अभ्यर्थी की पहचान जमशेदपुर के बमामाइंस निवासी मुरामुल्ला सूर्या के रूप में हुई है। रांची में 13 सितंबर को बहाली प्रक्रिया के दौरान दौड़ लगाते हुए सूर्या बेहोश हो गया था। बहाली प्रक्रिया के दौरान उसकी तबीयत खराब हो गई थी। इसके बाद उसे रांची के रिम्स में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। शनिवार को सुबह 5 बजे उसमें दम तोड़ दिया। मिली जानकारी के अनुसार, सूर्या की मौत ब्रेन स्ट्रोक होने की वजह से हुई है। हालांकि इसके आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। झारखंड में उत्पाद सिपाही भर्ती की दौड़ के दौरान अब तक 14 अभ्यर्थियों की मौत हुई थी, सूर्या की मौत के बाद यह आंकड़ा अब 15 हो गया है।

## 12 सितंबर को दौड़ लगाते हो गया था बेहोश, इलाज के दौरान तोड़ा दम



### पांच दिनों के लिए बंद हो गई थी दौड़

बता दें कि कि उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में 14 अभ्यर्थियों की मौत के बाद हेमंत सोरेन ने पांच दिनों तक स्थगित कर दी थी। इसके बाद नियमों में थोड़ी तब्दीली के साथ 10 सितंबर से फिर से उत्पाद सिपाही बहाली की दौड़ शुरू हुई है। वहीं पलामू के चियांकी हवाई अड्डा स्थित केंद्र पर अब शेष शारीरिक दक्षता परीक्षा नहीं होगी। इस केंद्र के शेष अभ्यर्थियों, जिनकी परीक्षा तीन से नौ सितंबर 2024 तक होनी थी, वह अब बाकी के छह चयन पर्षद के केंद्रों पर ली जाएगी। यह परीक्षा 19-20 सितंबर तक होगी, क्योंकि 14 से 17 सितंबर तक अवकाश है।

### 22 अगस्त से शुरू हुई थी भर्ती प्रक्रिया

22 अगस्त से राज्य में उत्पाद सिपाही भर्ती के लिए दौड़ की प्रक्रिया शुरू की गई थी। राज्य भर में दौड़ के लिए सात केंद्र बनाए गए थे। जिनमें स्मार्ट सिटी क्षेत्र रांची, जगुआर टेंडर ग्राम रांची, पुलिस लाइन गिरिडीह, पलामू के चियांकि हवाई, सीटीसी मुसाबनी, जैप 9 कैंपस मुख्यालय साहिबगंज में भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी। लेकिन, अचानक भर्ती प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों की मौत होने लगी। इसके बाद सरकार ने भारी दबाव के बीच भर्ती की प्रक्रिया बीच में ही रोक दी।

### पलामू में सबसे ज्यादा अभ्यर्थियों की गई जान

उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में अब तक 300 से भी ज्यादा अभ्यर्थी बेहोश हुए हैं। वहीं अबतक 14 अभ्यर्थियों की मौत हो चुकी है। पलामू में सबसे ज्यादा पांच अभ्यर्थियों की जान गयी है। इनमें बिहार के गया निवासी अमरेश कुमार, रांची के ओरमांझी निवासी अजय महतो, पलामू के छतरपुर निवासी अरुण कुमार और गोड्डा निवासी प्रदीप कुमार शामिल हैं। हजारीबाग के पदमा स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में बहाली के लिए चल रही दौड़ में अब तक दो युवकों सूरज वर्मा और महेश कुमार की जान गयी है। वहीं रांची में तीन और गिरिडीह, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, साहिबगंज में एक-एक अभ्यर्थी की मौत हुई है। झारखंड में उत्पाद सिपाही भर्ती की प्रक्रिया 10 सितंबर से दोबारा शुरू की गई, जिसके बाद सूर्या की मौत हुई है। सरकार की तरफ से 10 से लेकर 21 सितंबर तक भर्ती प्रक्रिया को पूरा करना। झारखंड पुलिस मुख्यालय के द्वारा इस संबंध में कुछ आवश्यक निर्देश भी जारी किए थे।

**एशियन चैंपियंस ट्रॉफी**

### भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हराया

**NEW DELHI :** शनिवार को एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। मुकाबला चीन में हुलुनबुइर के मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस में खेला गया। इस टूर्नामेंट में भारत की यह लगातार पांचवीं जीत है। भारत के लिए दोनों गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किए। पाकिस्तान की ओर से अहमद नदीम ने गोल किया। भारत 5 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है। जबकि पाकिस्तान 5 में से 2 मुकाबले जीतकर दूसरे नंबर पर है। दोनों टीमें पहले ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं। मुकाबले के दौरान पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबले का पहला गोल पहले क्वार्टर के 7वें मिनट में पाकिस्तान के अहमद नदीम ने किया। यहां शाहीन ने शॉट खेलते हुए डी के अंदर बॉल डाली थी, जिसे नदीम ने डिफ्लेक्ट करके गोल कर दिया। इसी के साथ पाकिस्तान इस मुकाबले में 1-0 से आगे हो गया। इसके बाद 13वें मिनट में भारत ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में कन्वर्ट करके बराबरी कर ली। हरमनप्रीत सिंह ने गोल पोस्ट के राइट कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक करके गोल किया। दूसरे क्वार्टर की शुरूआत (19वें मिनट) में भारत को कप्तान हरमनप्रीत ने बढ़त दिला दी।

# जम्मू-कश्मीर को सुरक्षित व समृद्ध बनाने का पीएम ने लोगों से किया वादा



- डोडा में विशाल चुनावी रैली को किया संबोधित, कांग्रेस, एनसी और पीडीपी पर साधा निशाना
- परिवारवादी पार्टियों पर लगाया जम्मू-कश्मीर को बर्बाद करने का आरोप
- नहीं की गई यहां के बच्चों की चिंता

**AGENCY DODA :** शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू कश्मीर के डोडा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह वादा किया कि वह एक सुरक्षित जम्मू कश्मीर का निर्माण करेंगे। कहा कि यह चुनाव जम्मू-कश्मीर का भाग्य तय करेगा। हम सब मिलकर समृद्ध जम्मू-कश्मीर बनाएंगे, यह मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा में कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी पर जमकर निशाना साधा। कहा कि जम्मू-कश्मीर के तीन राजनीतिक परिवारों ने राज्य को बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि परिवारों ने स्वार्थ के लिए आतंकवाद पर आंखें मूंद लीं। अब तक परिवारवाद ने युवाओं को आगे नहीं आने दिया और इसीलिए 2014 में सत्ता में आने के बाद उन्होंने जम्मू-कश्मीर में युवाओं के नए नेतृत्व को आगे लाने की कोशिश की है। फिर 2018 में यहां पंचायत चुनाव हुए, 2019 में बीडीसी चुनाव हुए और 2020 में पहली बार डीडीसी चुनाव हुए, ताकि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र जमीनी स्तर तक पहुंचे। पीएम ने कहा, जम्मू-कश्मीर में इस बार का विधानसभा चुनाव तीन परिवारों और जम्मू-कश्मीर के युवाओं के बीच है। एक परिवार कांग्रेस का है, एक परिवार नेशनल कॉन्फ्रेंस का है और एक परिवार पीडीपी का है। इन तीनों परिवारों ने जम्मू-कश्मीर में आप लोगों के साथ जो किया है, वह किसी पाप से कम नहीं है। मोदी ने कहा कि आजादी के बाद से ही हमारा प्यारा जम्मू-कश्मीर विदेशी ताकतों के निशाने पर आ गया। इसके बाद इस खूबसूरत राज्य को परिवारवाद ने खोखला करना शुरू कर दिया। यहां जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया, उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की।

### आरक्षण को खत्म करने वाला है 'शाही' परिवार

**KURUKSHETRA :** शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में पहली चुनावी रैली की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शाही (गांधी) परिवार आरक्षण को खत्म करने वाला है। मगर, जब तक मोदी है, आरक्षण की रत्ती भर भी लूट नहीं होने दूंगा। पीएम ने हरियाणा के लोगों को चेताया कि अगर यहां कांग्रेस की सरकार आई तो इसकी हालत भी हिमाचल जैसी हो जाएगी। जहां सरकार के पास कर्मचारियों को सैलरी देने के पैसे नहीं हैं। यहां तक कि सीएम और मंत्रियों को अपनी सैलरी छोड़नी पड़ रही है। किसानों के मुद्दे पर पीएम ने कहा कि कांग्रेस देश को गुमराह कर रही है। उन्होंने कांग्रेस को चैलेंज दिया कि वे कर्नाटक और तेलंगाना में इन स्कीमों को लागू करें।

## पीएम आवास में गौमाता ने दिया 'दीपज्योति' को जन्म

शनिवार को नई दिल्ली के सात लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास में गौमाता ने नवजात बच्चे के रूप में बछिया को जन्म दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवजात बछिया का नाम 'दीपज्योति' रखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो और तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, हमारे शास्त्रों में कहा गया है - गावः सर्वसुख प्रदाः'।

### पत्नी के साथ हनुमान मंदिर पहुंचे केजरीवाल

**NEW DELHI :** तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार सुबह क्नॉट प्लेस के हनुमान मंदिर पहुंचे। दिल्ली सीएम के साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल, आप नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह भी पहुंचे। मंदिर पहुंचकर केजरीवाल ने पत्नी के साथ भगवान हनुमान को जल चढ़ाया। पुजारी ने उन्हें एक गदा देकर चुन्नी उढ़ाई। पूजा के बाद अरविंद केजरीवाल राजघाट जाएंगे। वे महात्मा गांधी के समाधि स्थल पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। शराब नीति केस में जमानत मिलने के बाद मनीष सिसोदिया और संजय सिंह ने भी इसी हनुमान मंदिर में बजरंग बली की पूजा की थी। अंतरिम जमानत के बाद 2 जून को सरेंडर करने से पहले भी केजरीवाल ने इसी मंदिर में बजरंग बली के दर्शन किए थे।

## जम्मू-कश्मीर में पीएम की रैली से पहले सुरक्षाबलों-आतंकियों के बीच मुठभेड़

# दो जगह एनकाउंटर, बारामूला में तीन आतंकी ढेर

**AGENCY SRINAGAR :** शनिवार को जम्मू-कश्मीर में पीएम मोदी की रैली से पहले सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच दो जगहों पर मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में जवानों ने बारामूला में तीन आतंकियों को ढेर कर दिया। किश्तवाड़ में आतंकियों के हमले में 12 सितंबर को दो जवान शहीद हो गए थे। दो अन्य घायल हैं। दोनों जगहों पर सेना और पुलिस का संयुक्त ऑपरेशन जारी है। जानकारी के अनुसार, बारामूला जिले के क्रेरी के चक टापर इलाके में शुक्रवार की देर रात करीब 11 बजे मुठभेड़ शुरू हो गई थी। देर रात ऑपरेशन रोक दिया गया था। शनिवार की सुबह ऑपरेशन शुरू हुआ तो सुरक्षा बलों को उसे समय बड़ी कामयाबी मिली जब उन्होंने तीन आतंकियों को मार गिराया। अभी इनकी पहचान नहीं हुई है। किश्तवाड़ के चतरू बेल्ट के नैदघाम गांव में शुक्रवार दोपहर करीब 3:30 बजे मुठभेड़ शुरू हुई थी। सेना को जैश-ए-मोहम्मद के 3 आतंकियों के होने की खुफिया सूचना मिली थी। सर्च ऑपरेशन के दौरान एनकाउंटर शुरू हुआ।

## इसके पहले किश्तवाड़ में 2 जवान हुए थे शहीद, सेना-पुलिस का संयुक्त ऑपरेशन जारी



### जवानों ने की बड़े क्षेत्र की घेराबंदी

क्षेत्र में मौजूद आतंकवादियों को मार गिराने के लिए सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों का पता लगाने के लिए सुरक्षाबलों ने ड्रोन और अन्य आधुनिक उपकरणों का उपयोग करते हुए एक बड़े क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है। ये आतंकवादी मुठभेड़ के बाद अंधेरे और घने जंगल का फायदा उठाकर भाग गए थे। उन्होंने बताया कि अभी तक आतंकवादियों से कोई नया संपर्क नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में खंदरा टॉप, कुदवाह और रायचक के ऊपरी इलाकों में भी व्यापक तलाशी अभियान चल रहा है।

## राजस्थान में हुआ 'जोरावर' का सफल परीक्षण, ढाई साल में सेना में होगा शामिल

# पहाड़ी इलाकों में तेजी से दौड़ेगा यह लाइट टैंक

**AGENCY JAISALMER :** अपनी खास स्ट्रेटजी के साथ भारतीय सेनि अपने आप को हर स्तर पर सक्षम और मजबूत बना रही है। इस कड़ी में भारत में बने लाइट टैंक 'जोरावर' का जैसलमेर में सफल परीक्षण किए गए। यह टैंक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। हल्का होने के कारण जोरावर पहाड़ी इलाकों में बहुत तेजी से दौड़ सकता है। रेगिस्तानी इलाकों में किए गए फील्ड टेस्ट के दौरान लाइट टैंक ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए सभी टारगेट को पूरा किया। प्रारंभिक चरण में टैंक के फायरिंग प्रदर्शन का कड़ाई से मूल्यांकन किया गया और इसने दिए गए लक्ष्यों पर आवश्यक सटीकता हासिल की। जोरावर टैंक को डीआरडीओ की इकाई, सीवीआरडीई ने एल&टी के सहयोग से सफलतापूर्वक विकसित किया है।

## रेगिस्तानी इलाकों में फील्ड टेस्ट के दौरान किया असाधारण प्रदर्शन

## इस उपलब्धि के लिए रक्षा मंत्री ने की सेना और वैज्ञानिकों की सराहना

### लद्दाख जैसे क्षेत्रों के लिए किया गया है तैयार

लाइट वेट जोरावर टैंक को लद्दाख जैसे हाई एल्टिट्यूड वाले इलाकों में तैनात किया जाएगा। रूस और यूक्रेन युद्ध से सबक लेते हुए टैंक में लोइटरिंग म्यूनिशन यूएसवी जोड़ा गया है। जोरावर को चीन के कम वजन के टैंक जेटीक्यू टाइप-15 के मुकाबले के लिए तैयार किया गया है। गलवान घाटी में भारतीय सेना से हुई झड़प के बाद चीन ने जेटीक्यू टाइप-15 टैंक तैनात किए हैं।

### 25 टन है अद्भुत टैंक का वजन

इंडियन आर्मी ने 200 टी-72 टैंकों को तैनात किया है। हालांकि, यह टैंक जोरावर के मुकाबले भारी हैं। ढाई साल से कम समय में 25 टन वजनी लाइट टैंक जोरावर डिजाइन करने के साथ ही उसका पहला प्रोटोटाइप भी बनाया और उसकी टेस्टिंग भी की गई है। जोरावर की अनोखी बात इसका वजन है, जो 25 टन है। साथ ही जोरावर टैंक की बेसिक बातों को पूरा करता है। इसमें पावर है, तेजी है और सेफ्टी है। जोरावर में सभी पैरामीटर मिल रहे हैं। सेना को सौंपे जाने के बाद 25 टन वाले इन टैंक को इंडियन एयरफोर्स के सी-17 ग्लोब मास्टर के जरिए तैनाती वाली जगहों पर भेजा जाएगा। एक बार में 2 टैंक ले जाए जा सकेंगे। हल्का होने के कारण जोरावर पहाड़ी इलाकों में बहुत तेजी से चल सकता है। अभी टी-72, टी-90 टैंक पहाड़ी इलाकों में तैनात हैं, जिनकी जगह जोरावर लेगा।

### स्पेस स्टेशन से ही अमेरिकी चुनाव में वोट डालेंगी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स

**NEW DELHI :** 3 महीने से अधिक समय से अंतरिक्ष में फंसीं भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विलमोर ने भारतीय समय के अनुसार शुक्रवार की रात 12:15 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। दोनों ने कहा कि वे अमेरिकी चुनाव में स्पेस से वोटिंग करेंगे। वोटिंग को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में बुच ने कहा, 'उन्होंने आज ही वोट देने से जुड़ी चुनावी प्रक्रिया शुरू की है। यह एक जरूरी ड्यूटी है। नासा इस पर काम कर रहा है कि कैसे हम वोट दे सकें। सुनीता विलियम्स ने कहा कि वह स्पेस से वोटिंग करने को लेकर उत्साहित हैं। 400 किलोमीटर दूर स्पेस सेंटर से सुनीता और बुच ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी चुनाव में वोट डालने के लिए नासा से पोस्टल बैलट का अरेंजमेंट करने की रिक्वेस्ट की है।

## अचानक डॉक्टरों के बीच पहुंचीं ममता, कहा

# सीएम नहीं, दीदी के रूप में आई हूं, मांगों पर होगा विचार



**AGENCY KOLKATA :** शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अचानक साल्ट लेक स्थित स्वास्थ्य भवन पहुंचीं, जहां आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए घटनाक्रम के खिलाफ जूनियर डॉक्टर धरना दे रहे हैं। इस धरने में शामिल डॉक्टरों को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि वह मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि उनकी दीदी के रूप में आई हैं। उनकी सभी मांगों को सहानुभूतिपूर्वक सुना जाएगा। मुख्यमंत्री के साथ इस मौके पर राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार भी मौजूद थे। ममता ने डॉक्टरों के धरनास्थल पर जाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से डॉक्टरों को अपना संदेश दिया। जब ममता मंच पर पहुंचीं, तो धरना स्थल से नारेबाजी जारी रही और कुछ देर तक असमंजस वाली स्थिति बन गई। ममता ने डॉक्टरों से शांत रहने और उन्हें बोलने का मौका देने की अपील की। ममता बनर्जी ने कहा, मैं यहां अपनी सुरक्षा के निदेशों के बावजूद आई हूं।

# पीएम मोदी के स्वागत के लिए सजी लौहनगरी

## वंदेभारत एक्सप्रेस का ड्राई रन भी हुआ पूरा

## 5000 पुलिसकर्मी तैनात, चप्पे-चप्पे पर नजर

## लगे 40 नए सीसीटीवी व 10 मेटल डिटेक्टर

**PHOTON NEWS JSR:**
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को शहर आ रहे हैं, लिहाजा उनके आगमन को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। शहर में सुरक्षा को लेकर 5000 से ज्यादा पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। वहीं शहर में सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई है। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) के निर्देश पर पार्किंग स्थल पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर वहां लगे सभी पुराने सीसीटीवी कैमरे को हटाकर 40 नए कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा पुराने मेटल डिटेक्टर को हटाकर 10 नए मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं।

### सुबह 10 बजे सोनारी एयरपोर्ट पर उतरेंगे प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री सुबह 8.45 बजे रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां थोड़ी देर रुकने के बाद वे जमशेदपुर के लिए उड़ान भरेंगे। सुबह 10 बजे उनका हेलीकॉप्टर सोनारी एयरपोर्ट पर उतरेगा। सोनारी एयरपोर्ट के पीछे के गेट से प्रधानमंत्री लिंक रोड होकर सोनारी-बिष्टुपुर मुख्य मार्ग होकर स्टेशन के लिए रवाना होंगे। सर्किट हाउस एरिया गोलचक्कर से होकर, गोपाल मैदान गोलचक्कर, डायगनल रोड, राम मंदिर, वोल्टास गोलचक्कर, जुगसलाई थाना, पिगमेंट गेट, स्टेशन अंडरब्रिज होकर सीधे टाटानगर स्टेशन पहुंचेंगे।

### टाटानगर के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर 10 मिनट रुकेंगे प्रधानमंत्री

टाटानगर स्टेशन पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले टाटानगर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर 10 मिनट तक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। यहां से वे 6 वंदेभारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके बाद टाटानगर स्टेशन के बाहर ग्रामीण विकास मंत्रालय के कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहां प्रधानमंत्री लगभग 20 मिनट ठहरेंगे। वहां से 10.30 बजे वे बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान के लिए प्रस्थान करेंगे।

## एसपीजी ने रोड शो का किया ड्राई रन

बिष्टुपुर में सुरक्षा का जायजा लेती एसपीजी की टीम ● फोटोन न्यूज

पीएम के आगमन को लेकर शनिवार को एसपीजी ने ड्राई रन किया। इस दौरान सुरक्षा टीम पीएम की गाड़ी के साथ एक काफिले ने सोनारी एयरपोर्ट से लेकर टाटानगर स्टेशन पहुचीं. यहां समय के अनुसार रुकने के बाद काफिला सीधे वोल्टास हाउस पहुंचा, जहां से पीएम की गाड़ी के साथ रोड शो का ड्राई रन किया गया। इसके बाद टीम सीधे गोपाल मैदान के कार्यक्रम स्थल पहुंची।

## इन रेल परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन-शिलान्यास

- बुड़ामारा-चाकुलिया नई रेल लाइन का शिलान्यास. 59.96 किलोमीटर नई रेल लाइन झारखंड, बंगाल और ओडिशा से होकर गुजरेगी। इसकी अनुमानित लागत 14.59 अरब रुपये है।
- टाटानगर, आदित्यपुर समेत अन्य स्टेशनों के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास।
- जमशेदपुर-पुरुलिया-आसनसोल रेल रूट की मल्टी-ट्रैकिंग का शिलान्यास. 121 किमी लंबी रेल लाइन पर 2179 करोड़ की लागत आएगी।
- बादामपहाड़-कंदुझारगढ़ 82.06 किमी क्योंझर और मयूरभंज (ओडिशा) को जोड़ने के लिए पीएम गति शक्ति प्लान के तहत कार्य का शिलान्यास। इस लाइन के निर्माण में 1875.72 करोड़ की लागत आएगी।
- हजारीबाग कोचिंग कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास।
- टाटानगर से होकर गुजरने वाली चौथी लाइन को भी मंजूरी देंगे।
- बांगरीपोसी-गोरुमहिषाणि 85.60 किमी मयूरभंज (ओडिशा) तक के लिए पीएम गति शक्ति योजना को हरी झंडी दिखायी जाएगी। 85.60 किलोमीटर लंबी बांगरीपोसी-गोरुमहिसानी रेल लाइन परियोजना भी ओडिशा के मयूरभंज जिले को कवर करेगी। इसकी लागत 2269.49 करोड़ रुपये है।

## 11 बजे पीएम मोदी पहुंचेंगे गोपाल मैदान

गोपाल मैदान पहुंचने के पहले बिष्टुपुर वोल्टास गोलचक्कर से एक किलोमीटर का लंबा रोड शो करेंगे। पीएम का कारकेड राम मंदिर के सामने वाली सड़क से होता हुआ बिष्टुपुर थाना तक जाएगा। पीएम 11.15 बजे गोपाल मैदान में प्रवेश करेंगे। यहां प्रधानमंत्री विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। लगभग 12.30 बजे वे सोनारी एयरपोर्ट से रांची के लिए उड़ान भरेंगे। रांची में कुछ देर ठहरने के बाद प्रधानमंत्री गुजरात के अहमदाबाद के लिए रवाना हो जाएंगे।

### प्लेटफार्म नंबर 2 पर लोगों के बैठने की व्यवस्था

प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर पीएम के मंच और अंदर अतिथियों के बैठने के स्थान की बैरिकेडिंग की गई है। इसके साथ ही प्लेटफॉर्म नंबर एक के दाएं -बाएं अतिथियों के बैठने के लिए लाउंज बनाया गया है। वहीं प्लेटफॉर्म नंबर 2-3 पर भी लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। लोग कार्यक्रम आसानी से देख सकें, इसके लिए 18 एलईडी स्क्रीन लगाई गई है।

### 7 सीनियर आईपीएस को सुरक्षा की जिम्मेदारी

प्रधानंत्री की सुरक्षा के लिए गोपाल मैदान में होने वाले कार्यक्रम की सुरक्षा में कुल 3900 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। यहां 7 सीनियर आईपीएस को सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है, जिनमें आईजी अखिलेश क्षा, डीआईजी मनोज रतन चौथे और एसएसपी किशोर कौशल भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कुल 12 आईएएस, 18 आईपीएस, 60 डीएसपी, 150 इंस्पेक्टर, 650 एसआई, 250 महिला पुलिसकर्मी भी शामिल रहेंगी। जिले के बाहर से 750 पुलिसकर्मियों को बुलाया गया है। 950 पुलिसकर्मियों को सड़क के किनारे दोनों तरफ की सुरक्षा में लगाया गया है।

## कार्यक्रम में चक्रधरपुर से 5 हजार कार्यकर्ता होंगे शामिल

**CHAKRADHARPUR :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रविवार को जमशेदपुर आगमन हो रहा है। उनके कार्यक्रम में शामिल होने के लिए चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र से लगभग 5000 कार्यकर्ता जमशेदपुर जाएंगे। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर शनिवार को भलियाकुदर स्थित प्रधान वेंकट भवन में भाजपा के पांचों मंडल अध्यक्ष और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें विधानसभा प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मंडल अध्यक्षों को पार्टी कार्यकताओं को जमशेदपुर के गोपाल मैदान में आयोजित पीएम की जनसभा में ले जाने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें कहा गया कि निर्धारित समय 10 बजे तक गोपाल मैदान पहुंचना है। बैठक में पूर्व विधायक शशिभूषण सामड, झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी, भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष मालती गिलुवा, विजय मेलगांडी, प्रताप कटियार, सुरेश साव, अनूप दुबे, गणेश तांती, श्रीवंत षाड़ंगी, रीता सुंबरुई, प्रेम प्रधान, तीरथ जामुदा, बीजू प्रमाणिक, अभिजीत चटर्जी, मोहन यादव आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

### टाटानगर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4-5 से होगा ट्रेनों का परिचालन

पीएम के कार्यक्रम को लेकर रविवार को टाटानगर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1, 2 और 3 में ट्रेनों का परिचालन बंद रहेंगा। आदित्यपुर की ओर जाने वाली ट्रेन को प्लेटफार्म नंबर 4 और खड़गपुर की ओर जाने वाली ट्रेन को प्लेटफॉर्म नंबर 5 से ऑपरेट किया जाएगा। जो यात्री ट्रेन में यात्रा करने के लिए आएंगे, वे टाटानगर जीआरपी थाना के पास से सीढ़ियों से स्टेशन में प्रवेश कर सीधे 4-5 नंबर प्लेटफार्म में पहुंचेंगे। इसके अलावा बमार्माइंस की ओर से भी स्टेशन की इंट्री खुली रहेगी।

### एसटीएस सहित पांच हजार पुलिस जवान की तैनाती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उनकी सुरक्षा में आतंकवाद निरोधी दस्ते की हिट टीम के अलावा 5000 से अधिक पुलिस अफसरों और जवानों की तैनाती की गयी है।

### 15-16 सितंबर को रहेगी नो इंट्री

पीएम के आगमन को लेकर शहर में 15 और 16 सितंबर को सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक नो इंट्री रहेगी। इस दौरान भारी वाहनों का आवागमन बाधित रहेगा। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, जुगसलाई और बिष्टुपुर में भी सुबह 6 बजे से कोई भी वाहन नहीं चलेंगे। जो लोग परसुडीह की ओर से साकची की ओर आने की सोच रहे हैं, उन्हें परसुडीह, सोपोडेरा, जेम्को होते हुए साकची की ओर आना होगा। वहीं आदित्यपुर से होकर आने वाले लोग टोल ब्रिज से होकर मेरीन ड्राइव होते हुए साकची की ओर आएंगे।

### 19 स्थानों पर होगी पार्किंग

टाटानगर स्टेशन पोर्टिको के सामने, स्टेशन की विपरीत दिशा में सड़क पार, बागबेड़ा रेलवे स्कूल मैदान, परसुडीह बाजार समिति परिसर, साकची बारी मैदान, बिष्टुपुर आर्मरी ग्राउंड, राजेंद्र विद्यालय, जुबिली पार्क गेट-1 के पास, को-ऑपरेटिव कॉलेज ग्राउंड, कीनन स्टेडियम के सामने, आमबगान मैदान, कदमा थाना के समीप, ठक्कर बापा मैदान, एडीएल सनसाइन स्कूल महिला विवि बिष्टुपुर, रानीकुदर लिंक रोड पर होटल अलकोर के समीप, जेएमडी गेट-पीएम मॉल के समीप, कबीरिया स्कूल बोधनवाला घाट, कांतिलाल अस्पताल के पीछे वाली गली, टाटा जेएमडी पार्किंग, पीएम मॉल के सामने वाली सड़क समेत 19 स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था है।

# प्रधानमंत्री के नगरागमन को लेकर भाजयुमो ने निकाली बाइक रैली

**PHOTON NEWS JSR:**
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रविवार (15 सितंबर) को नगरागमन को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की जमशेदपुर महानगर के 20 मंडलों में मोटरसाइकिल रैली निकाली गयी। इसका नेतृत्व मोर्चा के महानगर अध्यक्ष नीतीश कुशवाहा ने किया। रैली के माध्यम से शहर की जनता को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर और लोगों से जनसभा उपस्थिति को सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया। भाजयुमो जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष नीतीश कुशवाहा ने जुगसलाई मंडल की मोटरसाइकिल रैली में सक्रिय रूप से शामिल होकर कार्यकताओं के साथ जनता को प्रधानमंत्री के दौरे की जानकारी दी। रैली में अनेक युवा कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इसके अलावा पूरे शहर में बाइक रैली निकालकर प्रधानमंत्री के आगमन की जानकारी जनता तक पहुंचाई गयी। रैली के क्रम में भाजयुमो कार्यकताओं ने बताया कि प्रधानमंत्री अपने जमशेदपुर प्रवास के दौरान 2200 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास करेंगे, जिससे जमशेदपुर और आसपास के क्षेत्रों में विकास को नई गति मिलेगी। इनमें बुनियादी ढांचे, परिवहन और औद्योगिक क्षेत्रों से संबंधित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी वंदे भारत ट्रेनों की सौगात देश को देने वाले हैं, जो जमशेदपुर रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना की जाएगी।

जुगसलाई में नारेबाजी करते भाजपा कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

## वंदेभारत की समय सारिणी जारी

**JAMSHEDPUR :** टाटा-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस, ब्रह्मपुर-टाटा वंदेभारत एक्सप्रेस और राउरकेला-हावड़ा वंदेभारत एक्सप्रेस के उद्घाटन रन के लिए रेलवे ने समय सारिणी जारी कर दी गई है। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक टाटानगर से पीएम ट्रेन को 10.15 बजे झंडा दिखाकर रवाना करेंगे। वंदेभारत एक्सप्रेस टाटानगर से खुलने के बाद हर स्टेशन पर 20 मिनट रूकेगी। इन स्टेशनों पर वंदेभारत एक्सप्रेस का स्वागत होगा। इसके बाद ट्रेन चांडिल में 10.45 बजे पहुंचेगी, जो 20 मिनट रूकने के बाद 11.05 बजे खुलेगी। मुरी में ट्रेन 12.20 बजे पहुंचेगी, 12.40 में खुलेगी। बोकारो स्टील सिटी में 1.35 बजे पहुंचेगी, जो दोपहर 1.55 बजे खुलेगी। गोमो में दोपहर 3 बजे ट्रेन पहुंचेगी और 3.20 बजे खुलेगी। कोडरमा में ट्रेन 4.40 बजे पहुंचेगी, शाम 5 बजे खुलेगी। गया शाम 6.10 बजे पहुंचेगी, वहीं शाम 6.30 बजे खुलेगी, जो पटना रात 8.15 बजे पहुंचेगी।

**राउरकेला-हावड़ा वंदेभारत 1.55 बजे टाटानगर पहुंचेगी :** राउरकेला-हावड़ा वंदेभारत एक्सप्रेस उद्घाटन रन के दिन सुबह 11 बजे राउरकेला से खुलेगी। वहीं चक्रधरपुर में 12.40 बजे पहुंचेगी। 20 मिनट रूकने के बाद दोपहर 1 बजे खुलेगी। टाटानगर में ट्रेन 1.55 बजे पहुंचेगी, 20 मिनट रूककर दोपहर 2.15 बजे टाटानगर से खुलेगी। वहीं खड़गपुर 4.05 बजे पहुंचेगी, जबकि 4.25 बजे खुलेगी। हावड़ा ट्रेन 6.15 बजे पहुंचेगी।

**ब्रह्मपुर -टाटा वंदेभारत एक्सप्रेस 11.50 बजे टाटा पहुंचेगी :** ब्रह्मपुर-टाटा वंदेभारत एक्सप्रेस उद्घाटन रन के दिन रविवार को सुबह 11 बजे खुलेगी। यह ट्रेन खुर्दा रोड़, जखपुरा, केंदुझारगढ़, बांसपानी, चाईबासा होते हुए रात 11.50 बजे रविवार को खुलेगी।

# संथाल परगना की डेमोग्राफी में बदलाव को गृह मंत्रालय ने भी माना : मरांडी

## पीएम का जमशेदपुर दौरा भाजपा की 'महापरिवर्तन रैली'

**PHOTON NEWS JSR:**
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि संथाल परगना क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठ का शक भाजपा को लोकसभा चुनाव के बाद हुआ। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नगरागमन से एक दिन पूर्व शनिवार को बिष्टुपुर स्थित होटल अलकोर में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अभी तक इस पर कोई जांच नहीं हुई है। हालांकि, हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें राज्य और केंद्र सरकार को नोटिस दिया गया है। वहीं, गृह मंत्रालय ने भी स्वीकार किया है कि संताल परगना की डेमोग्राफी बदली है और इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी ने आदिवासी बहुल सीटों पर हार के बाद समीक्षा की, जिसमें पाया गया कि कई सीटों पर भाजपा को पहले बढ़त थी, लेकिन इस चुनाव में पिछड़ गई। उन्होंने सवाल उठाया कि वोटर लिस्ट में इतने नाम कैसे जुड़ गए। हालांकि, इस मामले में अब तक कोई जांच नहीं हुई है, इसलिए वह जांच की मांग कर रहे हैं। एक सवाल पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जब चीजें सीमा से बाहर हो जाती हैं, तब ध्यान जाता है। इसी वजह से राज्य में भाजपा सरकार के दौरान इसकी जांच नहीं की जा सकी। बाबूलाल ने हेमंत सरकार पर आरोप लगाया कि यह सरकार युवाओं को रोजगार नहीं, बल्कि मौत बांट रही है।

बिष्टुपुर में पत्रकारों को संबोधित करते बाबूलाल मरांडी ● फोटोन न्यूज

### प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह 10.15 बजे प्लेटफार्म नंबर-1 से वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को करेंगे रवाना

# टाटानगर स्टेशन में हुआ मॉक ड्रिल, प्लेटफार्म पर लगाई गई ट्रेन

**PHOTON NEWS JSR :**
टाटानगर रेलवे स्टेशन परिसर के अंदर और पार्किंग एरिया में होने वाले कार्यक्रम को लेकर तैयारी पूरी हो गई है। शनिवार शाम को रेलवे जीएम अनिल कुमार मिश्रा के उपस्थिति में स्टेशन के अंदर होने वाले कार्यक्रम के लिए मॉक ड्रिल हुआ। शाम 5 बजे टाटानगर यार्ड से टाटा-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस को लोको पायलट एसएस मुंडा और रितिका तिर्की ने प्लेटफार्म नंबर-1 पर प्लेस किया। इसके बाद स्कूली बच्चों कोच-1 में बिठाया गया। इन्हें सीटिंग अरेंजमेंट समझाया गया। यहां पीएम इन बच्चों से मिलेंगे। इसके बाद पीएम वंदेभारत को झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

**टीवी नरेंद्रन, पद्मश्री समेत कई महत्वपूर्ण लोग रहेंगे मौजूद :** स्टेशन परिसर को पूरी तरह से छावनी में तब्दील कर दिया है। स्टेशन के अंदर प्लेटफार्म नंबर-1,2-3 जाने के सभी रास्ते बंद कर दिए गए हैं। रविवार सुबह केवल निर्धारित रास्ते आरएमएस गेट से बच्चों, वंदेभारत से यात्रा करने वाले पासधारियों को इंट्री दी जाएगी। इसके साथ ही कार्यक्रम में आमंत्रित कॉरपोरेट जगत के प्रतिनिधियों कुल 1500 लोगों को स्टेशन परिसर के अंदर प्रवेश मिलेगा। सामाजिक और राजनीतिक लोगों को भी स्थान दिया गया है। वहीं प्लेटफार्म नंबर 2-3 पर राजनीतिक दलों के लोग, व्यापारिक संगठन, सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स, समेत भाजपा के नेताओं को स्थान दिया गया है।

**मुख्य गेट पर रखा गया टाटानगर स्टेशन का मॉडल :** अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत टाटानगर रेलवे स्टेशन का री-मॉडलिंग होना है। इसका डीपीआर तैयार होने के बाद मॉडल भी बनकर तैयार हो गया है। इसे टाटानगर रेलवे स्टेशन के मुख्य गेट पर रखा गया है। पीएम गेट से अंदर प्लेटफार्म नंबर-1 में घुसते या निकलते समय इसका अवलोकन भी करेंगे।

**सुरक्षा के पुख्ता व्यवस्था :** गेट से पार्सल गेट से इंट्री मिलेगी। इसमें प्लेटफार्म नंबर-1 में मीडिया कर्मियों, सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, पद्मश्री अवार्डी को स्थान मिलेगा। इसके साथ ही टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन, वाइस प्रेसिडेंट चाणक्य चौधरी समेत कॉरपोरेट जगत के लोग, रेलवे के वरीय अधिकारियों के बैठने की व्यवस्था है।

टाटानगर स्टेशन पर वंदेभारत ट्रेन में बैठे स्कूली बच्चे ● फोटोन न्यूज

## वंदेभारत चलाएगी शहर की आदिवासी महिला

**JAMSHEDPUR :** टाटानगर स्टेशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टाटा-पटना वंदेभारत को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस वंदे भारत की खासियत यह है कि इस वंदेभारत को शहर की आदिवासी महिला चलाएगी। चक्रधरपुर रेल मंडल में यह पहली बार है जब कोई महिला चालक वंदेभारत चलाएगी। ट्रेन को सीनियर लोको पायलट सुखशरण मुंडा और असिस्टेंट लोको पायलट ऋतिका तिर्की भी चलाएंगे। इसके अलावा इस ट्रेन में एस बनर्जी ट्रेन मैनेजर के रुप में मौजूद रहेंगे। लोको पायलट सुखशरण मुंडा ने कहा कि वंदेभारत के इंजन में अन्य इंजन के मुकाबले काफी सुविधा है। वहीं इस ट्रेन में यात्रियों के लिए भी काफी सुविधाएं हैं। महिला असिस्टेंट लोको पायलट ऋतिका कहती हैं कि उन्हें वंदेभारत ट्रेन चलाने का अवसर प्राप्त हुआ इसके लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद। ऋतिका ने कहा कि वह अन्य महिलाओं को यह संदेश देना चाहती है कि महिलाएं भी वो सब कुछ कर सकती हैं, जो पुरूष कर सकते हैं।

स्टेशन में जाने के रास्ते में दो स्थानों पर मेटल डिटेक्टर लगा दिया गया है। कुल 10 से अधिक मेटल डिटेक्टर लगे हैं। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। एसपीजी, जिला पुलिस, आरपीएफ, जीआरपी के जवानों की अलग-अलग लेयर पर तैनाती है।

## प्रधानमंत्री करेंगे विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण

- मधुपुर में बनने वाले 7.4 किलोमीटर बायपास, हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो का शिलान्यास
- कुरकुरा-कानारन के बीच 24.4 किमी रेलवे ट्रैक दोहरीकरण कार्य का लोकार्पण

**JAMSHEDPUR :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को टाटानगर रेलवे स्टेशन से टाटा-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस समेत कुल 6 वंदेभारत एक्सप्रेस का उद्घाटन करेंगे। इसमें 3 वंदेभारत एक्सप्रेस टाटानगर से होकर चलेगी, जिसमें ब्रह्मपुर-टाटा वंदेभारत, हावड़ा-राउरकेला-हावड़ा वंदेभारत भी शामिल है। इसके साथ ही पीएम झारखंड में विभिन्न रेल योजनाओं का शिलान्यास और देश को लोकार्पित करेंगे। इसमें 16.7 करोड़ की लागत से बने 4 अंडरपास शामिल है। इसके साथ ही मधुपुर में बनने वाले 7.4 किलोमीटर बाईपास, हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो का शिलान्यास शामिल है।

इसके साथ ही गुमला-सिमडेगा जिले के कुरकुरा-कानारन के बीच 24.4 किलोमीटर रेलवे ट्रैक दोहरीकरण कार्य को लोकार्पण करेंगे। यह 466 करोड़ की लागत से बना है।

4 अंडरपास का करेंगे लोकार्पण

वहीं 4 अंडरपास भी देश को लोकार्पित करेंगे। इसमें 3.98 करोड़ से बना गोमिया-बरकाकाना अंडरपास, 3.99 करोड़ की लागत से बरकाकाना- गढ़वा रोड़ अंडरपास, 4.07 करोड़ रुपए से बना गढ़वारोड़-चोपन अंडरपास, 4.03 करोड़ रुपए की लागत से बना गोमो-बरकाकाना अंडरपास भी शामिल है।

# घर में घुसकर कुचाई के दंपती की बेरहमी से कर दी हत्या

## पति को मारी गोली व पत्नी को डंडे से मारा

**SARAIKELA :** सरायकेला-खरसावां जिले के कुचाई थाना क्षेत्र के बिजार गांव में शुक्रवार देर शाम चार-पांच अज्ञात अपराधियों ने घर में घुसकर दंपती की निर्मम हत्या कर दी। यह घटना जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर घटी है। सूत्रों के अनुसार, 46 वर्षीय सोमा सिंह मुंडा अपनी 45 वर्षीय पत्नी सेजाड़ी देवी और 14 वर्षीय बेटे सानिका मुंडा के साथ घर में बैठे थे। तभी चार-पांच अपराधी घर के बाहर जल रही लाइट को तोड़कर अंदर घुस गए। सोमा सिंह मुंडा और उनकी पत्नी ने हमलावरों से बात करने की कोशिश की, लेकिन अपराधियों ने उनकी एक न सुनी। हमलावरों ने पहले सोमा सिंह मुंडा को गोली मारकर उनकी हत्या कर दी और फिर सेजाड़ी

देवी पर गोली चलाने का प्रयास किया। जब बंदूक नहीं चली, तो उन्होंने डंडे से मारकर उसकी हत्या कर दी। इस दौरान सानिका किसी तरह जान बचाकर गांव के एक व्यक्ति के घर शरण लेने में सफल रहा। इस दर्दनाक घटना के बाद बिजार गांव में दहशत का माहौल है। शनिवार को कुचाई पुलिस टीम मौके पर पहुंची, घटना की जांच की, और शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। कुचाई थाना प्रभारी नरसिंह मुंडा ने कहा कि मामले की जांच चल रही है और जल्द ही अपराधियों का पता लगाया जाएगा। घटना के चश्मदीद, सोमा सिंह मुंडा के बेटे सानिका ने पुलिस को बताया कि उसके सामने ही उसके माता-पिता की हत्या की गई, लेकिन वह किसी भी हमलावर को पहचान नहीं पाया।

### गोलमुरी में चार साल की बच्ची के साथ यौन शोषण

**JAMSHEDPUR :** गोलमुरी थाना क्षेत्र से मानवता को शर्मशार करने की घटना सामने आई है। गोलमुरी की खालसा बस्ती में एक चार साल की बच्ची के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब बच्ची के सीने में दर्द हुआ। बच्ची के परिजन शिकायत लेकर गोलमुरी थाना पहुंचे, जहां से उसे मेडिकल जांच के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया गया। परिजनों ने बताया कि बस्ती में एक ही चापाकल है, जहां बस्तीवासी पानी भरने जाते हैं। बच्ची बाल्टी लेकर पानी भरने के लिए गई थी। इसी बीच बस्ती के ही एक युवक ने बच्ची को पकड़ने का प्रयास किया, पर बच्ची हाथ छुड़ाकर भाग गई। रात में बच्ची अचानक डर गई और छाती में दर्द होने की बात कहते हुए रोने लगी। बाद में बच्ची ने बताया कि उसके साथ गलत करने का प्रयास किया गया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### सर्पदंश से महिला की मौत

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुवा के सतपुरी गांव निवासी महिला मेचो गागराई की सर्पदंश से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मेचो गागराई अपने घर में जमीन पर सोई थी। शनिवार सुबह एक सांप ने उसके बायें हाथ में डंस लिया। परिजन उसे तुरंत सोनुवा स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे चाईबासा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। चाईबासा सदर अस्पताल पहुंचने में काफी देर हो गई थी। पीड़ित महिला का चिकित्सक ने जैसे ही उपचार शुरू करना चाहा, तो उसे मृत पाया। बाद में इसकी जानकारी चाईबासा सदर थाना की पुलिस को दी गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

### बिजली चोरी में तीन लोगों पर प्राथमिकी जुमार्ना भी लगा

**CHAKRADHARPUR :** विद्युत विभाग ने बिजली चोरी के विरुद्ध तीन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है, तो उन पर जुमार्ना भी लगाया है। जानकारी के अनुसार, झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड, रांची के निदेर्शानुसार एक छापामारी दल का गठन किया गया था, जिसने रिटायर्ड कॉलोनी से स्वरुप कुमार सेन को मीटर बाईपास कर ऊर्जा चोरी करते हुए पकड़ा। उस पर 1 लाख 3 हजार 4 सौ 50 रुपये जुमार्ना लगाया। ठठेरा मोहल्ला निवासी कृष्णा साव तथा पोटका पेट्रोल पंप के समीप से नंदू गोप को बिजली चोरी करते पकड़ा गया। इन दोनों पर 16,850 रुपये का जुमार्ना लगाया है।

छापेमारी दल में कनीय विद्युत अभियंता अजय हंस के अलावा सारणी पुरुष जय कुमार हांसदा, मानव दिवस शालोम जोर्ज टोप्पो, संजय यादव, गणेश सिरका एवं अन्य शामिल थे। छापामारी दल ने तीनों अभियुक्तों पर चक्रधरपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

# बन्ना के कारनामे पर प्रशासन और राज्य सरकार मौन : सरयू

**JAMSHEDPUR :** स्थानीय पुलिस प्रशासन किसी राजनीतिक या अन्य दबाव में काम करने की बजाय कानून और संविधान के प्रावधान के अनुरूप अपने दायित्व का निर्वहन करे। जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने शनिवार को बिष्टुपुर स्थित अपने आवासीय कार्यालय में पत्रकारों से कहा कि विगत कुछ समय से प्रतीत हो रहा है कि जमशेदपुर में प्रशासन और पुलिस का रवैया निष्पक्ष नहीं है। इसके कतिपय उदाहरण देखने को मिले हैं। जिला प्रशासन ही नहीं राज्य सरकार भी स्वास्थ्य मंत्री के उत्पात पर मौन है। एफआईआर कराना इनकी आदत में शुमार है। मुझ पर इन्होंने दो एफआईआर और एक मानहानि का मुकदमा किया है, जिसमें वे तारीख पर गवाही देने नहीं जाते। एक एफआईआर इन्होंने खुद बिष्टुपुर थाना में किसी महिला के साथ अश्लील बात करते वीडियो वायरल होने के बारे में किया है। इसके दो साल होने के बाद भी अनुसंधान शिथिल है। विधायक ने कहा कि

विधायक सरयू राय

पिछले 7 सितंबर को ब्रजेश सिंह उर्फ मुन्ना सिंह के विरुद्ध कदमा थाना में अनुसूचित जाति-जनजाति अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी की चर्चा हुई थी। पुलिस ने उन्हें 11 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट से उन्हें पीआर बांड पर जमानत मिल गई। जमानत में रहने के बावजूद अगले दिन पुलिस ने उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया। इस बार प्राथमिकी में नई धारा भी जोड़ दी गई। कोर्ट ने फिर उन्हें छोड़ दिया। इसके बाद पुलिस ने उनके घर जाकर उनका लाइसेंसी हथियार जब्त कर लिया। अभी तक न तो हथियार लौटाया है और न ही जब्ती सूची दी है।

### तेज रफ्तार कार की टक्कर से दो स्कूली बच्चे गंभीर

**JAMSHEDPUR :** मानगो में एक सड़क हादसे में दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना सुबह करीब 7.30 बजे की बतायी जाती है। केरला पब्लिक स्कूल के छात्र अंश गुप्ता (8) और रिद्धि गुप्ता (17) अपने पिता आयुष गुप्ता के साथ स्कूटी पर सवार होकर स्कूल जा रहे थे। मानगो थाना क्षेत्र में बिग बाजार के पास एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर में अंश गुप्ता के सिर पर गंभीर चोट आई, जबकि उसकी बहन रिद्धि गुप्ता के चेहरे पर गहरी चोटें आई और उसका पैर भी टूट गया। हादसे के बाद दोनों घायल बच्चों को तुरंत एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्हें इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया गया और उनका इलाज जारी है। अंश गुप्ता केरला पब्लिक स्कूल में दूसरी कक्षा का छात्र है, जबकि उसकी बहन रिद्धि 10वीं कक्षा की छात्रा है। घटना के बाद कार सवार व्यक्ति ने घटनास्थल पर थोड़ी देर रुककर बच्चों के पिता आयुष गुप्ता से अस्पताल में मिलने का आश्वासन दिया, लेकिन फिर वह वहां से चला गया और उसके बाद से उससे कोई संपर्क नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## BRIEF NEWS

### अफीम के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

**CHATRA :** अफीम तस्करों के खिलाफ चतरा पुलिस को इन दिनों लगातार सफलता मिल रही है। इसी क्रम में पुलिस ने 1.8 किलो अफीम के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। चतरा एसपी विकास पांडे को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिमरिया पुलिस ने अफीम का लेनदेन करते तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। सिमरिया एसडीपीओ अजय कुमार केसरी ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सिमरिया थाना क्षेत्र के शीला ओपी के लेपो मोड़ के पास लेपो पोखरिया जंगल में अफीम की खरीद बिक्री करते तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से दो स्कूटी और एक बाइक जब्त किया है।

### यूपी के सीएम 25 को कुंदा में करेंगे जनसभा

**CHATRA :** भाजपा के फायर ब्रांड नेता व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 सितंबर को जिले के कुंदा प्रखंड मुख्यालय में सभा को संबोधित करेंगे। वे एक दिवसीय दौरे पर यहां आ रहे हैं। उनके आगमन के कार्यक्रम को लेकर यहां तैयारी की जा रही है। वे कुंदा हाई स्कूल ग्राउंड में एक सभा को संबोधित करेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता ने कहा कि उनके आगमन को लेकर यहां तैयारी की जा रही है।

### पीएलवी के चयन के लिए साक्षात्कार 20 से

**KHUNTI :** झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूंटी द्वारा 45 नये पीएलवी का चयन किया जाएगा। इसका साक्षात्कार 20, 21 और 22 सितंबर को सुबह नौ बजे से लिया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूंटी के प्रभारी सचिव ने बताया कि चयन की अधिसूचना 11 सितंबर 2024 को सिविल कोर्ट खूंटी की आधिकारिक वेबसाइट पर है।

# भाजपा 22 सितंबर को खूंटी में निकालेगी परिवर्तन रैली

कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते भाजपा नेता ● फोटोन न्यूज

**KHUNTI :** भाजपा के जिला कार्यालय में परिवर्तन रैली को लेकर शनिवार को जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में रैली को सफल बनाने का संकल्प कार्यकताओं ने लिया। मौके पर मुख्य अतिथि अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने कहा कि झारखंड में भ्रष्टाचार, अपहरण, हत्या, दुष्कर्म, सांप्रदायिकता, पेपर लीक कर युवाओं को ठगने वाली सरकार को जनता ने बदलने का संकल्प लिया है। आगामी 22 सितम्बर को खूंटी में परिवर्तन यात्रा का शुभारंभ खूंटी कें बाबा आम्रेश्वर धाम से किया जाएगा। यह परिवर्तन यात्रा कचहरी मैदान खूंटी में पहुंच कर सभा में तब्दील हो जाएगी। समीर उरांव ने बताया कि कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और भाजपा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी शामिल होंगे। खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि 22 सितंबर को होनेवाली परिवर्तन यात्रा रैली को सफल बनाने के लिए कार्य योजना के लिए हम सभी बैठक कर रहे हैं।

### धूमधाम से मनाया गया प्रकृति का पर्व करमा

**CHAIBASA :** प्रकृति उपासना का पर्व करमा पश्चिमी सिंहभूम जिला में धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की लंबी उम्र के साथ सुख-समृद्धि की कामना की। कुंवारी कन्याओं ने शनिवार को उपवास रखा। करम डाली को अखाड़ा स्थल पर स्थापित कर फल-फूल, जौ, धान और बालू के साथ की पूजा की। चक्रधरपुर के सार्वजनिक अखाड़ा करम पर्व समिति बनमालीपुर, आसनतलिया, मंडलसाई, ईटोर, सेताहाका, राखा, टोंकटोली, जारकी, कुम्भार टोली, कुंभा टोली, पंप रोड में भी करमा की धूम रही। उरांव सरना समिति चक्रधरपुर समेत कई अखाड़ों में पर्व मनाया गया। बनमालीपुर में करम डाली को काटकर तालाब तक लाए, जहां महिलाओं ने डाली की पूजा-अर्चना की। उसके बाद महिलाएं ढोल एवं मांदर की थाप पर करमा गीत गाते हुए पंडाल तक पहुंचीं।

# करमा पर गूंज रही मांदर-नगाड़े की थाप

**PHOTON NEWS HAZARIBAG :** मांदर नगाड़ों की थाप और करम गीत के साथ शनिवार को करमा पर्व की शुरूआत हुई। जिले के विभिन्न प्रखंड मुख्यालय के सुदूर ग्रामीण इलाकों में करमा पर्व मनाया जा रहा है। लोग अखरा में रात भर झूमेंगे और सुबह करम की डाली को नदी, तालाब में विसर्जित करेंगे। करमा पर्व भाई बहन की सलामती का पर्व है। करमा पर्व को लेकर भाद्र मास के एकादशी तिथि को मनाया जाने वाला करमा पर्व को लेकर मांदर की थाप सुनाई देने लगी है। करमा पर्व के गीत भी सुनाई देने लगे हैं। इसके साथ पूरे वातावरण में एक मस्ती सी घुलने लगी है। करमा झारखंड के आदिवासियों का एक प्रमुख पर्व है। आदिवासी समाज अपनी आस्था और मान्यता को लेकर कई पर्व मनाते हैं। इस पूजा में महिलाएं 24 घंटे उपवास करती हैं। इस दौरान महिलाएं कर्मडाल की

पूजा-अर्चना करते पाहन व अन्य

पूजा करती है, जिसे भाई मानकर अपने घर परिवार और समाज को सुरक्षित रखने के लिए व्रत रखती हैं। इस दौरान कई तरह के गीत गाए जाते हैं। करमा पूजा के एक सप्ताह पूर्व से यहां की महिलाएं एकत्रित होकर गीत गाते हुए गांव के आसपास के किसी नदी नाला के किनारे जाती है और वहां स्नान करती है और नया डाला बांस की टोकरी में बालू उठा कर लाती है। इस बालू में विभिन्न प्रकार के बीज यथा गेहूं, मकई, जो, चना इत्यादि धोकर रख देती है।

### आदिवासियों व मूलवासियों की एकता की पहचान है करमा का त्योहार: कोचे मुंडा

करम के गीतों पर नृत्य करतीं महिलाएं ● फोटोन न्यूज

**KHUNTI :** करमा का त्योहार झारखंड के आदिवासियों और मूलवासियों की एकता की पहचान और झारखंडी संस्कृति का प्रतीक है। सदियों से यहां के आदिवासी और मूलवासी मिलजुल करमा का त्यौहार मनाते आ रहे है। ये बातें तोरपा के विधायक कोचे मुंडा ने कही। विधायक शनिवार को ममरला स्थित आवास में विभिन्न गांवों के लोगों के बीच मांदर का वितरण करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। विधायक ने कहा कि करमा न सिर्फ भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व है, बल्कि यह मानव जीवन का प्रकृति के साथ जुड़ाव को भी दिखाता है। विधायक ने कहा कि हमें किसी भी हाल में अपनी संस्कृति को नहीं छोड़ना चाहिए। सरहुल, करमा, जितिया आदि त्योहार यहां के आदिवासियों की सांस्कृतिक पहचान है। हमें इस संस्कृति और परंपरा को अक्षुण्ण बनाकर रखने की जरूरत है। मौकें पर करमा महोत्सव का भी आयोंजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों के साथ विधाायक भी मांदर की थाप पर जमकर झूमे।

### वन विभाग ने जब्त किया लकड़ी लदा वाहन, चालक भी हुआ गिरफ्तार

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा वन विभाग ने अवैध लकड़ी से लदे चालक ओमप्रकाश कुमार सिंह सहित पिकअप वैन को जब्त किया है. जब्त लकड़ी का कीमत लगभग 1 लाख रुपये बताई जा रही है। चालक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार चाईबासा वन क्षेत्र पदाधिकारी जितेंद्र प्रसाद सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि चाईबासा के रूमडा.और बे वायहातु जंगल से अवैध लकड़ी की तस्करी की जा रही है। इसे लेकर वन क्षेत्र के पदाधिकारी शुक्रवार की रात से ही गश्त लगा रही थी। शुक्रवार रात लगभग 12 बजे मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बामियाबासा के समीप मौली गांव के पास लकड़ी माफिया पिकअप वैन में लकड़ी लोड करके प्लास्टिक बांध कर ला रहे थे।

# देश को एकसूत्र में जोड़ने वाली भाषा है हिंदी: सकलदीप भगत

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं ● फोटोन न्यूज

**KHUNTI :** मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में शनिवार को राष्ट्रीय हिंदी दिवस का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता संस्थान के संस्थापक सकलदीप भगत ने की। मौके पर देश में हिंदी भाषा का महत्व और संस्कृति में योगदान विषय पर छात्रा आरजू और आसना तथा कई शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए। निदेशक सकलदीप भगत ने कहा कि हिंदी देश को एकसूत्र में जोड़ने वाली भाषा है। 14 सितंबर को देश भर में हिंदी दिवस मनाया जाता है। आजादी मिलने के दो साल बाद 14 सितबंर 1949 को संविधान सभा में एक मत से हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया था। इसके बाद14 सितम्बर 1953 को पहली बार हिंदी दिवस मनाया गया। उन्होंने कहा देश की स्वतंत्रता और विकास में हिंदी भाषा का अहम योगदान है। हिंदी से ही हिंद है। विश्व की सबसे बड़ी भाषा हिंदी है।

### स्वास्थ्य व नेत्र जांच सह मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर से कई लाभान्वित

**CHAIBASA :** हिंदू मिलन मंदिर सह भारत सेवा सेवाश्रम संघ की ओर से शनिवार को गांधी टोला स्थित भारत सेवाश्रम मंदिर में स्वास्थ्य और नेत्र जांच जांच के साथ मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर लगाया गया। भारत सेवाश्रम चाईबासा के सचिव मनोज सतपथी ने कहा नेत्र जांच जमशेदपुर के पूर्णिमा नेत्रालय द्वारा की गई, जिसमें 98 लोगों की जांच में मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए 33 लोगों को चिह्नित किया गया। स्वास्थ्य जांच जमशेदपुर के ब्रह्मानंद हॉस्पिटल द्वारा की गई, जिसमें 120 लोगों ने ब्लड शुगर और प्रेशर के अलावा 33 ने ईसीजी कराई। हर साल भारत सेवाश्रम के द्वारा समाजसेवा की जाती है। इस अवसर पर भारत सेवाश्रम के सुब्रत बोस, सुनील दत्ता, रतिकांत साधु, सुभाषित दास आदि सक्रिय रहे।

# तोरपा में स्वच्छता पखवाड़ा शुरू लोगों ने ली सफाई रखने की शपथ

**PHOTON NEWS KHUNTI :** पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के तत्वावधान में तोरपा प्रखंड मुख्यालय में रविवार को स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत हुई। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमुद कुमार झा ने स्वास्थ्य कर्मियों, प्रखंड और आंचल के कर्मचारियों और पेयजल एवं स्वच्छता किवभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कई जगहों पर स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। स्वच्छता की शपथ लेते हुए कहा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सपनों को साकार करने के लिए हम अपनी ग्राम पंचायत को खुले में शौच मुक्त की स्थिति में स्थायित्व प्रदान करने की ओर पहल करेंगे। ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए

स्वच्छता की शपथ लेते पदाधिकारी व कर्मचारी ● फोटोन न्यूज

आवश्यकता के आधार पर योजना बनाकर कार्य करेंगे। साथ ही हम अपनी पंचायत को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करेंगे। अपने गांव में होनेवाले शादी-विवाह या कोई भी उत्सव में पत्ते एवं मिट्टी से बनी सामग्री का उपयोग करेंगे। प्लास्टिक कचरे से पानी और मिट्टी को दूषित होने से बचाएंगे। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करने के लिए कपड़ों की थैली का उपयोग करेंगे। इसके बावजूद अगर हमारे गांव या पंचायत में प्लास्टिक का उपयोग होता है, तो उसे हम घर के स्तर पर जमा करेंगे, न ही उसे फेंकेंगे और न ही जलाएंगे। पुराने प्लास्टिक और बोतलों का पुनः उपयोगी सामग्री बनाएंगे। घर के स्तर पर जमा प्लास्टिक को पंचायत स्तर पर बनने वाले प्लास्टिक पृथकीकरण केंद्र में भेजेंगे। पंचायत में जमा किए गए प्लास्टिक को प्रखंड स्तर पर भेजेंगे।

## बीबीएमकेयू में स्नातकोत्तर के पांच शैक्षणिक सत्र की पढ़ाई हो गई पूरी, 200 से अधिक हुए पासआउट

# बिना शिक्षक व प्रयोगशाला के पांच साल से मासकॉम पास कर रहे छात्र

**PHOTON NEWS DHANBAD:** बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय में पठन-पाठन का हाल बेहाल है। विश्वविद्यालय का स्नातकोत्तर विभाग शिक्षकों की कमी से जूझ रहा है। इसका नुकसान छात्र-छात्राओं को उठाना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि दूसरे विभागों के शिक्षकों को मासकॉम विभाग का हेड ऑफ डिपार्टमेंट बनाया गया है और संविदा पर कार्यरत शिक्षक कक्षाओं का संचालन कर रहे हैं। बीबीमएकेयू में वर्ष 2018 से मासकॉम की पढ़ाई शुरू हुई थी। अब तक पांच बैच पास हो चुके हैं और छठा बैच अध्ययनरत है। सातवें बैच के नामांकन की अधिसूचना जारी हो चुकी है। इस बीच 200 से अधिक छात्र-छात्राएं यहां से पास हो चुके हैं।

**मासकॉम में एक नीड बेस्ड शिक्षक :** विश्वविद्यालय के

मासकॉम विभाग में शैक्षणिक सत्र 2022-24 में 26 विद्यार्थियों ने अपनी पढ़ाई पूरी की, जबकि शैक्षणिक सत्र 2023-25 में 27 छात्र अध्ययनरत हैं। इन छात्रों को पढ़ाने के लिए वर्तमान में दो नीड बेस्ड शिक्षक हैं। इनमें से एक की नियुक्ति चंद दिन पहले हुई है। वहीं इस विभाग का एचओडी राजनीति शास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर जितेंद्र आर्यन को बनाया गया है।

**न पुस्तकालय, ना प्रयोगशाला :** वर्ष 2017 में बीबीएमकेयू की स्थापना हुआ थी और वर्ष 2022 में इसे अपना नव निर्मित भव्य भवन मिला। शिक्षकों के लिए विभागवार कक्ष और क्लास रूम तो मिला, लेकिन न प्रयोगशाला है और ना पुस्तकालय। मासकॉम के छात्र-छात्राओं को पढ़ने के लिए अखबार, पत्रिका आदि की भी कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

> मासकॉम के लिए जरूरी है कि प्रयोगशाला हो। किताबों में पत्रकारिता तो पढ़ा दी गई, लेकिन कभी कोई प्रायोगिक कक्षाओं का संचालन नहीं किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन आश्वासन देता रहा और छात्र पास होते रहे।
>
> **– राजीव पांडेय**
> **पूर्व छात्र मासकॉम, बीबीएमकेयू**

---

> कक्षाओं में कैमरा, प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के छात्रों को पढ़ाया तो गया, लेकिन कभी कैमरा छूने अथवा देखने का मौका नहीं मिला। स्टूडियो कार्य भी नहीं हुआ। यहां केवल डिग्री दी गई। बस इससे ज्यादा बीबीएमकेयू के छात्रों को कुछ नहीं मिला।
>
> **– अनुपम कुमार**
> **पूर्व छात्र मासकॉम, बीबीएमकेयू**

---

> पुस्तकालय और प्रयोगशाला की कमी तो है। विश्वविद्यालय इसको लेकर प्रयासरत है। जल्द ही सारी व्यवस्था कर दी जाएगी। हाल में एक अन्य शिक्षक की बहाली की गई है। व्यवस्थाओं में सुधार किया जा रहा है।
>
> **– जितेंद्र आर्यन**
> **एचओडी-मासकॉम, बीबीएमकेयू**

### झारखंड सरकार अल्पसंख्यक शिक्षकों को नहीं दे रही अधिकार : संघ

बैठक में शामिल उर्दू शिक्षक संघ के पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

**CHAKRADHARPUR :** चक्रधरपुर स्थित मैरिज हॉल में शनिवार को झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ का कोल्हान प्रमंडल स्तरीय सम्मेलन हुआ। मुख्य अतिथि संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि टीम वर्क के कारण ही हमारा संगठन आज बुलंदियों पर है। संगठन से जुड़े हर किसी को महत्व को समझना चाहिए। अधिकार के लिए कभी दूसरों पर डिपेंड नहीं रहें। झारखंड सरकार अल्पसंख्यकों की केवल नाम की हितैषी है, असल में अल्पसंख्यकों के लिए यह सरकार एक छलावा है। जहां देखें उर्दू शिक्षक और उर्दू स्कूल बदहाल है। उर्दू स्कूलों में शिक्षक नहीं, ऊर्दू किताब नहीं है। उर्दू शिक्षक गैर उर्दू विद्यालयों में पदस्थापित हैं। कभी समान अवकाश तालिका, कभी जुमा की छुट्टी को लेकर शिक्षक परेशान किए जा रहे हैं। अब समय आ गया है कि मिन्नत और खुशामद की जिंदगी नहीं जीकर संघर्ष करें, तभी मंजिल मिलेगी। हम एमएसीपी, प्रोन्नति और सेवानिवृत्त वर्ष 62 वर्ष लेने की लड़ाई लड़ रहे हैं, जिसमें सभी का साथ चाहिए।

# गर्भवती महिलाओं को नियमित एंटीनेटल जांच करने का निर्देश

**DHANBAD :** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निदेशक ने धनबाद समेत सभी जिलों के सिविल सर्जन को नियमित तौर पर एंटीनेटल जांच करने का निर्देश दिया है। गर्भवती महिलाओं को 9 महीने के दौरान चार बार एंटीनेटल चेकअप करना जरूरी है, लेकिन कई जिलों में इसकी रिपोर्ट बेहतर नहीं है। सरकारी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र में इसके लिए अलग से जांच करने की व्यवस्था रखी गई है। इसकी रिपोर्ट प्रत्येक महीने मुख्यालय रांची को देने का निर्देश दिया गया है।

**मातृ एवं शिशु मृत्यु दर रोकना उद्देश्य :** एंटीनेटल चेकअप के पीछे का उद्देश्य मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को रोकना है। जिला टीकाकरण पदाधिकारी डॉ. रोहित गौतम ने बताया कि इस दौरान जांच को आई गर्भवती महिलाओं की हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी), एचबी प्रतिशत,

एचआईवी, सिफ्लिस, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज आदि का परीक्षण किया जाता है, ताकि समय से पहले सभी जटिलता का निवारण किया जा सके, जो मृत्यु का कारण बनते हैं।

**धनबाद में प्रत्येक वर्ष 84,000 महिलाएं होती हैं गर्भवती :** विभागीय आंकड़ों की मानें तो धनबाद में प्रतिवर्ष लगभग 84 हजार महिलाएं गर्भवती होती हैं। इसमें लगभग 74,000 का सुरक्षित प्रसव होता है। अब विभाग की कोशिश है कि गर्भवती होते ही महिला को विभिन्न प्रकार की जांच करके सुरक्षित संस्थागत प्रसव कराया जाए।

# वक्फ संपत्तियों की कानूनी निगरानी से बढ़ेगी पारदर्शिता

ऑल इंडिया मुस्लिम पसर्नल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष खालिद सैफुल्लाह रहमानी वक्फ बोर्ड संशोधन बिल 2024 के विरोध में तर्क दे रहे हैं कि कोई आदमी जामा मस्जिद के दस्तावेजी साक्ष्य मांगे तो क्या 400-500 साल पहले बनी इमारत के दस्तावेज दिखाए जा सकते हैं। लेकिन, सैफुल्लाह इस पर क्या कहेंगे कि जब तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में 1500 साल प्राचीन सुंदरेश्वर मंदिर मामले में एक आदमी 1.2 एकड़ जमीन बेचने गया तो उसे वक्फ की जमीन कैसे बता दिया। फिर पूरा गांव वक्फ की संपत्ति कैसे घोषित हो गया। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक 2024 पेश कर दिया है। पक्ष-विपक्ष की सहमति के बाद जेपीसी का गठन भी हो चुका है। जेपीसी ने पहली दो बैठकों के बाद आमजन वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम को लेकर राय मांगी है। कहने का तात्पर्य यह है कि वर्ष 1995 में वक्फ एक्ट में बदलाव किया गया था और प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों में वक्फ बोर्ड बनाने की अनुमति दी गई थी। अब वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम 2024 में कुल 44 संशोधन हैं। 63 एडिशन भी अतिरिक्त जोड़े गए हैं। कुल मिलाकर 1995 के सेक्शन 40 को हटाया जा रहा है। जो खामियां 2014 से 2024 तक 1995 के एक्ट के बारे में रह गई हैं, उनके विषय में कांग्रेस शासनकाल में भी कई कमेटियां स्पष्ट रूप से अभिमत व्यक्त कर चुकी हैं। फिर 1976 में वक्फ जांच रिपोर्ट में भी बदलाव का बड़ा सुझाव आया था, क्योंकि वक्फ बोर्ड से जुड़ीं संपत्तियों के ऑडिट और अकाउंट का तरीका सही नहीं था। वक्फ संपत्ति का प्रबंधन व्यवस्थित तरीके से हो, इसकी मांग न केवल केंद्र-राज्य सरकारें, बल्कि मुस्लिम समाज का एक बड़ा तबका भी करता रहा है। हर किसी को मालूम है कि वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर गिने-चुने 200-250 लोगों का कब्जा है। वक्फ संपत्ति की बंदरबांट का खेल दशकों से चल रहा है। वक्फ बोर्ड संपत्ति में सिर्फ बड़ी-बड़ी मस्जिदें, दरगाह, कब्रिस्तान ही नहीं हैं, बल्कि वे प्राचीन स्मारक भी शामिल हैं, जिनका रख-रखाव लंबे समय से केंद्र सरकार का पुरातत्व विभाग करता रहा है। फिर दिल्ली में जामा मस्जिद के इमाम बुखारी किस तरह से 2000 करोड़ से अधिक के मालिक बन गए या फिर उप्र में आजम खान ने स्वयं का विश्वविद्यालय खोलकर वक्फ जमीन पर एकतरफा कब्जा जमा लिया या कहें कि हैदराबाद में ओवैसी भाइयों ने किस तरह से वक्फ संपत्तियों पर मालिकाना हक में परिवर्तन कर लिया है। यह किसी से छुपा नहीं है। अब अगर केंद्र सरकार संशोधन विधेयक के जरिए यह चाहती है कि किसी भी तरह की सार्वजनिक या धर्मविशेष की संपत्ति की निगरानी क्यों नहीं होनी चाहिए। जब हिंदुओं के बड़े-बड़े मंदिरों और संस्थानों पर प्रशासक के रूप में कलेक्टर, कमिश्नर बैठे हैं, फिर वक्फ संपत्ति कलेक्टर-कमिश्नर की निगरानी के दायरे से बाहर क्यों रहे।क्ष मूल अधिनियम में अब वक्फ संपत्तियों के सर्वे के लिए सर्वे कमिश्नरों की नियुक्ति का प्रावधान है। संशोधन विधेयक में कलेक्टर-डिप्टी कलेक्टर ही सर्वे कमिश्नर होगा, इससे नीचे पद वाले व्यक्ति को हस्तक्षेप की जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। मतलब वक्फ में जमीन की जादूगरी का खेल खत्म होगा। भारत के बड़े शहरों से लेकर गांवों तक में वक्फ संपत्ति की निगरानी कुछ गिने-चुने लोग करते हैं, जिसकी बंदरबांट भी वे अपने व्यक्तिगत स्वार्थों के लिए करने से नहीं चूक रहे हैं। अरबों रुपये की वक्फ संपत्ति पर वक्फ के लोगों ने ही अवैध कब्जा करवाकर औने-पौने दामों में या तो बेच दी है या ठिकाने लगा दिया और इसी वक्फ की आड़ में सरकारी संपत्तियों पर भी अवैध कब्जे जमाए गए हैं। 2009 तक वक्फ बोर्ड के पास 4 लाख एकड़ तक की 3 लाख रजिस्टर्ड वक्फ संपत्तियां थीं। महज 13 साल में वक्फ की जमीन दोगुनी हो गई। आज की तारीख में करीब 8 लाख 72 हजार 292 से ज्यादा अचल संपत्तियां रजिस्टर्ड हैं, जिनका एरिया करीब 9.4 लाख एकड़ है। वस्तुस्थिति कुछ और है। दरअसल 2013 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने 1995 के बेसिक वक्फ एक्ट में संशोधन किया और वक्फ बोर्डों को और ज्यादा अधिकार दे दिया। वक्फ बोर्डों को संपत्ति छीनने की असीमित शक्तियां देने के लिए अधिनियम में संशोधन किया गया, जिसे किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। कुल मिलाकर वक्फ की आड़ में जमीनों के दलालों को खुली छूट दी गई। अब नए कानून में वक्फ बोर्ड को किसी भी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति घोषित करने का अधिकार नहीं रहेगा। यह अंकुश क्यों बुरा है। वक्फ संपत्ति को कानून के निश्चित दायरे में क्यों नहीं लाया जा सकता। कोई भी बोर्ड हो जो कुछ करता है, तो उसे कोर्ट में रिव्यू करने का प्रावधान दिया जा रहा है, तो यह गैर संवैधानिक कैसे हो गया। सालों से वक्फ बोर्ड में बैठने वाले लोग तालमेल करके ट्रिब्यूनल में फैसले देते हैं। उस फैसले को आप किसी कोर्ट में चैलेंज नहीं कर सकते हैं। सोचने वाली बात है कि क्या यह जमीनी बंदरबांट का तरीका लोकतांत्रिक है। देश में कोई भी कानून सुपर लॉ नहीं हो सकता। फिर वक्फ बोर्ड को कानून से ऊपर कैसे रखा जा सकता है। जब अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि की जमीन का आर्कियोलॉजिकल सर्वे हो रहा था और इसमें केके मोहम्मद ने बड़ी भूमिका निभाई थी, तब किसी भी हिंदू ने यह मांग नहीं उठाई थी कि श्रीराम जन्मभूमि का सर्वे कोई हिंदू ही करे। मुस्लिमों का एक बड़ा वर्ग वक्फ बोर्ड में सुधार और संशोधन को एक क्रांतिकारी कदम मान रहा है। हर बोर्ड और काउंसिल में 2-2 मुस्लिम महिला सदस्य रहेंगी। इससे मुस्लिम महिलाओं के अधिकार और हस्तक्षेप सुनिश्चित होंगे। जब देश में 30 वक्फ बोर्ड की 9 लाख एकड़ से ज्यादा की संपत्ति रेलवे और सेना के बाद सबसे ज्यादा संपत्ति का मालिक है, तो उसे कानूनी रूप से निगरानी तंत्र में आने में क्यों आपत्ति है।

# एक दूसरे के खून के प्यासे माओवादी

ANALYSIS

प्रियंका कौशल

**हत्या से साफ जाहिर होता है कि नक्सलियों के नेता बस्तर मूल के लोगों को केवल अपने पांव की जूती भर समझते रहे हैं। पहले तो आम ग्रामीणों को बंदूक की नोक पर जबरिया नक्सली बनाया जाता है, उनसे हत्याएं करवाई जाती हैं, ताकि वे अपराधी कहलाए और मुख्य धारा में न लौट पाएं। जीवन भर उनका शोषण किया जाता है और अंत में खुद नक्सली उनकी हत्या कर देते हैं। अब लगातार हो रही छत्तीसगढ़ पुलिस कार्रवाई से बौखलाए आंध्र कैडर के नक्सली छत्तीसगढ़ के नक्सलियों को मौत के घाट उतार रहे हैं। यानी छत्तीसगढ़ के नक्सलियों को उनके बड़े नेताओं द्वारा विश्वसनीय भी नहीं माना जाता। इस घटना छत्तीसगढ़ के नक्सलियों को बड़ा धक्का लगा है। इस साल माओवादियों को पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने लगातार क्षति पहुंचाई है। लगातार हो रहे नुकसान से बौखलाए माओवादियों में विद्रोह की स्थिति बन गई है।**

नक्सलियों का क्रूर चेहरा अब बेनकाब होने लगा है। छत्तीसगढ़ के वनवासियों से उनकी घृणा भी खुलकर सामने आ गई है। पूरे नक्सल इतिहास में वैसे भी कभी छत्तीसगढ़ मूल के लोगों को बड़े पद नहीं दिए गए हैं। उस पर भी जो किसी तरह निचले स्तर से ऊपर पहुंचे हैं, उनकी हत्या की जा रही है। सबसे बड़ी बात तो ये है कि नक्सलियों के बड़े नेता छत्तीसगढ़ के नक्सलियों को विश्वास के योग्य भी नहीं समझते। ताजा घटनाओं से इस बात की प्रबल पुष्टि होती है। यही कारण है कि माओवादी संगठन में कलह अब सतह पर दिखाई दे रही है। ताजा मामला ये है कि तेलगू कैडर विजय रेड्डी एवं उनके साथियों ने राजनांदगांव-कांकेर बार्डर डिवीजन कमेटी के एसीएम विज्जा (निवासी दक्षिण बस्तर) की हत्या कर दी थी। इस हत्या से साफ जाहिर होता है कि नक्सलियों के नेता बस्तर मूल के लोगों को केवल अपने पांव की जूती भर समझते रहे हैं। पहले तो आम ग्रामीणों को बंदूक की नोक पर जबरिया नक्सली बनाया जाता है, उनसे हत्याएं करवाई जाती हैं, ताकि वे अपराधी कहलाए और मुख्य धारा में न लौट पाएं। जीवन भर उनका शोषण किया जाता है और अंत में खुद नक्सली उनकी हत्या कर देते हैं। अब लगातार हो रही छत्तीसगढ़ पुलिस कार्रवाई से बौखलाए आंध्र कैडर के नक्सली छत्तीसगढ़ के नक्सलियों को मौत के घाट उतार रहे हैं। यानी छत्तीसगढ़ के नक्सलियों को उनके बड़े नेताओं द्वारा विश्वसनीय भी नहीं माना जाता। इस घटना छत्तीसगढ़ के नक्सलियों को बड़ा धक्का लगा है। इस साल माओवादियों को पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने लगातार क्षति पहुंचाई है। लगातार हो रहे

नुकसान से बौखलाए माओवादियों में विद्रोह की स्थिति बन गई है। नक्सलियों में विश्वासघात का डर भी उत्पन्न हो गया है। ऐसे में छत्तीसगढ़ पुलिस ने माओवादियों से आत्मसमर्पण कर अपने जान बचाने की गई अपील की है। बस्तर आईजी पी सुंदरराज के अनुसार वर्ष 2024 में बस्तर संभाग अंतर्गत माओवादियों के खिलाफ की जा रही प्रभावी कार्यवाही के परिणामस्वरूप 153 से अधिक माओवादियो के शव विभिन्न मुठभेड़ के पश्चात सुरक्षा बलों द्वारा बरामद किए गए हैं। बस्तर पुलिस की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि पिछले आठ महीनों में बस्तर संभाग के अंतर्गत सुरक्षा बलों द्वारा तेलंगाना राज्य के निवासी माओवादी कैडर डीकेएसजेडसी सदस्य जोगन्ना, डीकेएसजेडसी सदस्य रणधीर, टीएससी सदस्य, सीआरसी कमांडर सागर, डीवीसीएम विनय उर्फ रवि जैसे शीर्ष माओवादी कैडर्स के शव विभिन्न मुठभेड़ के पश्चात बरामद किए गए। छत्तीसगढ़ में अब तक चले एंटी नक्सल ऑपरेशंस में ऐसा पहली बार हुआ है कि महाराष्ट्र राज्य निवासी माओवादी कैडर एसीएम संगीता उर्फ सन्नी तथा ओडिशा निवासी पीपीसीएम लक्ष्मी का भी शव मुठभेड़ के पश्चात बरामद किया गया। इस प्रकार बड़ी संख्या में अन्य प्रांतों के रहने वाले शीर्ष माओवादी कैडर्स का नक्सल विरोधी अभियान के दौरान पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में मारा जाना छत्तीसगढ़ पुलिस की अब तक की बहुत बड़ी उपलब्धि है। पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज सुंदरराज पी. बताते हैं कि प्रतिबंधित एवं गैरकानूनी सीपीआई माओवादी संगठन द्वारा एक रणनीति के तहत सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के दौरान स्थानीय माओवादी कैडर्स को एक मानव सुरक्षा कवच के रूप में इस्तेमाल करते हैं। मुठभेड़ों में स्थानीय नक्सलियों को मरने को छोड़ दिया जाता है और बाहरी राज्य के शीर्ष माओवादी कैडर्स द्वारा मौके का फायदा उठाकर अपनी जान बचाकर भाग जाते हैं। लेकिन, हाल फिलहाल में हुई मुठभेड़ों के दौरान बाहर राज्य के शीर्ष माओवादी कैडर्स की यह रणनीति विफल होते हुए नजर आ रही है। पुलिस को विश्वनीय सूत्रो से मिल रही सूचना से यह बात सामने आ रही है कि वर्ष 2024 में तेलंगाना,ओडिशा,महाराष्ट्र एवं अन्य प्रांत के सीनियर कैडर्स की हो रही दुर्गति को देखते हुए माओवादी संगठन के शीर्ष नेतृत्व में खलबली मच गई है, जिससे बाहर के माओवादी कैडर्स द्वारा स्थानीय माओवादी कैडर्स के ऊपर संदेह एवं शक करते हुए, उन्हे कई प्रकार से प्रताड़ित किया जा रहा है, जिससे माओवादी संगठन में विश्वासघात व विद्रोह की स्थिति निर्मित हो रही है। यही कारण है कि 6 सितंबर को जिला कांकेर के थाना परतापुर क्षेत्र अंतर्गत मलमपेंटा जंगल में राजनांदगांव-कांकेर डिविजन के एसीएम विज्जा मड़काम को उन्हीं के खुद के माओवादी संगठन के नेतेलगू कैडर नेता विजय रेड्डी के इशारे पर माओवादियों ने संगठन के साथ गद्दारी करने का आरोप लगाकर हत्या कर दी। माओवादी शीर्ष नेतृत्व द्वारा माओवादी संगठन के इस अंदरूनी कलह से खुद के माओवादी कैडर तथा जनता का ध्यान भटकाने के लिए खुद के द्वारा मारे नक्सलियों को पुलिस मुखबिर/क्रांतिकारी विरोधी/संगठन की गद्दारी करने जैसी मनगढ़ंत कहानी बताते हुए झूठे एवं तथ्यविहीन प्रेस विज्ञप्ति जारी की जा रही है। पिछले दिनों माओवादी संगठन को बस्तर संभाग अंतर्गत दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी इलाके में भारी क्षति उठाना पडी है, जिसके कारण प्रतिबंधित एवं गैरकानूनी संगठन अभी दिशाविहीन एवं नेतृत्वविहीन हो चुका है। बाहरी प्रांत के शीर्ष माओवादी नेतृत्व विगत 30-40 वर्षा से स्थानीय माओवादी कैडर्स को सिर्फ एक मानव सुरक्षा कवच के रूप में इस्तेमाल करते हुए करोड़ों-अरबो रुपयों की लूट-खसोट की गई है। अब स्थानीय माओवादी कैडर्स के सामने बाहरी माओवादी कैडर्स बेनकाब होते जा रहे हैं, जिसके कारण मावोवादियों में आपस में विश्वासघात एवं विद्रोह की स्थिति बढ़ते जा रही है। अब स्थानीय माओवादियों कैडर्स के पास हिंसा छोड़कर शासन के समक्ष आत्मसमर्पण करने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं बचा है। बस्तर क्षेत्र के शांति, सुरक्षा एवं विकास के लिए यह उचित होगा कि प्रतिबंधित एवं गैरकानूनी सीपीआई माओवादी संगठन कुछ शीर्ष कैडर तथा उनके गिने-चुने समर्थकों की साजिश अथवा चंगुल से बाहर आकर माओवादी कैडर्स समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर सुरक्षित एवं विकसित बस्तर की भागीदारी बने।

**बीजापुर के गंगालूर एरिया कमेटी की आंतरिक कलह :** दो अक्टूबर 2020 को गंगालूर एरिया कमेटी के डीव्हीसीएम विज्जा मोड़ियाम और डीव्हीसीएम सचिव दिनेश के बीच गंभीर टकराव हुआ। इसके परिणामस्वरूप दिनेश और उनके साथियों ने विज्जा की हत्या कर दी। यह टकराव क्षेत्र में निर्दोष आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार और हत्याओं को लेकर हुआ।

**बीजापुर के पामेड़ एरिया की घटना :** 13 अगस्त 2024 को पामेड़ एरिया में नक्सल कम्युनिकेशन टीम के एसीएम पद पर कार्यरत मनीष कुरसम ऊर्फ राजू की मुखबिरी के आरोप में हत्या कर दी गई। मनीष सावनार के निवासी थे।

# मणिपुर की आग में अमेरिकी हाथ

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कुछ स्पष्ट बातें कही थी, जिसकी दुनिया भर में चर्चा हो रही थी। उनका कहना था कि अमेरिका ने बांग्लादेश में कुछ देश विरोधी ताकतों को उनके पद से हटाया है, लेकिन उनके अनुसार, अमेरिका बांग्लादेश से सेंट मार्टिन नामक टापू लीज पर मांग रहा था और वह ऐसा करने के लिए तैयार नहीं थीं। इसलिए अमेरिका ने सारी साजिश रची। शेख हसीना के इस रहस्योद्घाटन की देश-विदेश में खूब चर्चा हुई। इसके साथ इस पूर्व प्रधानमंत्री ने एक दूसरा रहस्योद्घाटन भी किया। उसके अनुसार अमेरिका चिटगांव, भारत के कुकी बहुल इलाकों और म्यांमार के कुकी बहुल काचिन प्रदेश को मिला कर पूर्वोत्तर भारत में एक ईसाई देश का गठन करने का प्रयास कर रहा है। आश्चर्य है कि विदेशी मीडिया ने शेख हसीना के इस पदार्फाश की अवहेलना की, लेकिन उससे भी बड़ा आश्चर्य यह है कि भारत का मीडिया भी इस विषय पर एकदम से खामोशी का शिकार हो गया। पूर्वोत्तर भारत के कुकी बहुल इलाके कौनसे हैं। उनमें सबसे पहले तो मणिपुर का विशाल पर्वतीय क्षेत्र है, जहां कुकी समुदाय का बाहुल्य है। मणिपुर का पड़ोसी प्रदेश मिजोरम है। मिजोरम के निवासी भी कुकी समाज का हिस्सा ही माने जाते हैं। इसका अर्थ हुआ कि मिजोरम और मणिपुर में मैतेई बहुल इंफाल घाटी को छोड़कर शेष सारा मणिपुर कुकी समुदाय का इलाका माना जाता है। मिजोरम और मणिपुर के पड़ोस में म्यांमार लगता है। म्यांमार का काचिन प्रदेश कुकी बहुल प्रदेश है। इस काचिन प्रदेश को म्यांमार से अलग करने के लिए विद्रोही समय-समय पर आघात करते रहते हैं। मणिपुर में कुकी विद्रोह से पहले म्यांमार का काचिन प्रदेश विद्रोहियों के कब्जे में आ गया था। उसके बाद ही मणिपुर में गड़बड़ शुरू हुई। म्यांमार में पहाड़ी क्षेत्र में पिछले कई सालों से अलगाववादी आंदोलन चल रहा है। पहाड़ी क्षेत्र में अंग्रेजों के शासन काल में ही विदेशी ईसाई

मिशनरियां सक्रिय हो गई थीं। अब तक उन्होंने पूरे पहाड़ी क्षेत्र की जनजातियों को मतांतरित करके ईसाई बना लिया है। इन मतांतरित क्षेत्रों में कुकी बहुल चिन प्रदेश भी शामिल हैं। वहां से कुकी निरंतर मणिपुर में आते-जाते रहते हैं। पूर्व की कांग्रेस सरकार ने सत्ता गंवाने से ठीक पहले कुकी बहुल क्षेत्र की पहचान को पुख्ता व स्पष्ट स्थापित करने के लिए पूरे मणिपुर का नक्शा ही बदल दिया था। उसने अनेक जिलों को इस प्रकार विभाजित किया, ताकि कुकी बहुल जिलों का निर्माण किया जा सके। इसी प्रकार बंग्लादेश के चिटागांव से कुकी विद्रोही आघात-प्रत्याघात करते रहते हैं। एक दूसरा तथ्य भी ध्यान में रखना होगा। मिजोरम, मणिपुर, चिटागांव और म्यांमार के चिन प्रदेश के कुकी शत-प्रतिशत अपनी विरासत छोडकर ईसाई मत में जा चुके हैं। मणिपुर-मिजोरम-चिटगांव-चिन क्षेत्र के कुकी समाज को कुकी-जो-चिन के नाम से भी जाना जाता है। दरअसल, अंग्रेज भारत से जाने के पहले 1947 में ही भारत को घेरने की योजना पर काम कर रहे थे। पूर्वोत्तर भारत में एक ईसाई देश बनाने की योजना थी, जिसे कूपलैंड योजना कहा जाता था और पश्चिमोत्तर भारत में एक मुसलमान देश बनाने की योजना थी, जिसे जिन्ना योजना कहा जाता था। जिन्ना योजना तो पश्चिमोत्तर भारत की राजनीति का हिस्सा बन गई, लेकिन कूपलैंड योजना में अभी ब्रिटिश साम्राज्यवादी रंग भर ही रहे थे कि द्वितीय विश्व युद्ध का अंत हो गया और अंग्रेजों को इस योजना को अधूरा छोड़ कर जाना पड़ा। असम के उस समय के राज्यपाल राबर्ट नायल राइड्स ने 1941 में ही शिलांग की एक गोपनीय बैठक में इस योजना का खुलासा करते हुए कहा था कि बर्मा के काचिन क्षेत्र और भारत के पूर्वोत्तरीय पहाड़ी क्षेत्र को अलग करके ऐसा नया देश बनाने की योजना है, जिस पर इंग्लैंड का शासन हो। अंग्रेज जानते थे कि जिन्ना योजना से पैदा होने वाले देश पाकिस्तान पर वे प्रत्यक्ष शासन नहीं कर पाएंगे। वहां तो रणनीतिक साझेदारी ही हो सकती है। बर्मा और भारत के एक हिस्से को काट कर बनाए गए नए ईसाई देश को वे अपना उपनिवेश बना सकेंगे। भारत की पूर्वोत्तर सरहद पर नया देश बनाने की इच्छा पूरी होने से पहले ही अंग्रेजों को यहां से जाना पड़ा। एक दशक पहले कांग्रेस सरकार ने मणिपुर में कुकी क्षेत्रों को चिह्नित करते हुए नए जिले क्या कुकी क्षेत्रों को मणिपुर से अलग करने के लिए ही गठित किए थे। इसमें तो कोई शक नहीं कि बर्मा के काचिन क्षेत्र में कुकी समुदाय के लोगों को ईसाई बनाने के काम में लगीं मिशनरियों को अमेरिका से धन ही नहीं, अन्य प्रकार की सहायता भी मिल रही है। एक प्रश्न जरूर पूछा जा सकता है कि अमेरिका को इस नए ईसाई देश से क्या फायदा होगा। जिस प्रकार अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बदलाव होता रहता है, उसी परिप्रेक्ष्य में विभिन्न देशों के स्वार्थ और रिश्ते बदलते रहते हैं। आज अमेरिका, चीन और भारत दोनों पर नजर रखना चाहता है। चीन भी आर्थिक क्षेत्र में अमेरिका को टक्कर देने की दिशा में बढ़ने का प्रयास कर रहा है। भारत का मामला उससे भी पेचीदा है। यह ठीक है कि अमेरिका और भारत की किसी स्तर पर भी समानता नहीं है, आज अमेरिका समेत पूरे यूरोप में जो ह्रासभ्यताओं का संघर्ष्ह चला हुआ है, उसमें भविष्य में भारत का पलड़ा भारी हो सकता है। इसलिए अमेरिका को राजनीतिक रूप से अस्थिर भारत अनुकूल लगता है।

## Social Media Corner

### सच के हक में...

नया जम्मू-कश्मीर विकास की नई गाथा लिख रहा है। डोडा में उमड़ा ये जनसमूह साफ बता रहा है कि लोकतंत्र यहां के लोगों की रगों में है। भाजपा को आशीर्वाद देने आए सभी परिवारजनों को मेरा कोटि-कोटि प्रणाम।

**(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)**

रामगढ़, अलवर से कांग्रेस विधायक जुबैर खान जी के निधन की खबर बहुत दुखद है। जुबैर जी की पार्टी के प्रति प्रतिबद्धता, कांग्रेसी विचारों के प्रति उनका समर्पण एक मिसाल है। उनका देहांत पूरी कांग्रेस पार्टी के लिए एक बड़ी क्षति है। इस तकलीफ के वक्त में मेरी गहरी संवेदनाएं उनके शोकाकुल परिवार और प्रियजनों के साथ हैं।

**(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)**

झारखंड की तत्कालीन भाजपा सरकार ने 11 लाख राशन कार्ड रद्द करने से पहले कुछ भी नहीं सोचा। उन्हें इसमें चंद रुपये बचते दिखे - पर इसके कारण जानें कितने परिवारों को इन्होंने उजाड़ दिया। लाखों झारखंडियों को भूख से मौत के मुँहाने खड़ा कर दिया पर इनके पास अरबों खर्च कर विधायक खरीदने के लिए पैसों की कमी नहीं है।

**(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)**

# अनुसंधान को विकास से जोड़ने की पहल

पिछले दिनों नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एनआरएफ) की पहली बैठक हुई। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भी शिरकत की। नेशनल रिसर्च फाउंडेशन को पांच फरवरी 2024 को एनआरएफ एक्ट बना कर स्थापित किया गया है। इसे अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन यानी एएनआरएफ नाम दिया गया है। एएनआरएफ अब अपने मिशन की दिशा में बढ़ता हुआ दिख रहा है। उम्मीद है कि यह भारत में विकास एवं शोध के सूत्रों को जोड़ने का काम करेगा। विकास और शोध में गहरा संबंध होता है। सतत शोध विकास को दिशा देता है। यह जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का सतत मूल्यांकन कर विकास की गति, प्रक्रिया एवं प्रभावों की पड़ताल करता रहता है। भारत में आजादी के बाद से विकास की अवधारणा विकसित करने का काम राजनीतिक नेतृत्व, नौकरशाही, विद्वानों की टीम सार्थक रूप से करती रही है। इसमें शोध की भूमिका ज्यादातर परियोजनाओं के महज मूल्यांकन तक ही सीमित रहती थी। देश में विकास परियोजनाओं को संकल्पित करने एवं उनको कार्यान्वित करने में शोध की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण नहीं मानी जाती थी। साथ ही विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में कुछ केंद्र, कुछ व्यक्तित्वों के इर्द-गिर्द ही शोध का दायरा सीमित रहता था। 1990 के बाद उदारवादी अर्थव्यवस्था लागू होने के बाद भारत में विकास का स्वरूप बदला एवं उसकी गति तेज हुई या यूं कहें तब से भारत में विकास का विमर्श ही बदल गया। 2014 में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देश की सत्ता संभालने के बाद विकास की यह गति और तेज हुई। विकास को एक मिशन मोड में लाया गया। इसका विस्तार हुआ और इसके स्वरूप एवं प्रक्रिया में नया मोड़ आया। इसमें राज्यसत्ता, सरकार, जनता, नेतृत्व के साथ ही उद्योग, उदारशील समूहों एवं कारपोरेट भी नए भागीदार बन कर उभरे। विकास के इस नए परिदृश्य में देश में शोध की जरूरत एक नए सपोर्ट इंजन के रूप में सबको महसूस हो रही थी। इसी जरूरत को महसूस करते हुए मोदी सरकार ने भारत में शोध को विकास की एक आत्मिक अंतःदृष्टि के रूप में विकसित करने के लिए अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन स्थापित करने का काम प्रारंभ किया। इसकी अवधारणा का एक और मूलाधार देश में शोध को संयोजित कर उसे बड़े विचार एवं नवोन्मेष के क्षेत्र के रूप में बदलना है। यह देखना सुखद है कि अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन ने भारत में विकास को दिशा देने, उसे आइडिया सपोर्ट देकर उसे प्रभावी बनाने एवं उसकी सतत समीक्षा कर उसके प्रभावों को सार्थक बनाने का काम करना प्रारंभ कर दिया है। सरकार की इस पहल ने देश में एक तो अभी तक बिखरे पड़े एवं अनेक तरह के शोध के प्रयासों को एकजुट एवं समायोजित कर उसमें नए भागीदारों को जोड़कर उसे सम्यक रूप से नियोजित कर विकसित भारत के महाअभियान से जोड़ने का काम किया है। दूसरा, इससे देश में शोध का न्याय संगत एवं जनतांत्रिक वितरण भी संभव हो पाएगा। तीसरा, इससे इंडस्ट्री, कारपोरेट, प्राइवेट शोध फाउंडेशन सभी एक मंच पर आकर एक साथ अपने विचार, आंकड़े एवं संसाधनों का आदान-प्रदान कर देश में विकसित भारत के महाअभियान में अपना योगदान दे पाएंगे। इससे अनेक प्रकार के शोध के संसाधन एवं स्रोत जो इधर-उधर बिखरे हैं, सब एक होकर विज्ञान, तकनीक एवं सामाजिक शोध के परिक्षेत्र को प्रभावी बना पाएंगे। एएनआरएफ की शीर्ष समिति शोध की महत्वपूर्ण संस्थाओं के शोध लीडर शामिल हैं। विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र के अनेक बड़े विद्वान इस अवधारणा को जमीन पर उतारने के कार्य में लगे हैं। इसका एक महत्वपूर्ण लक्ष्य नवोन्मेषी शोध का एक ऐसा परिक्षेत्र विकसित करना है, जिसमें राज्य निर्देशित विकास की अवधारणा, परियोजनाओं एवं प्रयासों को जनता, समाज एवं राष्ट्र के जीवन को बदलने में सर्वाधिक उपयोगी साबित हो सके।

# बुजुर्गों को बल

भारत युवाओं का देश है, पर बुजुर्गों की संख्या भी समय के साथ बढ़ती चली जाएगी। ऐसे में केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को वित्तीय लाभ देने का जो फैसला किया है, वह बहुत सुखद और स्वागत योग्य है। सबसे खास बात यह है कि इस योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को मिलेगा। पहले सरकार यह मानकर चल रही थी कि जो बुजुर्ग आर्थिक रूप से सक्षम हैं, वो अपना चिकित्सा खर्च आसानी से उठा सकते हैं। अब यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है कि इस योजना का लाभ 70 वर्षीय होते ही सभी भारतीयों को मिलने लगेगा। आयुष्मान योजना को दुनिया में सबसे बड़ी चिकित्सा बीमा योजना माना जाता है और उसमें हुआ यह विस्तार भारत के बेहतर होते भविष्य का ही एक संकेत है। भारत में बुजुर्गों की स्वास्थ्य सुरक्षा का प्रबंध बहुत जरूरी है और समय के साथ उनकी सुविधाओं को बढ़ाते जाना अनिवार्य है। अगर किसी भी बुजुर्ग को अब पांच लाख रुपये तक के इलाज के लिए परेशान न होना पड़े, तो यह हमारे समाज के लिए बहुत अच्छी बात होगी। योजना से असंख्य बुजुर्गों को नई जिंदगी मिलेगी और उनकी उम्र भी बढ़ेगी। अपने देश के करीब छह करोड़ वरिष्ठ नागरिक अब सार्वभौमिक स्वास्थ्य सुरक्षा के दायरे में आ रहे हैं, तो यह प्रमाण है कि आज अपने देश की सरकार आर्थिक रूप से सक्षम है। लोग भारी मात्रा में टैक्स चुका रहे हैं, तो उसका लाभ विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन तक लौटना ही चाहिए। एक लोक कल्याणकारी सरकार का यही सही स्वरूप है। सरकार का एक अनुमान है कि इस योजना से लगभग 4.5 करोड़ परिवारों तक लाभ पहुंचेगा। ऐसे अनेक आंकड़े हैं, जो बताते हैं कि इलाज के भारी खर्च की वजह से बड़ी संख्या में लोग गरीब हो जाते हैं। किसी को कर्ज लेना पड़ता है, तो किसी को जायदाद बेचनी पड़ती है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# J&K leaders must have an ear to the ground

KASHMIR is crisscrossing multiple fault lines ahead of the three-phase Assembly polls scheduled to begin on September 18. Most of these lines have been created by the traditional regional parties that are unable to explain why they are fighting as rivals when their manifestoes focus on two key promises — restoration of Article 370 and reclaiming the identity and dignity for the masses.

Both the National Conference (NC) and the Peoples Democratic Party (PDP) claim to be anchors of Kashmir's aspirations but have accused each other of wrecking the prospects of unity of thought and purpose in the most critical elections in the history of Jammu and Kashmir. The results of these elections will redefine J&K's place and claim to statehood, the biggest concern among its people.There are expectations that the polls will see the highest voter turnout ever. That is what makes the whole thing unpredictable. High voter participation will come with multiple claims and aspirations that have not been analysed so far. Nor can that be done until the votes are counted on October 8. The parties are also nervous, because it is difficult for them to decipher the trend. They know it through their recent experience during the Lok Sabha elections, in which both Omar Abdullah and Mehbooba Mufti lost to their rivals.

This time, the Assembly elections — a manifestation of the impatience of the people accumulated over the last 10 years (with greater intensity since the abrogation of Article 370) — rest on two basic factors. One, Kashmir has rediscovered normalcy, and the residents want it to pass through this transitory stage and arrive at long-term peace. The thrust is on peace with the recognition of their claims to jobs and no compromise on their land rights. This, in translation, means the restoration of the provisions of Article 35A, which was also scrapped along with Article 370 on August 5, 2019. They are willing to adapt to the idea of India on their own, and not through imposed narratives or optics.The NC, after having declared that it would go solo, took a U-turn and entered into a pre-poll alliance with the Congress, conveniently forgetting the bitter experiences of past partnerships. The ghost of the alliance not passing the test of transferring votes to each other has already emerged, with former J&K Pradesh Congress Committee chief and party candidate from Banihal, Vikar Rasool Wani, hurling invectives at the NC and its leadership, causing embarrassment to Rahul Gandhi, who had campaigned for him on September 4. Rahul had promised a victory for the alliance and a defeat for the BJP, but Wani was bent on rocking the boat.It was an alliance of compulsions for both parties. The NC wanted to silence a whispering campaign that it had a secret pact with the BJP. It chose to ally with the 'secular' Congress. Rahul wanted to showcase himself as the leader of the INDIA bloc and got the NC to his side. The idea of a friendly contest on five seats in itself is self-defeating, though.

The NC's manifesto, which is similar to that of the PDP, People's Conference and even the Awami Ittehad Party of Engineer Rashid, has landed the Congress in a catch-22 situation. It can neither support the demand for the restoration of Article 370 because of the nation's mood overwhelmingly favouring its abrogation, nor can it oppose it because that will undermine the NC's position in Kashmir. And the BJP will play it as an endorsement of its policies vis-à-vis J&K.

Home Minister Amit Shah was quick to ask Rahul to say 'yes or no' to the NC's foremost agenda. For the Congress, ambiguity is the best shield. The BJP is striking hard at it, making the grand old party look vulnerable in the Hindu-dominated Jammu region. The party is also sowing seeds of suspicion among the Kashmiri Muslims who want straight answers.

The dominance of Article 370 in the political discourse helps both sides stoke emotions — regional parties in Kashmir are invoking the loss that the masses have suffered because of the August 5, 2019, decisions — it is not just that the symbolism of a separate flag and.

# Recalibrate strategy to protect railway network from sabotage

## Like his counterparts in UP and MP, Sarma has been allowing the use of bulldozers as a retaliatory measure.

THE Central Government said on September 10 that 18 incidents of sabotage of railway infrastructure had occurred since August 1 this year; a total of 24 incidents have happened in the past two years. On September 8, an LPG cylinder was found on a railway track near Kanpur. A fortnight ago, Railway Minister Ashwini Vaishnaw had expressed concern over recent train derailments and said that a "disturbing trend is being seen". As a result of this, the Railways and other agencies are investigating multiple attempts to derail trains. Terrorist involvement in the matter is also being looked into.

This spate of incidents to sabotage the railway network in India is not a new phenomenon. As per a press release of the Ministry of Railways, the Railways decided to undertake patrolling of tracks in the sections considered sabotage-prone, keeping in view the safety of passengers, in September 2003.Why target the Railways? Over the years, the establishment has focused largely on the security of the aviation sector and so the surface transport infrastructure has not received due emphasis. Terrorists are known for their ability and desire to innovate, both in terms of technology and tactics so as to be a step ahead of the security agencies to successfully carry out attacks. The railway network has always been a favourable target of terrorists due to its expanse, the high number of people who utilise it, as well as the vital logistics services it provides to the nation. The Railways is also expanding and this will likely result in it becoming increasingly vulnerable to attacks. The disruptive potential of such attacks can be gauged from the targeting of France's high-speed train lines that were targeted by 'malicious' acts, including arson and 'coordinated sabotage' to disrupt travel ahead of the opening ceremony of the Paris Olympics.

While fragmented efforts have been initiated to enhance the safety and security of passengers and goods, a harmonised, coordinated and collaborative response by all stakeholders is required to prevent such attacks and reduce the vulnerability of rail infrastructure. The plan should also include measures to enhance our capability to minimise the damage and restore services promptly whenever such attacks occur.The first step is to understand the moives of the perpetrators. In Ajmer, Rajasthan, two cement blocks weighing 70 kg each were placed on the rail track. Despite hitting the cement blocks, the train was able to continue its journey without any damage. These are apparently attempts to derail trains with the aim of causing fatalities and destroying railway property. It seems that these attacks were carried out by rookies rather than by well-trained terrorists. These acts may have been executed by criminal elements; the terrorist-criminal nexus has existed since the advent of terrorism. More importantly, the execution of such attacks has been outsourced to criminals who are acting like overground workers of terrorist organisations. As time passes, they can enhance the survivability and relevance of the terrorists to create an atmosphere of lawlessness and insecurity. Therefore, it is imperative to classify these intentional attempts to derail passenger and goods trains as terrorist acts and not sabotage by criminal elements.

Secondly, while the train operations are under the control of the Ministry of Railways, the guarding of tracks and bridges against miscreant activity is the statutory responsibility of the state governments concerned. The Railways also has the Railway Protection Force and Government Railway Police under it. In such a situation, the Ministry of Home Affairs (MHA) has to step in to assume the role of coordinating and 'de-conflicting' roles of various agencies and stakeholders. The MHA should order a review of the security of railway infrastructure, risk and threat assessment to prioritise vulnerabilities and gaps in the security architecture to prevent and deter both physical and cyberattacks. These risk-based plans should be tailor-made for specific areas, including measures to enhance information-sharing, protection and leveraging technology to improve rail security.The Railways will need to focus on training employees, improving technology, infrastructure and coordinating with law enforcement agencies, industry, state, local and community officials, emergency responders and Central agencies to foster collaboration and integrate resources for enhanced deterrence and response capabilities. Measures like surveillance through CCTV cameras, drone monitoring, patrolling and regular track inspections will have to be dovetailed in the plans to prevent such incidents. In high-threat areas, it would be advisable to have pilot engines clear the lines ahead of the passenger trains.

The Railways will also need to evolve a system of public participation in ensuring security of the infrastructure. For this, it could look at the US system developed in 2010, called the Nationwide Suspicious Activity Reporting Initiative throughout the entire rail system. This was a significant step toward enhancing the security of the national transportation infrastructure in partnership with federal, state and local law enforcement agencies to identify and report suspicious incidents or activity and share that information nationally so that it can be analysed in real time.One of the critical challenges will be to implement security measures to safeguard our rail system from terror attacks without compromising the accessibility and efficiency of train travel. In fact, the MHA should go beyond the railways and progressively prepare and implement a national infrastructure and key assets protection plan to remain ahead of the terrorists before they target other sectors

# Puja curbs & trade ban

## Dhaka's actions could strain ties with Delhi

BANGLADESH's interim government, led by Muhammad Yunus, has issued a directive mandating Hindu Puja committees to stop using musical instruments and sound systems five minutes before and during the Islamic azaan and namaz as the country prepares for Durga Puja. This move, ostensibly aimed at maintaining religious harmony, has the shades of a 'Talibani' order targeting the country's beleaguered minority Hindu population. It is a disproportionate imposition on an already vulnerable community in the garb of ensuring law and order during the largest Hindu festival of the region. The curbs may not only deepen the divide between the communities in Bangladesh, but they can also strain the country's relations with India. The timing is particularly sensitive, given the political situation following the ouster of Sheikh Hasina as the PM.

Dhaka's decision to ban the export of Padma hilsa — a beloved fish staple during puja festivities in West Bengal — to India could also escalate tensions. This ban is a reversal of the goodwill established by previous governments through 'hilsa diplomacy'. The symbolic exchange of fish had become a bilateral gesture of friendship.

While these developments have not yet triggered an official diplomatic response from India, they raise concerns over religious and trade policies under Bangladesh's interim government. In this context, Yunus' statement on Wednesday that his country seeks strong ties with India based on fairness and equality contradicts his government's policies. Though the appeal highlights his government's intent on fostering regional cooperation and mutual respect, it is on an opposite trajectory, thus risking alienating India. The religious restrictions, along with the trade ban, could undermine the historic bond between the two countries. If Bangladesh seeks to maintain peaceful and fruitful relations with India, religious inclusivity and balanced diplomacy must guide its actions moving forward.

# Riding roughshod over rules and laws

## TRYSTS AND TURNS: Supreme Court has rightly taken a serious note of cow vigilantism and 'bulldozer justice'

COW vigilantes chased a car-borne youth on a national highway in Haryana for around 25 km, caught up with him and shot him dead. He happened to be Aryan Mishra, a forward-caste Hindu who obviously sensed that he was being followed but did not know why. He must have thought that the miscreants were robbers, and his first reaction would be to drive fast and escape. The vigilantes fired four bullets, two of which hit their target.When the victim's identity was established, the cow enthusiasts, whose sole interest is to punish Muslim butchers, beef-eaters and traders, were left with egg on their faces. The core of the BJP's support base before 2014 came essentially from the forward castes. This case of 'mistaken identity' could turn many of the faithful against the vigilantes, if not against the party that spawned them.

Vigilantism is a double-edged weapon. It can frighten potential victims, but it can also turn these unofficially empowered 'policemen' into criminals! A parallel example can be found in the police establishment itself where the emergence of 'encounter specialists' has led to crimes being committed by men in uniform.

It is much more difficult to check criminals in uniform than it is to counter the underworld. An honest and determined police officer, respected by his own men and the public at large, can tame the ganglords. But 'encounter specialists', whose birth is the result of the failure of the criminal justice system, are decidedly more difficult to control.'Encounter specialists' are drawn from the ranks of subordinate officers imbued with courage, initiative and a flair for leadership. They are accepted by the public as they dispense fast-track justice by assuming the roles of investigator, prosecutor and judge, all rolled into one. Public support translates into political support, and when the political establishment adopts them as the party's saviours, it is well-nigh impossible for even enlightened police leaders to discourage them.

An identical principle applies to the cow vigilantes. They become a law unto themselves till a disaster like the 'mistaken identity' case occurs. Members of the Bajrang Dal are inducted into these vigilante groups as that is the most convenient source of recruitment for jobs that involve the use of muscle.

The Supreme Court recently took cognisance of this dangerous phenomenon. Poor Muslims, for whom the only source of protein is buffalo meat, are being serially subjected to vigilantism. The vigilantes barge into houses or stop vehicles if they suspect that beef is being stored or transported for sale or consumption. In states like Haryana, the police either close their eyes to these activities or support and encourage them.Lumpen elements find a very exciting occupation in these vigilante enterprises, like in the case of rape-murder of a trainee doctor at RG Kar Hospital in Kolkata. The suspect was employed unofficially as a civilian volunteer and given free rein in the hospital. He even had access to the local police station and often used police motorcycles to go to work. In the examples quoted above, one factor is common. They have the sanction of those in power.

Besides fake encounters and cow vigilantism, the apex court recently took a serious note of 'bulldozer justice'. Most municipalities keep bulldozers to demolish constructions built without official permission. Most municipal officers desist from using bulldozers for the purpose for which they were purchased. Illegal constructions are a dime a dozen in my city, Mumbai, but bulldozers have not been used to punish criminals to the extent that CM Yogi Adityanath has done in Uttar Pradesh.When the agitation against the Agnipath recruitment reached a crescendo in Uttar Pradesh and public buses and other government property were destroyed in many cities of the state, Yogi did not order bulldozers to respond. He reserved that usage to deal with crimes, even petty ones, committed by Muslims. He forgets that the Constitution makes no differentiation on the basis of the creed, caste or economic status of the law-breakers. But in UP, Muslim boys falling in love with Hindu girls can expect the bulldozer at their doorstep.

Talking about 'love jihad', my Christian Communion, the Roman Catholic, used to refuse to solemnise marriages of Catholics with non-Catholics (including with Protestants, who are Christians) unless the non-Catholic partner converted to Roman Catholicism. That rule has been abandoned for the past six decades or more. And rightly so.

Islam, which is also an Abrahamic religion like Christianity, has not yet relented on this rule. If nikah has to be performed, the non-Muslim partner has to convert to Islam. If the parties to the marriage decide on a registered marriage, like the more educated and affluent do, the question of conversion does not arise. In that case, only 'love' remains — the jihad goes.The accusation of a Muslim boy going out of his way to find a Hindu or Christian girl with the sole intention of augmenting the number of the faithful is ridiculous and outrageous. In a multi-religious and multi-caste society, as exists in all states of the Union, a few inter-religious or inter-caste marriages are bound to happen. Some young people of different religions or castes are going to be attracted to each other. It is time to accept that fact and bury 'love jihad', and dispense with laws to prevent or punish such marriages that Uttarakhand and some other BJP-ruled states have enacted or are in the process of enacting.

In my immediate family and also in the families of some friends who have experienced inter-religious union, there has not been a single instance of conversion. The phenomenon affects the poorer sections of society, which are surprisingly more conservative in such matters. It is surprising that accusations of 'love jihad' are made only in their cases. Perhaps the solution lies in ensuring better standards of living for all, which is what our Prime Minister has promised, but that is not going to happen anytime soon.

# Centre lifts minimum export price cap on onion, basmati rice to boost farmer income

**New Delhi** The government on Friday scrapped the minimum price thresholds for onion and basmati rice to boost outbound shipments and enhance farmers' income.The government also halved export duty on onion to 20 per cent from 40 per cent. The duty cut is effective from September 14.The 40 per cent export duty had been in place since May 4.The decisions, including removal of the Minimum Export Price (MEP) on both onion and basmati rice and a cut in the export duty, came ahead of assembly elections in Maharashtra and Haryana.Haryana, along with Punjab, is the major producer of basmati rice.According to a communication from the Department of Commerce, the $950 per tonne minimum export price on basmati rice has been removed.Commerce and Industry Minister Piyush Goyal said the move will help boost exports and increase farmers' income."It has been decided to remove the current minimum export price (MEP) of $950 MT for issuing Registration-cum-Allocation Certificates (RCAC) for export of Basmati Rice", the communication said.The APEDA (Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority) has been requested to take immediate action to implement the decision, and it will also closely monitor export contracts for any non-realistic prices for basmati exports.In October 2023, the government reduced the floor price for basmati rice exports to $950 per tonne from $1,200 per tonne amid concerns that higher prices were hurting outward shipments.The government on August 27, 2023 decided not to allow exports of basmati rice below $1,200 per tonne to restrict possible "illegal" shipment of white non-basmati rice in the garb of premium basmati rice.India's total exports of basmati rice stood at $5.9 billion in 2023-24.During the 2022-23 fiscal, basmati rice exports stood at $4.8 billion in terms of price, while in volume terms it was at 45.6 lakh tonnes.As per the Foreign Trade Policy, APEDA is

mandated to register all contracts for the export of basmati rice and issue the registration-cum-allocation certificate for the export of basmati rice.The basmati crop is grown in the kharif (summer-sown) season.In another farmer-friendly decision ahead of the assembly election in Maharashtra, the directorate general of foreign trade (DGFT) removed the MEP on onion with immediate effect.In May this year, the government lifted the ban on onion exports but had imposed a $550 per tonne as the minimum export price (MEP), which essentially meant farmers could not sell their produce overseas at lower than this rate."The Minimum Export Price (MEP) condition on the export of onions is removed with immediate effect and until further orders," the DGFT said.India exported 2.6 lakh tonnes of onions till July of this fiscal year. The country had exported 16.07 lakh tonnes of onions in the last fiscal.The decision to remove the MEP on onion has been taken despite high retail prices of this key kitchen item.According to the data compiled by the Department of Consumer Affairs, the All-India average price of onion on Friday was Rs 50.83 per kg, while the modal price was Rs 50 per kg. The maximum price of onion was Rs 83 per kg and the lowest was Rs 28 per kg.On September 5, the Centre began the first phase of retail sales of onion at a subsidised rate of Rs 35 per kg to provide relief to Delhi-NCR and Mumbai consumers from rising prices of the kitchen staple.

## Coal production up by 5.85% to 412 MT in Fy25

**NEW DELHI.** India's coal production has increased 5.85% in the fiscal year 2024-25, reaching a provisional figure of 411.62 million tonne (MT) as of September 12, 2024.As per a statement, Coal India (CIL) has demonstrated resilience with a 2.80% rise in production to 311 MT. Coal dispatch has seen a substantial growth, reaching 442.24 MT, a growth of 4.97%. The dispatch to power plants is also up by 4.03% to 362.65 MT.

Currently, coal stock levels are high, with companies holding 76.49 MT, a 49.07% annual growth rate, and domestic coal-based thermal power plants holding 36.58 MT."These figures underscore the sector's robust

performance and its enhanced capacity to ensure an uninterrupted power supply and effectively meet the nation's energy needs," said coal ministry in a press note.

## Max to buy 64% in Jaypee Healthcare

**NEW DELHI.** Max Healthcare (MHIL) is acquirng 64% stake in Jaypee Healthcare for an enterprise value of Rs 1,660 crore. In a regulatory filing, Max said it has entered into a strategic agreement with Lakshdeep Group, the promoter of Jaypee Healthcare Ltd (JHL) which is undergoing Corporate Insolvency Resolution Process (CIRP)This Strategic Collaboration and proposed acquisition will give MHIL a controlling stake in JHL including its flagship asset, the renowned 500-bed Jaypee Hospital, Noida.Under the agreement, MHIL will organise debt for repayment of admitted claims of the financial creditors of JHL and proposes to acquire 64% stake in the company, with call and put option for remaining stake. The acquisition includes two operational hospitals i.e. 500-bed Jaypee Hospital, Noida and 200-beds Jaypee Hospital Bulandshahr, built on land parcel of 18 acre and 5.75 acre respectively.JHL owns a 100 beds hospital spread over 2.35 acres at Anoopshahar, which is non-operational. JHL reported revenue of Rs 421 crore and EBITDA of Rs 70 crore for the year 2023-24.

Abhay Soi, Chairman and MD, Max Healthcare Institute, said the addition of Jaypee to the network is an important milestone to build a formidable presence in NCR – a region which is not only home to 46 million people but also plays a pivotal role in shaping the Indian economy as an economic hub."We remain focused on formulating a comprehensive strategy that addresses demands of stakeholders involved while prioritising delivery of quality healthcare services in a sustainable manner and expand the flagship Noida facility to 1200 beds over next few years."

## Going once, going twice: Google's millisecond ad auctions are the focus of monopoly claim

**ALEXANDRIA.** It happens in milliseconds, ideally, as you browse the web. Networks of computers and software analyze who you are, what you are looking at and buy and sell the advertisements you see on web pages.The company that most likely determines which ads you get, and how much an advertiser paid to get on your screen, is Google.In fact, the Justice Department and a coalition of states say Google's dominance over the technology that controls the sale of billions of Internet display ads every day is so thorough that it constitutes an illegal monopoly that should be broken up.A trial under way in federal court in Alexandria, Virginia, will determine if Google's ad tech stack constitutes an illegal monopoly. The first week has included a deep dive into exactly how Google's products work together to conduct behind-the-scenes electronic auctions that place ads in front of consumers in the blink of an eye.Online advertising has rapidly evolved. Fifteen or so years ago, if you saw an internet display ad, there was a pretty good chance it featured people dancing over their enthusiasm for low mortgage rates, and those ads were foisted on you whether you were looking at real estate or searching for baseball scores.

Now, the algorithms that match ads to your interests are carefully calibrated, sometimes to an almost creepy extent.Google, for its part, says it has invested billions of dollars to improve the quality of ads that consumers see, and ensure that advertisers can reach the consumers they're seeking.The Justice Department contends that what Google has also done over the years is rig the automated auctions of ad sales to favor itself over other would-be players in the industry, and also deprived the publishing industry of hundreds of millions of dollars it would have received if the auctions were truly competitive.Government witnesses have explained the auction process and how it has evolved over the years in detail at the Virginia trial.In the government's depiction, there are three distinct tools that interact to sell an ad and place it in front of a consumer. There's the ad servers used by publishers to sell space on their websites, particularly the rectangular ads that appear on the top and right-hand side of a web page. Ad networks are used by advertisers to buy ad space across an array of relevant websites.And in between is the ad exchange, which matches the website publisher to the would-be advertiser by hosting an instant auction.Publishers naturally want to receive as high a price as possible for their ad space, but testimony at trial has shown that didn't always happen due to the rules Google imposed.

For years, Google gave its ad exchange, called AdX, the first chance to match a publisher's proposed floor price. For instance, if a publisher wanted to sell a specific ad impression for a minimum of 50 cents.

# Bajaj Housing Finance IPO: Will it double investors' wealth on market debut

**New Delhi** Bajaj Housing Finance shares are gearing up for an impressive debut on Dalal Street, following a stellar response to its initial public offering (IPO).

The IPO has generated immense interest, thanks to the company's solid financials and strong backing from the Bajaj Group, making it one of the most anticipated listings on Dalal Street this year.With the grey market premium (GMP) indicating a significant upside, all eyes are now on whether the shares will live up to the hype and deliver the bumper listing gains many expect.

**Analysts bullish on IPO listing**

As the market prepares for the IPO's debut, industry experts are upbeat about its performance. According to Shivani Nyati, Head of Wealth at Swastika Investmart, the company's strong fundamentals and backing by the reputable Bajaj Group have fueled investor optimism.Nyati pointed out that Bajaj Housing Finance has shown consistent growth in both revenue and

profits, further strengthening its financial standing."The Bajaj brand's reputation provides credibility, and with reasonable valuations, the IPO is poised for a strong listing. The combination of robust financials, brand trust, and immense investor interest makes it likely that Bajaj Housing Finance will see a successful market debut," said Nyati.Meanwhile, Prashanth Tapse, Senior VP (Research) at Mehta Equities Ltd, echoed similar sentiments, noting that the IPO offers investors a unique opportunity to invest in one of India's leading housing finance companies.He highlighted the company's strong position in the housing finance sector, with assets under management (AUM) of Rs 97,071 crore, and its ability to capitalise on growing industry demand."Given its historical AUM growth rate of 30.9% between FY22 and FY24, Bajaj Housing Finance is well-positioned for a robust listing.

The stock may double investors' wealth on listing day, and potentially even exceed expectations," said Tapse.Tapse also advised conservative investors to consider profit-booking if the listing gains surpass initial expectations, while long-term investors should hold onto the stock to benefit from future growth in the housing finance sector.He noted, "At Rs 70 per share, the IPO is well-priced compared to its peers in the industry. Bajaj Housing Finance's strong credit evaluation framework, focus on low-risk, high-growth mortgage-centric markets, and backing by the Bajaj brand make it a solid long-term investment."

## IREDA chairman expects to open IFSC unit in 2-3 months, to raise Rs 24,000 crore debt capital this fiscal

**MUMBAI.** The Indian Renewable Energy Development Agency (IREDA) will be opening its IFSC unit shortly that will help the green-energy-focused public sector financier mop up funds at much cheaper rates and thus lower its loan prices, a top official has said.

The IREDA had a runaway success in the capital market when it got listed last November and the shares have rallied more than sevenfold.

"We hope to get permission to open a unit in Gift City at the International Financial Services Centre (IFSC) in Gandhinagar in the next two to three months. Once the permission is in we aim to complete the process very shortly," Pradip Kumar Das, chairman and managing director, told TNIE."Once we open the unit, we will tap all sorts of bonds, primarily green and social bonds from there. Given our latest S&P ratings, we are confident we can raise funds at a much lower rate now,"Das also said, the discussions with the government on stake dilution are at an advanced stage, wherein it wants the government to pare up to 10 per cent. This will give at least Rs 4,500 crore of equity capital to the company, he added. Last month the board approved an equity raising plan worth Rs 4,500 crore."The process is in advanced stages, so maybe within a couple of weeks we will get the final news on that," Das said.On other fundraising plans, Das said, the company needs at least Rs 24,000 crore of funds this fiscal to fund the loan sanctions.

IREDA also expects to be included in the list of companies that can raise funds through bonds covered under 54EC of the Income Tax Act, Das said. According to the Income Tax Act, investors making capital gains on the sale of immovable property can invest in 54EC bonds to save on long-term capital gains tax.These are special bonds issued by infrastructure companies like REC, Power Finance Corp, the National Highways Authority, and Indian Railway Finance Corp.He, however, said the quantum of funds to be raised from this instrument is yet to be decided. Though such bonds offer a lower rate of interest at 5.25 per cent, investors benefit from the tax exemption enjoyed by these instruments.

Investors can invest up to Rs 5 lakh in a financial year in these bonds, which have a lock-in period of five years.It can be noted that S&P Global Ratings had last month assigned 'BBB-' long-term credit rating to IREDA (on par with the sovereign rating; extant norms do not allow any government-owned entities to be rated higher than the sovereign), with a stable outlook. This rating will enable it to expand its reach in the international debt market, tapping into attractive sources of funding and supporting its borrowing plan.

# GQG Partners acquires 1.24% stake in Patanjali Foods for Rs 835 crore

**NEW DELHI.** GQG Partners on Friday increased its stake in Patanjali Foods by acquiring a 1.24% holding from promoter group entity Patanjali Ayurved Ltd for about Rs 835 crore through an open market transaction.

According to the bulk deal data available on the NSE, Billionaire Rajiv Jain-backed asset management firm GQG Partners purchased 45.03 lakh shares or 1.24% stake in edible oil major Patanjali Foods. The shares of the company were picked up at an average price of Rs 1,854 apiece. After the latest transaction, GQG Partners' shareholding in Patanjali Foods has increased to 4.43% from 3.19%.

Meanwhile, Patanjali Ayurved on Friday sold 97.92 lakh shares or 2.71% stake in the company for Rs 1,815 crore, the data showed on the NSE. The shares were offloaded at an average price of Rs 1,854.08 per piece, taking the deal value to Rs 1,815.67 crore. After the

share sale, the promoter and promoter group entities' of Patanjali Foods has come down to 70.1% from 72.81%.

Apart from GQG Partners, details of the other buyers of Patanjali Foods' shares could not be ascertained. Shares of Patanjali Foods fell 3.75% to close at Rs 1,858.90 apiece on the NSE. GQG Partners, a key investor in Adani Group, last month increased its stake in GMR Airports Infrastructure to 5.17% by snapping up additional shares worth over Rs 433 crore.Incorporated in 1986, Patanjali Foods, erstwhile Ruchi Soya Industries, is one of the leading FMCG players in India. The company is present in edible oils, Food & FMCG and wind power generation segments. It markets its products through brands like Patanjali, Ruchi Gold, Mahakosh, Nutrela, etc.Picked up at average price of Rs 1,854 apieceAsset manaement firm GQG Partners purchased 45.03 lakh shares or 1.24% stake in edible oil major Patanjali Foods. The shares of the company were picked up at an average price of Rs 1,854 apiece. GQG Partners' shareholding in Patanjali Foods has increased to 4.43% from 3.19%.

# Govt To Start Satellite-based Toll Collection Soon, Here's How It Will Work

**NEW DELHI.** The Government of India has approved the satellite-based toll system. After the new toll system is fully implemented, you will not need to stop at the toll plaza and pay the toll; rather, the toll will be paid automatically when you come in the range of the satellite. Preparations are underway to introduce some vehicles with on-board units (OBU) next week for testing the new toll system. The on-board unit (OBD) unit will work like a tracker device that will send your vehicle's signal to the satellite. After the implementation of the new toll system, the existing RFID-based FASTag system will be completely abolished. The main feature of the new toll system is that the help of a satellite or a group of satellites will be taken to monitor the movement of vehicles. The toll or user fee will be fixed based on the exact distance of the journey. The Ministry of Road Transport and Highways amended the NH fee rules earlier this week to allow toll collection using a satellite-based toll collection system.According to the information, Indian satellite NavIC will be used to implement the new toll system. Currently, some vehicles will be run with

on-board units for testing the new toll system, but let us know how long you will have to install it in your vehicle.

Tracking devices will be pre-installed in vehicles:For the satellite-based toll system to work, it will be mandatory to install on-board units in vehicles. In the coming few years, new vehicles will start coming with pre-fitted on-board units. On-board units can be installed from outside in existing vehicles. On-board units will be issued like FASTag, and its work will be handed over to the issuing authority.On-board units will be installed in trucks first:The on-board units for the satellite-based toll collection system will first be installed in trucks, buses, and vehicles carrying dangerous goods. Other types of commercial vehicles will be included in the next phase. Private vehicles will be included in the new toll system under the final phase in 2026–27.Toll collection with the new system will start in 2025:The satellite-based toll system will be implemented on 2,000 km of national highways by June 2025. It is targeted to increase it to 10,000 km in nine months, 25,000 km in 15 months, and 50,000 km in two years. For this, the highway-owning agencies of the central government have completed geo-fencing of almost the entire length of national highways. Geo-fencing is important to mark accurate entry and exit points for the purpose of toll calculation. The total length of national highways in India is about 1.4 lakh km, out of which tolls are collected on about 45,000 km.

## RBI Imposes Penalty On BNP Paribas, Muthoot Vehicle & Asset Finance and 2 Others

**NEW DELHI.** The Reserve Bank of India on Friday said it has imposed a penalty of Rs 31.8 lakh on BNP Paribas (the bank) for certain deficiencies in statutory and regulatory compliance.The central bank has also imposed penalties on Hewlett Packard Financial Services (India), SMFG India Credit Company, and Muthoot Vehicle & Asset Finance for non-compliance with certain norms.In a statement, the RBI said the penalty has been imposed on the bank for non-compliance with certain directions issued by it on 'Interest Rate on Advances'.Giving details, it said the statutory inspection for Supervisory Evaluation of the bank was conducted by it with reference to its financial position as of March 31, 2023.Based on supervisory findings of non-compliance with RBI directions and related correspondence in that regard, a notice was issued to BNP Paribas, advising it to show cause as to why penalty

# How Pacific Cyclone Yagi might bring another wet spell in Delhi next week

**The remnants of Cyclone Yagi, originating in the Pacific, are expected to intensify into a depression within 48 hours, prompting alerts for East India, particularly Bengal, Jharkhand, and Odisha. Meanwhile, Delhi is set for drier weather with a potential wet spell.**

- **Cyclone Yagi remnants may intensify next week**
- **Meteorological alert for East India particularly Bengal, Jharkhand, northern Odisha**
- **Delhi weather to stabilise soon**

**New Delhi.** The recent weather activity over North India has seen significant shifts. The depression that was previously active in the region has now dissipated, bringing a temporary respite from the wet conditions. However, the remnants of Cyclone Yagi are indicating resurgence, potentially intensifying into a new depression within the next 48 hours.This development prompts a meteorological alert for East India, particularly Bengal, Jharkhand, and northern Odisha, as significant convection and rainfall are expected to escalate.

**How Cyclone Yagi, a Pacific cyclone, reached India**

Originating in the northwest Pacific Ocean, Yagi, also known as Typhoon Yagi, transitioned into a cyclone with increasing force as it entered the Bay of Bengal. The Bay of Bengal's warm waters are a perfect breeding ground for cyclones, providing the necessary energy to intensify such systems.Cyclone Yagi followed a well-observed course, starting as a low-pressure area over the western Pacific, gradually gaining strength and structure before being classified as a tropical storm. As it traversed over the Philippines Sea, it picked up momentum and headed towards the Bay of Bengal, where it drew further strength from the warm sea surface temperatures.What will be situation of rain in DelhiAfter rains for the last few days in Delhi and nearby areas, the weather over

Delhi and North India is set to stabilise, with dry air intruding at middle atmospheric levels, making the region largely unsaturated. While isolated rainfall may occur today, the weather is expected to turn dry and clear starting tomorrow, continuing through to September 16-17.Model forecasts present three possible scenarios for the incoming depression, which is remnant of Yagi, as it progresses westward:1. Dissipate over Madhya Pradesh: The depression could lose strength and dissipate upon reaching MP.

2. Recurvature towards Delhi: There's a possibility the system might turn towards Delhi, potentially bringing another wet spell from September 17-20.3. Move towards South Rajasthan: Alternatively, the depression might track southward towards Rajasthan, continuing its westward journey.The uncertain pathway is largely due to the intrusion of dry air, which could weaken the system's intensity.

**Which parts will be affected by Cyclone Yagi**

Cyclone Yagi's remnants exhibit strong organisation and substantial convection, leading experts to predict the possibility of this system intensifying into a depression or even a deep depression. Accordingly, a 72-hour alert has been issued for the West Bengal, Jharkhand, North Odisha, and parts of Bihar, in anticipation of heavy rainfall and associated risks.On a related note, Asia's most powerful typhoon this year, Yagi brought gales and heavy rain in Vietnam, killing 152 people. Thousands of people living near the swollen Red River were evacuated River as its waters flooded streets. The typhoon and subsequent landslides and floods have killed 152 people while 140 were missing, the government estimated.

## Is Lesbianism a Sexual Offense? NMC's New Medical Curriculum Sparks Outrage

**New Delhi.** The National Medical Commission has reintroduced 'sodomy and lesbianism' as unnatural sexual offences in the forensic medicine and toxicology curriculum for undergraduate medical students.It has also brought back topics such as the hymen and its type, and its medico-legal importance besides defining virginity and defloration, legitimacy and its medico-legal importance.

The revised curriculum under forensic medicine and toxicology also includes "Describe legal competencies including Bharatiya Nagarika Suraksha Sanhita (BNSS), Bharatiya Nyay Sanhita (BNS), Bharatiya Sakshya Adhiniyam (BSA)" besides "Protection of Children from Sexual Offences Act (POCSO), Civil and Criminal Cases, Inquest (Police Inquest and Magistrate's Inquest), cognisable and Non-cognisable offences".It talks about discussing sexual perversions, fetishism, transvestism, voyeurism, sadism, necrophagia, masochism, exhibitionism, frotteurism, and necrophilia. However, distinctions between consensual sex between queer individuals have been removed, a source said.

The amended curriculum has done away with the seven-hour training on disability. At the end of teaching-learning in forensic medicine and toxicology, the student should be able to understand the medico-legal framework of medical practice, codes of conduct, medical ethics, professional misconduct and medical negligence, conducting medico-legal examination and documentation of various medico-legal cases and understand latest Acts and laws related to medical professional including related court judgements, the NMC said in its document."It was time to have a relook at all aspects of the various components in the existing regulations and guidelines, and adapt them to the changing demography, socio-economic context, perceptions, values, advancements in medical education and expectations.

## India successfully conducts first phase field trials of light tank in key step

**New Delhi:**Indian officials announced on Friday the successful completion of the first phase of field firing trials for an Indian Light Tank, a versatile platform capable of deployment in high-altitude areas.

Developed by the Defence Research and Development Organisation (DRDO) in collaboration with industry partner Larsen & Toubro, the tank demonstrated "exceptional" performance, efficiently meeting all intended objectives, according to the Defence Ministry."After producing the first prototype, it underwent preliminary automotive trials in-house. The field trials have successfully met the intended objectives in desert terrain. During the first phase of

field trials, the firing performance of the Light Tank was evaluated, and the tank demonstrated the required accuracy on the intended targets," the Army said in a statement.

The development of this Indian Light Tank strengthens indigenous defence manufacturing capabilities within the country, officials also noted.Defence Minister Rajnath Singh complimented the DRDO, the Indian Army, and the associated industries for the successful trials of the Indian Light Tank, calling it an "important step towards achieving self-reliance in critical defence systems and technologies".The Indian Army plans to deploy over 350 light tanks, primarily in mountainous border areas, to counter the increased military presence of China along the border.

## Stones Thrown At Vande Bharat, Windows Broken Days Before Flagging Off

**New Delhi:** Five people have been arrested for allegedly throwing stones at the Vande Bharat Express train during its trial run in Chhattisgarh, officials said today. The train, scheduled to run from Chhattisgarh's Durg to Andhra Pradesh's Visakhapatnam, was set to be flagged off by Prime Minister Narendra Modi on Monday.The stones were pelted on the Vande Bharat train at the Bagbahara railway station while it was returning from Visakhapatnam Friday morning, officials said.No injuries were reported but the multi-layered windows of three coaches of the train were damaged.

The accused, identified as Shiv Kumar Baghel, Devendra Kumar, Jeetu Pandey, Sonwani, and Arjun Yadav, broke the windows of three coaches of the train, C2-10, C4-1, C9-78, officials said.A case has been filed against the accused -- residents of Bagbahara -- under the Railways Act, 1989.Besides Durg to Visakhapatnam Vande Bharat train, PM Modi is scheduled to flag off India's first Vande Metro from Gujarat's Bhuj to Ahmedabad and the first 20-coach Vande Bharat train from Varanasi to Delhi on Monday.

He will also launch Vande Bharat trains on the following routes - Tatanagar to Patna, Nagpur to Secunderabad, Kolhapur to Pune, Agra Cantt to Banaras, and Pune to Hubballi.

## Gang Rivalry, Torture, Web Of Conspiracy: Why Delhi Gym Owner Was Killed

**New Delhi:** The gym owner who was shot dead in South Delhi's upscale Greater Kailash area on Thursday night had come in the crosshairs of the Lawrence Bishnoi gang because he had asked his business partner not to pay ? 5 crore that the outfit had tried to extort from him, sources have told NDTV. Nadir Shah, who is of Afghan origin, was allegedly also friends with two South Delhi gangsters. This friendship was used by the Bishnoi gang to tap the enemies of the gangsters, who, in turn, roped in people who had been threatened by Shah earlier, building a complex web before finally carrying out the murder.

Shah was shot dead on a busy road in Greater Kailash-1. A video of the shooting showed him standing and talking to one of his associates near some parked cars when a man in a checked shirt walked up to them and

began firing. Shah's associate managed to duck but the gym owner was shot six to eight times and was declared dead at a hospital.

While the shooter is on the run, four people have been arrested so far and their interrogation and the police's investigation have revealed that Shah was a business partner of a man called Kunal Chhabra, who runs several illegal call centres in Delhi. Some time ago, members of Lawrence Bishnoi's gang had tried to extort ? 5 crore from Chhabra, but Shah had told him not to pay, saying he would protect him because he had friends in high places.

Sources said this made Shah a target for the Bishnoi gang and he also spoke to Lawrence Bishnoi to negotiate a settlement, but was turned down. Around this time, Bishnoi was taken into police custody and allegedly tortured and he held Shah responsible for that. He allegedly declared in front of police officials that he would now take not five but ? 10 crore from Shah and Chhabra.

**Spinning The Web**

Shah was friends with South Delhi gangsters Ravi Gangwal and Rohit Chaudhary, who were enemies of Hashim Baba, a North East Delhi gangster. Sources said Rohit Godara, a key member of the Bishnoi gang - who has claimed responsibility for Shah's murder - used this enmity.

## To regain Dalit support, Maharashtra BJP to target Congress on reservation

**Mumbai.** The BJP suffered a massive setback in the Lok Sabha elections in Maharashtra, where they were accused of being 'anti-constitutional' and planning to change the Constitution. BJP leaders acknowledged that this was one of the key reasons for the backlash among Dalits and the backward classes. With just months left for the Assembly elections, the BJP is planning to counter this narrative by accusing Congress of pushing an "anti-reservation" agenda abroad, following Rahul Gandhi's remarks on reservations in the US.

Leader of the Opposition in the Lok Sabha, Rahul Gandhi, during his visit to the US, told students at Georgetown University that the Congress would consider scrapping reservations when "India is a fair place," which he said it is not right now. These comments were met with massive criticism from the BJP.In Maharashtra, his statements led to statewide protests by the BJP, with party leaders condemning his remarks. BJP's Mumbai president Ashish Shelar and MLC Pankaja Munde staged a protest at Dr Ambedkar's statue in Ghatkopar, considered a stronghold of Dalit voters in Mumbai.

Ashish Shelar accused Congress of having defeated Dr Ambedkar in an election and opposing an Adivasi candidate for the Presidential post. "This shows Congress's anti-minority mindset," Shelar further charged.Additionally, Chief Minister Eknath Shinde held a program at the same location to distribute rent cheques for alternative accommodations to eligible tenants and to kick off the long-pending slum redevelopment project in Ramabai Nagar.Meanwhile, the scars of the 1997 police firing, in which ten locals were killed following a protest by Dalit activists reacting to the desecration of a statue of Dr Ambedkar in Ramabai Nagar during the then Shiv Sena-BJP alliance government, are still fresh. As a result, the Dalit community drifted away from the alliance and voted Congress-NCP back to power in the 1999 Assembly elections.Considering the complexities of the caste equation in the current political sphere, the BJP is facing challenges in retaining the support of Dalits and minorities

According to political expert Abhijit Brahmanathkar, opposition parties in the Lok Sabha elections subtly painted the BJP as 'anti-constitutional,' leading to significant losses for the BJP in SC and ST constituencies nationwide."Now, the BJP sees a new opportunity in Rahul Gandhi's recent remarks on reservations, which have sparked allegations of Congress's 'anti-reservation' stance.

# Bank employees die after SUV gets stuck in submerged Faridabad underpass

- **A police official stated that the victims were warned about the underpass being submerged due to heavy rain in Delhi-NCR. However, the two insisted on driving through it.**

**Delhi.** Two people, a bank manager and a cashier died after their SUV got stuck in a submerged underpass in Old Faridabad around 11.30 on Friday night.The underpass got submerged due to heavy rain in several parts of Delhi-NCR. The victims worked in a Gurugram branch of HDFC Bank and were heading to Faridabad when the incident took place.

According to one of their colleagues, the cashier was going to drop the bank manager at Greater Faridabad's Omaxe City, where the latter resided on Friday evening. The colleague claimed that no barricades were present near the underpass, due to which the victims tried driving through it. However, their car got stuck due to the extent of rainwater, leading to their deaths.He said that the bank manager's wife contacted him for help after she found her husband's phone switched off. Upon reaching the underpass, police informed them about the tragic death of two people. He added that the incident could've been avoided had the police placed barricades, informing citizens about the submersion of the underpass.

However, a police official denied the colleague's claims that there was no barricading at the spot. He instead stated that the police had warned them about taking the underpass, but the two insisted on going through it and removed the barricades."There was police barricading and caution boards near the railway underpass. However, the two removed the barricades and insisted on going through the underpass. Water entered their vehicle after it got stuck and locked in the underpass, leading to their deaths. We'll get to know if the two were intoxicated only after the postmortem," said sub-inspector Rajesh.He appealed to the public to pay heed to police warnings and instructions.

The official also urged everyone to remain cautious and adhere to police warnings and traffic regulations.

Notably, several parts of Delhi-NCR received heavy rainfall on Friday, following which an orange alert was issued by the India Meteorological Department (IMD). The national capital, parts of Haryana, Uttar Pradesh and Uttarakhand are likely to witness heavy rain over the weekend.

News box

## US Court in Pennsylvania rules against accepting misdated mail-in votes

**World** The Pennsylvania Supreme Court on Friday reversed a lower court's ruling from almost two weeks ago that had said the two most populous counties of the battleground state will not be able to throw out mail-in votes over incorrect envelope dates.

KEY QUOTES

The Pennsylvania Supreme Court's Friday ruling said the Commonwealth Court of Pennsylvania "lacked subject matter jurisdiction to review the matter," according to a court filing.

The Republican Party welcomed the ruling. Voting rights advocates including the American Civil Liberties Union said they will look at pursuing additional legal options and said the ruling was a "setback for Pennsylvania voters."

WHY IT'S IMPORTANT

Pennsylvania is a key battleground state in a tight presidential race for the Nov. 5 U.S. elections in which Democratic Vice President Kamala Harris faces Republican former President Donald Trump.

Battleground states are those where elections were won by a narrow margin of 3 percentage points or less in the last contest. Pennsylvania is one of seven such states.

The ruling will mean that state election officials will not be counting misdated ballots in the election unless courts intervene again before the elections.

CONTEXT

The late August ruling in the Commonwealth Court of Pennsylvania applied to the Philadelphia and Allegheny Counties. It had said that refusal to count undated or incorrectly dated, and timely mail ballots submitted by eligible voters violated the right to vote.

## Netherlands announces toughest asylum policy ever to curb illegal migration

**Amsterdam** The Dutch government said on Friday it aimed to implement measures to limit migration in the coming months, including a moratorium on all new applications, days after Germany announced new border controls to keep out unwanted migrants.The new government, led by nationalist Geert Wilders' anti-Islam PVV party, said it would declare a national asylum crisis, enabling it to take measures to curb migration without parliamentary consent.Opposition parties have questioned whether the move is necessary or even legal, but the PVV's migration minister Marjolein Faber said she was acting on opportunities granted by the country's own migration laws.We are taking measures to make the Netherlands as unattractive as possible for asylum seekers," Faber said in a statement.

The Netherlands received two first-time asylum applications per 1,000 inhabitants in 2023, equal to the EU average, Eurostat data shows. Ten European countries had a higher relative number of asylum seekers last year.

But after years of budget cuts, the country's only registration center for asylum seekers has been struggling to deal with the flow of migrants, forcing hundreds of refugees at times to sleep in the rough.Despite the relatively moderate numbers, Prime Minister Dick Schoof said curbing the flow of migrants was necessary to deal with problems on the housing market and to improve access to healthcare and education.

"I don't want to label it the only problem, but the fact is, it isn't helping," Schoof said.

## 3 US citizens among 37 sentenced to death in Congo over role in failed coup

**Kinshasa** Three US citizens are among 37 defendants sentenced to death by a military court on Friday for their role in a May failed coup in Democratic Republic of Congo.

Armed men briefly occupied an office of the presidency in the capital Kinshasa on May 19 before their leader, US-based Congolese politician Christian Malanga, was killed by security forces.His son, Marcel Malanga, was among the Americans on trial, along with Marcel's friend, Tyler Thompson, who played high school football with him in Utah. Both are in their 20s.The third American, Benjamin Zalman-Polun, was a business associate of Christian Malanga.

All three were found guilty of criminal conspiracy, terrorism and other charges, and sentenced to death in a ruling read on live TV.

Malanga had previously told the court that his father had threatened to kill him unless he participated. He also told the court it was his first time visiting Congo at the invitation of his father, whom he had not seen in years.

The Americans are among some 50 people, including US, British, Canadian, Belgian and Congolese citizens, standing trial following the failed coup.A total of 37 defendants were sentenced to death.

The verdict was read out under a tent in the yard of Ndolo military prison on the outskirts of Kinshasa. The defendants were seated in front of the judge, wearing blue and yellow prison-issued tops.In Washington, State Department spokesperson Matthew Miller said embassy staff had attended the proceedings and would continue to follow developments closely.

# Bomb threat sounded in Ohio's Springfield amid anti-migrant tensions

**World** Government buildings and an elementary school in Springfield, Ohio were evacuated Thursday after an emailed bomb threat, police said, rattling the small US city at the heart of an anti-migrant conspiracy theory amplified by Donald Trump.

Springfield has been thrust into the spotlight in recent days after an unfounded story of Haitian migrants eating pets went viral on social media, with the Republican ex-president and current White House candidate pushing the narrative despite it being debunked.Democrats have accused Trump and his running mate, Ohio Senator JD Vance, of fanning racial tensions as they use the Springfield conspiracy theory to elevate immigration as a campaign issue ahead of November's election.Trump doubled down on the rhetoric during a campaign rally in Tucson, Arizona on Thursday, saying that "migrants are walking off with the town's geese."Immediately after mentioning Springfield in his speech, Trump added: "I'm angry about young American girls being raped and sodomised and murdered by savage criminal aliens," though provided no specific details.

Springfield authorities said there were no credible reports of pets being harmed by members of the immigrant community -- accusations that Trump also repeated in his Thursday debate against Democratic Vice President Kamala Harris.The White House condemned the claims on Thursday as "filth" and said they were endangering people's lives.On Thursday, Springfield police said that City Hall and several other government buildings had been evacuated after a bomb threat sent by email at 8:24 am (1224 GMT).

"Authorities investigated and cleared all facilities listed in the threat with the assistance of explosive detecting canines," the force said in a statement.Fulton Elementary School and Springfield Academy of Excellence were also listed in the threat and evacuated, according to the statement."We are currently partnering with the Dayton office of the Federal Bureau of Investigation to identify the source of the email," it added.

**TENSIONS IN COMMUNITY**

Arriving at the school to retrieve his child, Haitian immigrant Mackenso Roseme told

AFP that the current tensions in the community were "worrying.""I'm a little stressed. I think something might happen," he said.A sign in English, Spanish and Haitian Creole informed Roseme and other parents that the students had been moved to a high school.Mayor Rob Rue told the Springfield News-Sun that the person who sent the bomb threat claimed to be from the city and mentioned Haitian immigration issues.Despite the bomb threats, Trump was still reposting memes related to the conspiracy theory hours later on his Truth Social platform.He claimed Ohio was being "inundated with illegal migrants, mostly from Haiti, who are taking over Towns and Villages at a level and rate never seen before."Springfield, with a population of about 58,000, has seen an increase in Haitian immigrants in recent years -- 10,000 to 15,000 according to the Springfield News-Sun.Social services, schools and housing have been stressed in the city for years, with some pointing to migration as a factor.Ohio Governor Mike DeWine -- a Republican like Trump -- gave some context to the situation in Springfield during an interview Thursday.DeWine said 15,000 immigrants from Haiti live in Springfield, "a dramatic change" for the city, and added they were there under Temporary Protected Status (TPS), which allows foreign nationals to live and work in the United States."Why did they come? They came for jobs," DeWine told Fox News reporters.

# Iran sends satellite into space, 1st under President Masoud Pezezhkian: Report

**Tehran.** Iran on Saturday sent a research satellite into orbit with a rocket built by the paramilitary Revolutionary Guard, the state-run IRNA news agency reported.

The report said the Chamran-1 satellite has a weight of 60 kilograms and successfully reached a 550-kilometer (341 miles) orbit in space. It said testing space hardware and software is the main mission of the satellite.IRNA said land stations received signals from the satellite, too.It said the satellite-carrier rocket Qaem-100, using solid fuel, was designed and made by the Guard aerospace division. Iran says it has 13 more satellite launches in a row.

Though Iran has long planned to send satellites into orbit, this is the first launch under reformist President Masoud Pezezhkian after his hardline predecessor Ebrahim Raisi died in a May helicopter crash.In January, Iran said it successfully launched three satellites into space with a rocket.The program is seen by the West as part of the improvement of Tehran's ballistic missiles. The launch also comes as heightened tensions grip the wider Middle East over Israel's continued war on Hamas in the Gaza Strip, sparking fears of a regional conflict.

The United States has previously said Iran's satellite launches defy a UN Security Council resolution and called on Tehran to undertake no activity involving ballistic missiles capable of delivering nuclear weapons. UN sanctions related to Iran's ballistic missile program expired last October.

# One against migrants, other kills children: Pope Francis on Trump, Kamala Harris

Former US President Donald Trump has promised to introduce strong anti-immigration policies if elected to power, while Kamala Harris has supported abortion rights.

**UPDATED** Pope Francis on Friday said that he considered both candidates for the US presidency "against life", citing Donald Trump's anti-immigrant policies and Kamala Harris's support for abortion rights."Both are against life. The one who discards migrants and the one who kills children. Both are against life," Francis told reporters aboard his plane returning to Rome after

a 12-day tour of Asia."I am not an American and I will not be voting there. But let it be clear: both sending migrants away and not giving migrants the ability to work or welcoming them is a sin, it is serious," he said.Former president Trump has promised to round up illegal immigrants and deport them as he seeks to return to the White House in the looming November election.

He also paved the way for a 2022 US Supreme Court overturning of Roe v Wade, the 1973 ruling that made abortion a national right for women -- a right that Harris has pledged to restore.

"One has to choose the lesser of two evils. Who is the lesser evil? That lady or that gentleman? I don't know. Everyone have to think and make this decision according to their conscience," Francis said.

## Donald Trump vows to deport Haitians in Ohio if elected as President

**World** Republican presidential candidate Donald Trump pledged on Friday to conduct mass deportations of Haitian immigrants from the Ohio city of Springfield, even though the majority of them are in the United States legally.The city for days has found itself at the centre of a social media maelstrom after right-wing agitators latched onto false claims that Haitian arrivals were eating household pets."We will do large deportations in Springfield, Ohio," Trump said at a press conference at his golf resort near Los Angeles.The majority of the 15,000 Haitians in Springfield are there legally. Trump's long-standing pledge to conduct mass deportations usually refers to those in the country illegally.Trump did not repeat the assertion he made during Tuesday's presidential debate with Democrat Kamala Harris that immigrants were eating dogs and cats, remarks that have been widely mocked.wo elementary schools were evacuated and one middle school in Springfield was closed on Friday after anonymous bomb threats were made against the community for the second day in a row, according to ABC News.At the White House, President Joe Biden urged the attacks on the Haitian community to cease."It's simply wrong. There's no place in America. This has to stop - what he's doing. It has to stop," Biden said.The Biden administration extended Temporary Protected Status to hundreds of thousands of Haitians in the United States in June, a decades-old program that protects legal immigrants from deportation and gives them work permits. Gang wars in Haiti have displaced over half a million people and nearly five million are facing severe food insecurity.Trump has cited the tensions in Springfield as another example of the need for hardline immigration policies. The influx of Haitians has boosted the economy but also has strained social services."I'm angry about illegal Haitian migrants taking over Springfield, Ohio. You see that mess, don't you?" Trump said at a rally in Las Vegas, later on Friday.

# Austrian court finds woman guilty of fatally infecting neighbour with Covid-19

A judge sentenced the 54-year-old on Thursday to four months' suspended imprisonment and an 800-euro fine ($886.75) for grossly negligent homicide.

**Vienna.** A woman in Austria was found guilty of fatally infecting her neighbour with Covid-19 in 2021, her second pandemic-related conviction in a year, according to local media.A judge setenced the 54-year-old on Thursday to four months' suspended imprisonment and an 800-euro fine ($886.75) for grossly negligent homicide.The victim, who was also a cancer patient, died of pneumonia that was caused by the coronavirus, according to Austrian news agency APA.A virological report showed that the virus DNA matched both the deceased and the 54-year-old woman, proving that the defendant "almost 100 percent" transmitted it, an expert told the court.

"I feel sorry for you personally -- I think that something like this has probably happened hundreds of times," the judge said Thursday.

"But you are unlucky that an expert has determined with almost absolute certainty that it was an infection that came from you."

While the judge issued the sentence Thursday, APA reported that the verdict isn't yet final. The names of the victim and defendant were not released in line with Austrian privacy rules.The woman was convicted of a Covid-related offence last summer, APA reported.

The agency said she was sentenced to three months' suspended imprisonment for intentionally endangering people through communicable diseases. But she was acquitted on the grossly negligent homicide charge at that time.This week, the judge heard statements from the deceased's family, who said there had been contact in a stairwell between the neighbours on December 21, 2001 — when the defendant would already have known she had Covid-19. But she denied the meeting, saying she was too sick to get out of bed that day. She also said she believed she had bronchitis, which she typically gets every year.But the woman's doctor told police that the defendant had tested positive with a rapid test and told him that she "certainly won't let herself be locked up" after the result.

# 14 dead in Afghanistan in one of deadliest attacks this year by Islamic State

The Islamic State claimed responsibility for the shooting, which took place on Thursday and targeted a group of minority Hazaras travelling between the provinces of Ghor and Daikundi.

**Islamabad** Islamic State militants killed 14 people in a Shiite-majority area in central Afghanistan in one of the deadliest attacks in the country this year.The militant group claimed responsibility for the shooting, which took place on Thursday and targeted a group of minority Hazaras travelling between the provinces of Ghor and Daikundi. Six other people were wounded in the attack.

The Islamic State group claimed responsibility for the shootings before the Taliban authorities in Kabul acknowledged the attack. The IS said its fighters used a machine gun in the assault, and claimed inflicting a higher death toll than the Taliban later reported.The Iranian news agency IRNA quoted Foreign Ministry spokesman Nasser Kanaani as saying the gunmen targeted people welcoming Afghan Shiites who were returning home from visiting shrines in Iraq. He called for immediate action to punish those behind the crime.The Islamic State groups affiliate in Afghanistan is a major rival to the Taliban and has challenged their authority by attacking schools, hospitals, mosques and Shiite areas over the past three years.

In the village of Bandar in Daikundi province on Friday, mourners circled around two rows of bodies of the victims laid out and covered in multi-coloured fabrics.A relative of one of the victims, Reza Ali, said the government was responsible for security and that the situation should have been avoided.We are worried about our wives and children being attacked in the city or at school, like it happened on the highway," he said.The Taliban's chief spokesman Zabihullah

Mujahid strongly condemned the attack, describing it as a "barbaric action" and said authorities would protect people and their property."We are also making serious efforts to search for the perpetrators and bring them to justice," Mujahid added.The UN mission in Afghanistan expressed its "condolences to the families of those killed" in a post on the social media platform X and called for an "investigation to hold those responsible to account."Earlier this month, an IS suicide bomber detonated his explosive-laden vest at a prosecutor's office in the capital of Kabul. In May, a booby-trapped motorcycle exploded in northeastern Badakhshan province and killed at least three police officers who were part of a poppy eradication campaign.

A UN-appointed rights expert for Afghanistan, Richard Bennett, said he was alarmed by the spate of attacks claimed by the IS.The "appalling killings" of the Shiite Hazaras bore the hallmarks of international crimes, said Bennett, whom the Taliban have barred from Afghanistan.Hazaras make up around 9% of Afghanistan's population of about 40 million people and are mostly Shiite Muslims, despised by Sunni Muslim radicals like the Islamic State group.

NEWS BOX

## Jonty Rhodes gives hilarious rant on not being picked as India fielding coach

**New Delhi.** Former South Africa cricketer Jonty Rhodes has given a hilarious rant on not being picked as India's fielding coach by the BCCI (Board of Control for Cricket in India). Notably, after Gautam Gambhir was appointed as India's head coach there were widespread reports of Rhodes also becoming a member of the coaching staff as a fielding coach.

Given that Gambhir had worked closely with Rhodes during his stint with LSG, it seemed almost certain that the legendary fielder will join the coaching staff. However, the BCCI didn't go ahead with his appointment as they reportedly didn't want a foreign coach. Recently, he opened up on his rejection and hilariously proved his connection with India introducing himself in hindi.

"Yeah! Can you believe it? I mean, they didn't want an international coach, and I'm so local. I mean, mera naam Jonty Rhodes! (I'm Jonty Rhodes) Come on. I'm based in Goa. Maybe

because I'm based in Goa. Maybe I need to be in a metro (city)," the South African said during a podcast on Aleena Dissects YouTube channel.Further speaking ahead, Rhodes praised India's last two fielding coaches R Sridhar and T Dilip. He also mentioned how former India captain MS Dhoni and Virat Kohli brought a fitness revolution in the Indian team."I've taken my hats off to the last two Indian fielding coaches. And it comes from captaincy. Under Dhoniâ€æ he had a lot of senior guys, and he just showed his physical ability, he still does at the end of his IPL career. Running between the wickets.... amazing, and he's 40. It's incredible. He certainly showed, just through his example, teh importance of fitness and strength," said Rhodes.

**Rhodes praises Virat Kohli's special focus on team fitness**

Rhodes mentioned how Kohli put special importance on fitness to earn selection in the national side during his tenure as the skipper.

"Then Virat Kohli took over, and it was a part of the selection criteria. If you don't pass the fitness standards, it doesn't matter how good you are. Everybody was treated equally, and it took India to becoming a good fielding team," he added.After BCCI rejected Rhodes, they extended the contract of T Dilip under whom Indian fielding has excelled remarkably.

## Paris Olympics 2024: Mondo Duplantis imitates Yusuf Dikec, shooter reacts

**New Delhi.**Suryakumar Yadav's wife, Devisha Shetty, wished him a happy birthday by sharing special pictures on Instagram. The romance and loving bond between the couple is well-known, as both Suryakumar and Devisha often express their love for each other. Devisha penned a heartfelt caption for her husband as he turned 34 on September 14, 2024. Suryakumar has always credited Devisha for her support and love in his success so far. Wishes have been pouring in from the cricket world and fans, as they recall his T20 World Cup-winning catch at long-off on his special day.

"Happy happy birthday to my best friend, husband, lover, my world and the best decision of my life! Thankful for you every single day. You make this world a better place and I don't know what I'd do without you. love you now and forever," Devisha captioned the post. She shared some heart-warming moments shared between the two of them.

**Special birthday post for Suryakumar Yadav**

When will Suryakumar return to T20I action?

Suryakumar Yadav is currently on break from national duties for India's upcoming home Test season. The 34-year-old expressed his desire to make a return to the Indian Test cricket team and wanted to make a mark with his domestic cricket performances. However, he was ruled out of the round one and two of the Duleep Trophy 2024 as he suffered a sprain to his right thumb while fielding in the Buchi Babu tournament.With India playing 5 Tests at home against Bangladesh and 5 away Tests against Australia on their soil, Suryakumar might not be seen in a lot of international action for the remainder of the year. However, he would be leading Team India in the 3-match T20I series against Bangladesh, starting October 6. Then he would lead the T20I side for a tour to South Africa, where they would play a four-match series.

# Naomi Osaka parts ways with coach Wim Fissette after early US Open exit

Naomi Osaka split her ways with coach Wim Fissette after her round two exit at the US Open 2024 last month. She wrote a heartfelt message on her Instagram story to announce the decision.

**New Delhi.** Former World No. 1 Naomi Osaka chose to part ways with her coach Wim Fissette and the decision came after her early exit in the US Open 2024. Naomi took to Instagram to announce the decision as she shared a picture with her coach on her story. She captioned the post, "4 years, 2 Slams and a whole lot of memories. Thanks Wim for being a great coach and an even greater person, wishing you all the best." She expressed her gratitude towards her coach, under whom she won two Grand Slams.

The Japanese star began her stint with the Belgian coach in 2020 and had two stints with him. The 26-year-old won two of her four Grand Slams with Fissette by her side, which included the US Open in 2020 and the Australian Open title in 2021. Osaka admitted being frustrated with the recent results after her early exit from the recently concluded US Open 2024.

**Naomi Osaka's Instagram story**

"It's been a little difficult because obviously I can only gauge how I'm doing by results," she said after exiting the US Open last month."I feel faster. I feel better, but I lost in the second round. So it's a little rough.I feel like I'm working way harder than I've ever worked in my life, so it needs to turn into something."Fissette rejoined Osaka when she returned to tennis action this January after the birth of her daughter in July 2023.

**Osaka's frustrating return**

However, Osaka managed to reach the quarter-finals in only two of the 16 tournaments she has played following her 15 months away from tennis. The Japanese player has not gone past the second round of the last four Grand Slams. She further slipped to the 75th position in the WTA rankings ever since her return nine months ago after the maternity break.Naomi Osaka was heartbroken after she made an early exit from the US Open 2024. The 2-time champion crashed out after losing 3-6, 6-7 (5-7) to No. 19 seed Karolina Muchova at the Arthur Ashe Stadium in the second round.

# Lovlina Borgohain vows to come back 'stronger than ever' after Olympics failure

Duleep Trophy 2024: Pratham Singh notched up his second first-class hundred during Indi A vs India D match in Anantapur. This was his first-ever century in the Duleep Trophy tournament.

**New Delhi.** India A and Railways team's batter Pratham Singh notched up his maiden Duleep Trophy hundred against India D on September 14, Saturday. The match was being played at the Rural Development Trust Stadium in Anantapur. The 31-year-old brought up his 2nd first-class hundred in style as he smashed Vidwath Kaverappa for a six and two fours to reach the three-figure mark. He was announced as the replacement for Shubman Gill, who joined the Indian team for the 2-match Test series against Bangladesh.The southpaw lived up to expectations, as in the 49th over, Pratham was at 88 when he pulled Kaverappa's first delivery for a six over a deep square leg. After playing three dot deliveries, he punished a full toss delivery for a four. On the final ball of the over, he brought up his maiden Duleep Trophy hundred with a boundary and had a beaming smile on his face as he took off his helmet to celebrate.

Who is Pratham Singh?

Pratham rose to the occasion and made the opportunity count as he scored 122 runs from 189 balls. He was part of Kolkata Knight Riders in IPL 2022 and also represented Gujarat Lions in 2017 earlier but didn't get much chances. Before this contest, Pratham played 29 first class games and scored 1568 runs with 10 fifties and a hundred, averaging 35.63. His first hundred in the Ranji Trophy came this year when he scored an unbeaten 169 for the Railways and Tripura in February. His impressive Buchi Babu performances led to him getting selected in round two of the Duleep Trophy 2024.

**India A vs India D: As it happned**

He managed only seven runs on the opening day between India A and India D as the Mayank Agarwal-led side managed 290 runs on the back of Shams Mulani and Tanush Kotian's gritty knocks. However, India D managed just 183 in response, conceding a 107-run lead in the first innings.

Pratham played a breezy knock in the 3rd innings, notching up his fifty in 60 balls and shared a 115-run opening stand with Mayank, before the India A captain was dismissed on the very first ball of Shreyas Iyer. The 32-year-old built on his overnight score of 59 and shared a 104-run stand with Tilak Varma.

## Shreyas Iyer doesn't have the hunger for red-ball cricket anymore: Basit Ali

**New Delhi.** Former Pakistan cricketer Basit Ali feels that India batter Shreyas Iyer doesn't have the hunger to succeed in red-ball cricket anymore. Notably, the star batter was dismissed for a seven ball duck in the second round of the Duleep Trophy 2024 batting for India D.In a rare occasion on the cricket field, Iyer walked out to bat wearing sunglasses but failed to trouble the scorers and got dismissed by Khaleel Ahmed after chipping the ball straight to Aaqib Khan at mid on. Following his dismissal, Basit Ali questioned Iyer's concentration and mentioned that he should've used the opportunity to score 100-200 runs."As a cricketer, it saddens me to see him. If you are getting out in front, your concentration isn't in the game. And especially the red-ball game. He has scored two centuries in the World Cup, he's an IPL-

winning captain, he should've scored 100-200 runs here. Iyer is so lucky that Rahane and Pujara aren't playing in Duleep Trophy," said Basit on his YouTube channel.Further speaking ahead, the former batter said that he doesn't have the hunger for the longer format and even questioned his inclusion in the Duleep Trophy."Iyer doesn't have the hunger for red-ball cricket anymore. He's only hungry for boundaries. You should prioritise it. If he's thinking he is similar to Virat Kohli after hitting two centuries in World Cup, no, it doesn't happen that way. I'm sorry to Indians who like him, but if I was India's selector, Iyer wouldn't have been in the Duleep Trophy at all. He's not respecting the game," he added.

Iyer's downfall in Test cricketIyer finds himself out of the Indian Test team after a prolonged run of low scores. The Mumbai-born batter hasn't scored a half century in his last 13 innings in the longest format which eventually led to him being dropped from the team after the second Test against England earlier this year.The rise of Sarafaraz Khan and Shubman Gill securing his place at number three hasn't helped Iyer's cause either.

# Bengaluru FC deserves another title: Sunil Chhetri sets ISL plans straight

Sunil Chhetri, former Indian football captain, is determined to lead Bengaluru FC to another ISL title, marking his first season focused solely on club football after retiring from international duties earlier this year.

**New Delhi.** Former Indian football team captain Sunil Chhetri is determined to lead Bengaluru FC to another Indian Super League (ISL) title as the 2024 season kicks off. For Chhetri, 2024 marks a new chapter, as it will be his first season solely focused on club football after retiring from international duties earlier this year.The 39-year-old forward, renowned for his leadership and goal-scoring prowess, is not slowing down. Chhetri expressed in a recent interview with ESPN that both he and his team are determined to bounce back after a disappointing 2023 campaign. He emphasized that Bengaluru FC aims to right the wrongs of the previous season and target the top of the table.This club and its supporters deserve another title, and we are doing everything we can to make sure this season turns out to be special..."That we haven't won the ISL in five years is something that motivates me and all of us at the club," Chhetri said.I've always said that the moment I feel like I have nothing left to give, I will walk away and that's the motivation to keep going...I have the urge to keep contributing. I'm feeling fit and that's why my story with Bengaluru FC continues," Chhetri added

Although there has been speculation surrounding whether this season will be Chhetri's final one in club football, the veteran striker dismissed the rumors. He stated that he is far from ready to hang up his boots and will decide when to retire only when he feels the time is right.Chhetri's determination and drive remain as strong as ever, despite closing the curtains on an illustrious international career. With Bengaluru FC set to begin their ISL campaign on September 14 against East Bengal at the Sree Kanteerava Stadium, all eyes will be on Chhetri as he aims to lead his side to glory once again.

# Andriy Lunin continues with Real Madrid: Pens long-term contract extension

Andriy Lunin has signed a surprising contract extension with Real Madrid, committing to the club until 2030 after an outstanding season where he stepped up in Thibaut Courtois' absence and proved his value in goal.

**New Delhi.** Ukrainian goalkeeper Andriy Lunin has surprised many by signing a long-term contract extension with Real Madrid, committing his future to the club until June 30, 2030. The announcement was made by the club after Lunin inked the new deal alongside president Florentino Pérez.

Lunin, who arrived at Real Madrid in 2018 at just 19 years of age, has been part of the first-team set-up since 2020. During his time in the famous white shirt, he has won an impressive 10 trophies: 2 Champions Leagues, 1 Club World Cup, 2 European Super Cups, 2 LaLiga titles, 1 Copa del Rey, and 2 Spanish Super Cups."I'm very happy to be at the best club in the world for a few more years. From day one, the club made me feel at home. I feel very comfortable, and happy to be in the best place for my professional and personal development," Lunin told Real Madrid TV."I always try to improve in every way and to keep working hard but I still have a long way to go. The

2023/24 season was the one in which I played the most games and won three titles. It was unforgettable, important and a reward for the work done. I enjoy every day here," Lunin added.The new contract follows Lunin's outstanding 2023-2024 season, where he stepped up in the absence of first-choice goalkeeper Thibaut Courtois, who was sidelined for most of the season due to injury. Lunin's performances were so consistent that despite Real Madrid signing Kepa Arrizabalaga on loan from Chelsea, he became the preferred option in both La Liga and the UEFA Champions League under coach Carlo Ancelotti.Lunin played a crucial role in Real Madrid's success during the campaign, helping the team secure triumphs in both La Liga and UEFA Champions League, which also earned him a nomination for the Yashin Award for best goalkeeper.

However, he missed out on playing in the Champions League final against Borussia Dortmund due to illness, with Courtois returning to take his place.Although Courtois has since fully recovered, limiting Lunin's opportunities this season, his decision to commit to Real Madrid long-term has quashed rumors of a potential transfer.

# Ileana D'Cruz

## Drops Romantic Photos On Hubby Michael Dolan's Birthday, Says 'You Make Everything Better'

Ileana D'Cruz often shares photos with her son and husband Michael Dolan. Recently, she also took to her social media handle to share photos on her husband, Michael Dolan's birthday. The actress marked the special day by posting a romantic photo with Michael, accompanied by a heartfelt caption.In the picture, Ileana and Michael can be seen sharing a tender moment and she captioned it as 'Happy birthday baby cakes." In the second photo, Michael is seen swimming while the actress is making a video and she wrote, "You make everything better. I Love You." Last week, Ileana shared an adorable photo that will instantly melt your heart. Her husband Michael Dolan is seen playing guitar for son Koa. The photo has gone viral on social media.

Taking to her Instagram stories, Ileana shared a black and white photo in which we can see Michael sitting on a chair and playing guitar. Son Koa has joined him and is seen enjoying the music. "BRB, My ovaries just exploded…" read the caption. Recently she took to her social media and shared how badly she is missing her hubby Michael Dolan. Ileana shared an old goofy video and revealed that she looked through all these lovely videos when missing him.Recently, during an Ask Me session on Instagram, her followers were curious about her sleep patterns amid her maternal responsibilities. Ileana shared a story revealing the challenges of her sleep schedule as a new mom, reflecting on the demands of caring for her child.Ileana wrote, "Haha it's mostly nonexistent. I don't know how we, as full-time mamas, even function throughout the day. But we keep at it."

Ileana D'Cruz embraced motherhood last year when she welcomed Koa Phoenix Dolan with Michael Dolan in August. Previously, in an interview with ETimes, the actress revealed the reason behind naming her son Koa Phoenix. She shared, "I wanted to name my baby something unusual because I have a unique name, too. Koa somehow stood out. I spoke to Mike (Michael) about it, and even he found it cute. Phoenix is a name that's been on my mind for a while. Also, the line 'Rising from the ashes like a phoenix' is inspiring. In fact, I got a tattoo of a phoenix in 2018, which had a deep meaning for me. Mike loved the name, and I hope Koa likes it too when he grows up."

Work-wise, Ileana D'Cruz was last seen in Do Aur Do Pyaar co-starring Vidya Balan, Pratik Gandhi and Sendhil Ramamurthy in the lead roles. The Shirsha Guha Thakurta's directorial hit the theatres on April 19, 2024.

# Esha Deol

## On Mom Hema Malini's Advice Over Comparisons With Her: 'Won't Work If It Affects You'

Veteran actor couple Dharmendra and Hema Malini's elder daughter Esha Deol followed her parents and took up acting as her career. But her journey wasn't as easy as she often used to get compared to her legendary actor parents, especially her mother. Recently, the 42-year-old actress, who made her acting debut with Koi Mere Dil Se Poochhe, shared how Hema Malini's advice helped her handle such pressures in the industry.In an interview with Bollywood Bubble, Esha was quizzed about the guidance she received from her actor parents. She said that her parents never gave her unnecessary advice and would only step in when she would approach them. "The advice came gradually as I started working in films and faced certain challenges. My parents never offered unnecessary advice; they only stepped in when I approached them with an issue," added the actress.

Esha continued, "I remember after my first film, the comparisons between my mom and me began. I had a conversation with her, and she told me very clearly, 'This is going to be a part of your journey. You are here because you're passionate about your work, and it won't work if this is going to affect you. You have to learn not to let it get to you and just keep going.' And that's exactly what I did."

Well, this isn't the first time that the Dhoom actress has opened up about facing comparisons with her actress-mother. Earlier, in an interaction with Zoom, Esha recalled how the "pressure pump" started after the release of her first film, with even being "body-shamed for her baby fat." She mentioned, "The pressure pump started after the films were released, and things were written. Then I was like, they are comparing me in my first film to my mother, who has done 200 films. And they would say a lot about my baby fat. 'Oh, she has so much baby fat'. I had, I was 18, those cheeks were there. But they looked cute in those roles, the kind of roles that I did, I thought they looked nice."Esha became the epitome of a bold and daring persona after her electrifying performance in Dhoom Machale, the hit song from her 2004 film Dhoom.

# Ishaan Khatter Says Shahid Kapoor Was 'Taken Aback' by THIS in Perfect Couple: 'He Was Not...'

Bollywood star Ishaan Khatter surprised everyone when he appeared in The Perfect Couple. Sharing the screen with Hollywood stars like Nicole Kidman, Ishaan delivered a memorable performance. While the audiences have been raving about his performance, Ishaan revealed his brother, actor Shahid Kapoor and their mother, Neliima Azeem were also impressed with his work. Speaking with News18 Showsha exclusively, Ishaan revealed that Shahid was surprised by Ishaan's accent in the Netflix series."I think (Shahid Kapoor) was really taken aback by the accent, which he was not expecting. These were all the decisions I took with Susanne (Bier, director of The Perfect Couple) when I was working there, so I guess they didn't know what to expect and there was a surprise, in a positive way," Ishaan Khatter told us exclusively.

"My mom really loved me in the show, which was really lovely. I do take her criticism and her feedback seriously, beyond of course the fact that I feel she could be biased towards me because she's my mom and I am a good son (laughs). She's also a very accomplished actor and artist herself so she sees things with a very keen eye and she would have told me if I hit a false note. So it was a relief to hear good things," he shared.

Ishaan added that his family doesn't get involved in his process. "I do my own thing and my family doesn't really see it till there's something more complete to show them," he shared. For the unversed, Ishaan plays the role of Shooter Dival, a friend of the groom whose wedding takes a dark turn after a murder at the wedding party. He is one of the many suspects on the show.Not only is his family showering him with love, but Ishaan said that he's been receiving messages from a lot of unexpected people as well. "A lot of unexpected people messaging, which is wonderful.

# Sikandar: Salman Khan And Rashmika Mandanna Shoot Festive Song With 200 Dancers, Details Inside

The excitement surrounding Salman Khan and Rashmika Mandanna's upcoming film, Sikandar, has been steadily increasing. Recent reports suggest that the lead pair recently filmed a festive song accompanied by 200 background dancers. This celebratory track was composed by Pritam.According to a report from Midday, Salman Khan, after taking a break from intense action sequences, shot for a vibrant song alongside Rashmika Mandanna for Sikandar. The song, set against the backdrop of the slums of Dharavi, was filmed at Goregaon's SRPF Ground on a specially constructed set.

"The song features 200 background dancers and portrays the slum dwellers in a festive mood. Rashmika joined the crew on Thursday. Salman sports a unique look in the song, wearing a customized silver chain, earrings, a black vest, and a full-sleeved shirt paired with denim. Rashmika embraces a traditional look with a salwar kameez. Murugadoss has nearly completed the song's shoot, and the team will shift focus to action sequences over the weekend," a source shared with the publication.The report adds that if the current schedule progresses as planned, the Mumbai shoot will extend until October. Afterward, the team will travel to Europe by the end of the year to shoot two romantic songs. It was previously reported that due to a rib injury, Salman initially filmed lighter action scenes.Earlier, Pinkvilla reported that Salman began a 45-day shooting schedule for the movie in Mumbai in August. A source revealed that parts of Mumbai were recreated on a massive set in a local studio.It took more than three months to build the set, and the makers invested heavily to ensure the authenticity of every detail. This is a crucial schedule for Sikandar, as it involves shooting not just the action scenes but also emotional and dramatic sequences," the source said.Since its announcement on Eid earlier this year, Sikandar has generated immense buzz. Directed by AR Murugadoss, the film stars Salman Khan, Rashmika Mandanna, Sathyaraj, Prateik Babbar, and Kajal Aggarwal in pivotal roles.